महानगर नई दिल्ली सोमवार 2 दिसंबर, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

हिंदुत्व की विचारधारा नहीं छोड़ी : उद्धव

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने हिंदुत्व की विचारधारा नहीं छोड़ी है। उन्होंने विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान विपक्षी दल भाजपा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से राज्य की पिछली शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पांच साल में कभी सरकार को धोखा नहीं दिया और अपनी विचारधारा नहीं बदली। उन्होंने कहा कि आगे भी नहीं बदलेंगे।

> “जो लोग मेरे विपक्ष में थे अब वे मेरे साथ हैं और मैं जिनके साथ था, वे लोग अब विपक्ष में हैं।
>
> कहा, आरे कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले वापस होंगे”

उद्धव ठाकरे ने कहा, ‘मैं बहुत किस्मतवाला मुख्यमंत्री हूं, क्योंकि जो लोग मेरे विपक्ष में थे अब वे बाकी पेज 8 पर

कांग्रेस के पटोले बने विस अध्यक्ष

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कांग्रेस विधायक नाना पटोले महाराष्ट्र विधानसभा के नए अध्यक्ष बन गए हैं। राज्य विधानसभा की अब तक की परंपरा के मुताबिक उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के नए गठबंधन ‘महा विकास आघाड़ी’ ने उन्हें संयुक्त रूप से विधानसभा अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया था। इससे पहले विपक्षी दल भाजपा ने अपने उम्मीदवार किशन कथोरे का नाम ऐन वक्त पर वापस ले लिया। पटोले के निर्वाचन के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि नाना पटोले एक किसान परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा, ‘मुझे पूरा भरोसा है कि वह सभी के साथ न्याय करेंगे।’

कार्यवाहक अध्यक्ष बाकी पेज 8 पर

स्थानीय लोगों को नौकरियों में 80 फीसद कोटा : राज्यपाल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने रविवार को कहा कि ‘महा विकास आघाड़ी’ (एमवीए) सरकार कानून लाकर स्थानीय लोगों के लिए निजी नौकरियों में 80 फीसद आरक्षण सुनिश्चित करेगी। कोश्यारी बाकी पेज 8 पर

महाराष्ट्र विस में फडणवीस को विपक्ष के नेता का दर्जा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को रविवार को विधानसभा में नेता विपक्ष बनाया गया। विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले ने सदन में इस आशय की घोषणा की। पटोले ने बाकी पेज 8 पर

‘अगले 8-10 दिन में करूंगी बड़ा फैसला’

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

महाराष्ट्र में सत्ता हाथ से निकलने के बाद भारतीय जनता पार्टी में बगावत की सुगबुगाहट होने लगी है। भाजपा के कद्दावर नेता और राजग - 1 सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे दिवंगत गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा ने कहा है कि वह अगले 8-10 दिनों में बड़ा फैसला लेंगी। उन्होंने अपनी एक फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि यह तय करूंगी कि मुझे कौन से रास्ते जाना है।

पंकजा ने मराठी में लिखी फेसबुक पोस्ट में कहा, ‘राज्य में बदले राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए यह सोचने और निर्णय करने की जरूरत है कि आगे क्या किया जाए। मुझे स्वयं से बात करने के लिए आठ से 10 दिन की आवश्यकता है। मौजूदा राजनीतिक बदलावों की पृष्ठभूमि में भावी यात्रा पर फैसला किए जाने की आवश्यकता है।’ उन्होंने कहा, ‘अब क्या करना है? कौन सा मार्ग चुनना है? हम लोगों को क्या दे सकते हैं? हमारी ताकत क्या है? लोगों की अपेक्षाएं क्या हैं? मैं इन सभी पहलुओं पर विचार करूंगी और आपके सामने 12 दिसंबर को आऊंगी।’ पंकजा 21 अक्तूबर को हुए विधानसभा चुनाव में राकांपा के धनंजय मुंडे के हाथों बीड जिले की परली सीट से हार गई थीं।

पंकजा के पोस्ट के मुताबिक गोपीनाथ मुंडे के जन्मदिन के मौके बाकी पेज 8 पर

फेसबुक पर लिखा

अब क्या करना है? कौन सा मार्ग चुनना है? हम लोगों को क्या दे सकते हैं? हमारी ताकत क्या है? लोगों की अपेक्षाएं क्या हैं? मैं इन सभी पहलुओं पर विचार करूंगी और आपके सामने 12 दिसंबर को आऊंगी

पंकजा 21 अक्तूबर को हुए विधानसभा चुनाव में राकांपा के धनंजय मुंडे के हाथों बीड जिले की परली सीट से हार गई थीं।

उपभोक्ताओं के लिए सस्ती कॉल व डेटा का दौर खत्म

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

वोडाफोन आइडिया व एअरटेल और रिलायंस जियो के प्रीपेड उपभोक्ताओं की जेब पर तीन दिसंबर से अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। दोनों कंपनियों ने प्रीपेड मोबाइल सेवाओं की दरें 50 फीसद तक बढ़ाने की रविवार को घोषणा की जो करीब चार साल में पहली वृद्धि है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने दिसंबर के शुरू में दरें बढ़ाने की घोषणा पहले ही कर रखी थी। इन दोनों कंपनियों ने रविवार को अलग-अलग बयान जारी कर अपने विभिन्न प्लान की बढ़ी दरों की जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया ने मोबाइल सेवाओं को 42 फीसद तक और एअरटेल ने 50.10 फीसद तक महंगी की है। इन दोनों कंपनियों की संशोधित दरें तीन दिसंबर से प्रभावी होंगी। जियो की नई दरें छह दिसंबर से प्रभावी होंगी और 40 फीसद तक महंगी होंगी। हालांकि जियो ने इसका ब्योरा नहीं दिया।

कल से वोडाफोन आइडिया व एअरटेल व छह दिसंबर से बढ़ेंगी रिलायंस जियो की दरें

वोडाफोन आइडिया ने सिर्फ अनलिमिटेड डेटा एवं कॉलिंग की सुविधा वाले प्रीपेड प्लान की दरें बढ़ाई हैं। एअरटेल ने सीमित डेटा एवं कॉलिंग वाले प्लान की शुल्कों में भी संशोधन किया है। वोडाफोन आइडिया के बयान के मुताबिक उसने सर्वाधिक 41.2 फीसद की वृद्धि सालाना प्लान में की है। उसके इस प्लान की दर 1,699 रुपए से बढ़कर 2,399 रुपए हो गई है। इसी तरह रोजाना डेढ़ जीबी डेटा की पेशकश के साथ 84 दिन की वैधता वाले प्लान की दर 458 रुपए से 31 फीसद बढ़ा कर 599 रुपए कर दी गई है। कंपनी का 199 रुपए वाला प्लान अब 249 रुपए का हो जाएगा। कंपनी ने इसके साथ ही अन्य नेटवर्क पर आउटगोइंग कॉल करने पर छह पैसे प्रति मिनट की दर से शुल्क लगाने की भी घोषणा की है।

एअरटेल ने सालाना प्लान को 41.14 फीसद बढ़ा कर 1,699 रुपए की जगह 2,398 रुपए का कर दिया है। कंपनी का सीमित डेटा वाला सालाना प्लान अब 998 रुपए की जगह तीन तारीख से 1,498 रुपए का हो जाएगा। इस प्लान की दर में यह 50.10 फीसद की वृद्धि है। इसी तरह एअरटेल ने 82 दिन की वैधता के साथ असीमित डेटा वाले प्लान को 499 रुपए से 39.87 फीसद बढ़ाकर 698 रुपए और सीमित डेटा कर बाकी पेज 8 पर

त्वरित अदालत में होगी बलात्कार व हत्या मामले की सुनवाई

हैदराबाद, 1 दिसंबर (भाषा)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने महिला पशु चिकित्सक से बलात्कार और जलाकर हत्या के मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए रविवार को त्वरित अदालत गठित करने के आदेश दिए। इस घटना के बाद से अपने पहले सार्वजनिक बयान में राव ने 25 वर्षीय महिला से बलात्कार और हत्या मामले को भयावह करार दिया और अपनी गहरी पीड़ा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने अधिकारियों को त्वरित अदालत का गठन करने के लिए प्रक्रिया शुरू करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि दोषियों को कड़ी सजा मिले। बयान में कहा गया है कि सरकार महिला पशु चिकित्सक के परिवार को हरसंभव मदद देने के लिए तैयार है।

इस बीच, पुलिस ने बलात्कार व हत्या की घटना में उसके लापता होने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने बाकी पेज 8 पर

हैदराबाद

मुख्यमंत्री ने दिए आदेश, लापरवाही बरतने के आरोप में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

परिवार ने कहा था कि पुलिस ने न्यायिक कारणों का हवाला देते हुए महिला के लापता होने पर समय रहते कार्रवाई नहीं की थी।

स्कूटी सवार तीन किशोरों की खंभे से टकराकर मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली गेट पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार तीन किशोरों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तीनों की पहचान मोहम्मद साद, ओसामा और हमजा के तौर पर हुई है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार तीनों नाबालिग थे और उन्होंने हेलमेट भी नहीं पहना था। उन्होंने बताया कि हादसे के समय स्कूटी की गति काफी तेज थी और वह एक डिवाइडर से टकराने के बाद खंभे से जा टकराई। उन्होंने बताया कि खंभे से टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन घटना स्थल से 25 फुट दूर जा गिरा, जबकि शव खंभे के पास ही मिले। तीनों के सिर में चोट लगी थी। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

> टक्कर के बाद 25 फुट दूर जाकर गिरी स्कूटी, परिजनों ने लगाया साजिश का आरोप, पुलिस से मांगे सीसीटीवी फुटेज

हादसे के बाद पीड़ितों के परिजनों ने दिल्ली गेट के पास स्थित दरियागंज थाना और उपायुक्त कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन किया और असलियत जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मांग की। परिजनों का आरोप है कि यह सीधे तौर पर सड़क दुर्घटना नहीं है बल्कि तीनों किशोर जिस स्कूटी पर सवार थे, उसे पीछे से जोर से टक्कर मारी गई है। अपराध और सीएफएसएल की टीमों ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य लिए और जांच शुरू कर दी है। किशोरों के शवों का डॉक्टरों के एक पैनल से पोस्टमार्टम कराने के बाद रिपोर्ट की प्रतीक्षा बाकी पेज 8 पर

करतारपुर पर नापाक इरादा हुआ बेनकाब : अमरिंदर

चंडीगढ़, 1 दिसंबर (भाषा)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रविवार को कहा कि करतारपुर गलियारे के बारे में पाकिस्तान के वरिष्ठ मंत्री के खुलासे ने इस पहल के पीछे इस्लामाबाद के नापाक इरादों को उजागर कर दिया है। पाकिस्तान के वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि करतारपुर गलियारे को खोलना, वहां के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की सोच है और इससे भारत को नुकसान होगा।

सिंह ने पाकिस्तान के रेल मंत्री शेख राशिद की स्वीकारोक्ति पर गहरी चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि मुद्दे पर उनके रुख की पुष्टि करते हुए राशिद ने गलियारे के पीछे की पाकिस्तान की पूरी सोच को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने राशिद के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई बाकी पेज 8 पर

> “करतारपुर गलियारे के बारे में पाकिस्तान के वरिष्ठ मंत्री के खुलासे ने इस पहल के पीछे इस्लामाबाद के नापाक इरादों को उजागर कर दिया है।

संघ प्रमुख के साथ मंच पर दिखे द्विवेदी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व राज्यसभा सदस्य जनार्दन द्विवेदी ने रविवार को धार्मिक ग्रंथ गीता पर आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और साध्वी ऋतंभरा के साथ मंच साझा किया और गीता की महत्ता को लेकर अपनी बात भी रखी। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने का स्वागत कर चुके वरिष्ठ कांग्रेस नेता जर्नादन द्विवेदी के संघ व भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करने पर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि द्विवेदी ने कहा कि वे कांग्रेस नेता के तौर पर नहीं बल्कि निजी तौर इस कार्यक्रम में आए हैं।

कांग्रेस हाईकमान के बेहद करीबी रहे द्विवेदी लंबे समय तक कांग्रेस के संगठन महासचिव व मीडिया विभाग के प्रमुख के पद पर भी रहे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के दोनों कार्यकाल में जनार्दन द्विवेदी यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के बाद सबसे कद्दावर नेताओं में से एक गिने जाते रहे। वे अब भी कांग्रेस बाकी पेज 8 पर

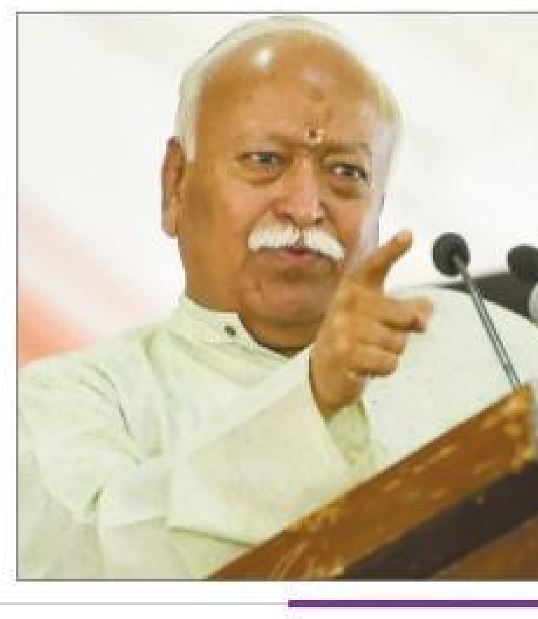

कांग्रेसियों की चुप्पी

संघ नेताओं के साथ जनार्दन द्विवेदी मंच साझा करने के बाद शुरु हुई सियासी अटकलों पर कांग्रेसी नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कुछ कहने से परहेज किया। ज्यादातर ने यह कहकर इस मामले को तूल देने से बचने की कोशिश की कि यह एक धार्मिक कार्यक्रम था और यदि इसमें द्विवेदी ने शिरकत भी की तो इसे सियासी चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

छह और हवाईअड्डों के निजीकरण की सिफारिश

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) ने अमृतसर, वाराणसी, भुवनेश्वर, इंदौर, रायपुर और त्रिची (तिरुच्चिराप्पल्ली) हवाई अड्डों के निजीकरण की केंद्र से सिफारिश की है। केंद्र सरकार ने इस साल फरवरी में सार्वजनिक - निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत परिचालन, प्रबंधन और विकास के लिए पहले ही लखनऊ, अमदाबाद, जयपुर, मंगलुरु, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी में हवाई अड्डों का निजीकरण कर दिया है।

एएआइ के एक अधिकारी के मुताबिक, ‘इस साल फरवरी में छह हवाई अड्डों का निजीकरण किया जा चुका है। एएआइ ने पांच सितंबर को निदेशक मंडल की बैठक में छह और हवाई अड्डों का निजीकरण करने का फैसला किया है। इनमें अमृतसर, वाराणसी, भुवनेश्वर, इंदौर, रायपुर और त्रिची शामिल हैं।’ अधिकारी ने कहा, ‘निदेशक मंडल के फैसला लेने के बाद बाकी पेज 8 पर

> इस साल फरवरी में निजीकरण के पहले दौर में अडाणी समूह को सभी छह हवाई अड्डों के परिचालन का ठेका मिला था।
>
> एएआइ ने विजेता का चुनाव ‘मासिक प्रति यात्री शुल्क’ के आधार पर किया था।

दरअसल

90 फीसद महिलाएं सुनसान इलाकों में जाने से डरती हैं | **अध्ययन** | अविवाहित महिलाओं को यौन उत्पीड़न का अधिक खतरा

भोपाल, ग्वालियर, जोधपुर में असुरक्षित महसूस करती हैं महिलाएं

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

भोपाल, ग्वालियर और जोधपुर में करीब 90 फीसद महिलाएं सुनसान और असुरक्षित इलाकों की वजह से वहां सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। एक अध्ययन में बताया गया है कि अविवाहित महिलाओं तथा छात्राओं को यौन उत्पीड़न का अधिक खतरा है।

यह अध्ययन सामाजिक उद्यम ‘सेफ्टीपिन’, सरकारी संगठन केओआइसीए (कोरिया इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजंसी) और एनजीओ एशिया फाउंडेशन ने किया है। इस अध्ययन में मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर तथा राजस्थान के जोधपुर में किए गए 219 सर्वेक्षणों को शामिल किया गया है। अध्ययन के मुताबिक, 89 फीसद महिलाओं का कहना है कि उन्हें सुनसान इलाकों की वजह से असुरक्षित महसूस होता है। 63 फीसद महिलाओं ने कहा है कि सार्वजनिक परिवहन की गाड़ियों के लगभग खाली होने की वजह से उन्हें डर लगता है, 86 फीसद महिलाओं ने कहा है कि आसपास मादक पदार्थ और शराब की बिक्री की वजह से वे असुरक्षित महसूस करती हैं। 68 फीसद महिलाओं ने कहा कि सुरक्षा की कमी से उन्हें असुरक्षा का अहसास होता है।

अध्ययन में बताया गया है कि महिलाओं को बसों, शेयर्ड ऑटो और सार्वजनिक परिवहन के अन्य माध्यमों में सफर करने दौरान अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ता है। इस अध्ययन के मुताबिक, छात्राओं (57.1 फीसद) और अविवाहित महिलाओं (50.1 फीसदी) को यौन उत्पीड़न का अधिक खतरा है। यह भी पाया गया है कि घूरना, पीछा करने, फब्तियां कसने और छूने जैसी घटनाएं बढ़ी हैं लेकिन इन्हें यौन उत्पीड़न जितना गंभीर नहीं माना जाता है। इसमें बताया गया है कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर उत्पीड़न की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

अध्ययन के मुताबिक, करीब 50 फीसद में से 39 फीसद महिलाओं ने सार्वजनिक परिवहन और बाजारों को ऐसे सार्वजनिक स्थलों के बाकी पेज 8 पर

63 फीसद महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन की खाली गाड़ियों में सफर करने में डर लगता है।

68 फीसद महिलाओं ने कहा कि सुरक्षा इंतजामों की कमी से उन्हें असुरक्षा का अहसास होता है।

26 फीसद महिलाओं ने कहा है कि वे सड़क किनारे यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं।

यह अध्ययन सामाजिक उद्यम ‘सेफ्टीपिन’, सरकारी संगठन केओआइसीए और एनजीओ एशिया फाउंडेशन ने किया है। इसमें मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर तथा राजस्थान के जोधपुर में किए गए 219 सर्वेक्षणों को शामिल किया गया है।

www.readwhere.com

जनसत्ता
क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, Yashu Khandelwal S/o Sitaram Khandelwal R/o 207, 3rd Floor, Vivekanandpuri, Sarai Rohilla, New Delhi-110007, have changed my name to Yaashu Khandelwal for all purposes.
0040522361-1

I, Veena Rani W/o Madan Mohan R/o H-5, Mansarover Park, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Veena Vashisht
0040522197-1

I, Megha Khandelwal D/o Durga Devi Kedia R/o 207, 3rd Floor, Vivekanandpuri, Sarai Rohilla, New Delhi-110007, have changed my name to Meghaa Khandelwal for all purposes.
0040522358-1

I, Kishor Kumawat s/o gheesa ram kumawat R/O 101A Street No 6 B Ashok Vihar Phase 3 Extn Gurgaon Haryana 120001 have changed name to Ramkishor Kumawat for all purposes.
0040522523-1

I, Hinwuli Bhandari W/o Shri Govind Singh Bhandari R/o E-93, A Jeevan Park, Pankha Road, New Delhi-110059, have changed my name to Hemwati Bhandari for all future purposes.
0040522545-1

I, Himani D/o Lalit Gola R/o 72/B, First Floor, Arjun Nagar Safdarjung Enclave, Delhi 110029 have changed my name to Himani Gola for all purposes.
0040522520-1

I Avinash S/o Sh. Chetan Singh Verma R/o Flat No.203, Hamlin Apartment, Sector-43, Gurugram, have changed my name to Avinash Verma for all future purposes.
0040522519-1

I, Dharmender Mohan S/o Madan Lall Dogra R/o-Flat Number-73, Jdm Apartments, Sector-5, Plot number-11, Dwarka, New Delhi-110075, have changed my name to Dharmender Mohan Dogra for all purposes.
0040522553-1

I, D.N.Mendhekar alias Dattatreya Namdeorao Mendhekar alias, Dattatraya Namdeo Mendhekar alias Dattatraya Namdeorao Mendhekar alias Dattattreya Mendhekar S/o Namdeorao Mendhekar residing at 10867/19, Amrit Puri Near Metro Piller No.129, Pratap Nagar, Delhi-110007, have changed my name and shall hereafter be known as Dattatraya Mendhekar. 0040522417-7

मैं रचना मनीष कुमार गर्ग पत्नी मनीष गर्ग निवासी बी–605 पार्क व्यू आनंद, सेक्टर 81, गुड़गांव (हरियाणा) ने अपना नाम बदल कर रचना गर्ग कर लिया है। हलफनामा सं० 15238 दिनांक 26.11.2019
50159306

खोया+पाया

Tahmina R/O B-4 hamdard flat PUL PAHLADPUR delhi 110044 lost my original CBSE Mark sheet & certificate 10th and 12th and my graduation mark sheet from IGNU please return to 9818555786 0050159305-1

PUBLIC NOTICE
This is to inform you that my client Mrs. Gomti Srinivasan W/o Shri V. Srinivasan R/o E-79-A, Gangotri Enclave, Alaknanda, New Delhi, is proprietor of M/s Advanced Orthopedic Product Centre and owner of Unit No. UG-24, Ansal Chamber-II, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Now my client is willing to transfer / sell the above property. If anyone is having any objection, may contact the undersigned within 15 days of this notice. Hence, no claim shall be entertained thereafter.
Vipul Goel (Advocate)
Office cum Resi: 85, Sukhdev Vihar, New Delhi-110025
Mobile: 9810095300

PUBLIC NOTICE
Be, it known to the public at large that my client Ms. Gunjan Verma D/o Sh. Ravinder Verma, R/o D 31, Golf Green Apartments, Plot No. 2, Sector 19 B, Dwarka, New Delhi has no relation/connection with her brother Sh. Lakshya Verma and his Wife Smt Nehha Abhi and henceforth my client has severed/cut off all her relations/connections in/for any form/purpose whatsoever and is not responsible/accountable for any of their acts/deeds/conduct of commission/omission in any form whatsoever and/or any consequences thereof.
Arvendra Singh, Advocate
Off.: 196, Sec.-18A, Dwarka

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

स्मार्ट सिटी की दौड़ में पिछड़े पूर्वोत्तर के राज्य, मध्य प्रदेश सबसे आगे

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

देश के सौ शहरों को अत्याधुनिक नागरिक सुविधाओं से लैस करने के लिए शुरू की गई सरकार की महत्वाकांक्षी 'स्मार्ट सिटी परियोजना' में पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्य फिसड्डी साबित हो रहे हैं, वहीं मध्य प्रदेश इस मामले में अन्य राज्यों से काफी आगे है।

शहरी जीवन को आसान बनाने (ईज ऑफ लिविंग) के लिए आवासन व शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जून 2015 में शुरू की गई इस परियोजना की प्रगति की राज्यवार समीक्षा के मुताबिक पिछले पांच सालों में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत केंद्र की ओर से जारी राशि में से राज्य अभी आधी राशि का ही इस्तेमाल कर पाए हैं। मंत्रालय द्वारा संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच साल में सभी राज्यों के 100 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए अब तक 18614.10 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता राशि जारी की गई है। राज्य इसमें से 9497.09 करोड़ रुपए (51 फीसद) का इस्तेमाल कर पाए हैं।

इसके अनुसार स्मार्ट सिटी के तहत इन शहरों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की पूर्वोत्तर राज्यों में न सिर्फ गति बहुत धीमी है बल्कि तमाम शहर केंद्रीय राशि का पैसा भी खर्च करने में सुस्त हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश और और पश्चिम बंगाल के कुछ शहरों को केंद्र द्वारा पांच साल में महज दो करोड़ रुपए ही जारी किए जाने के कारण इन शहरों में परियोजनाएं सुस्त हैं।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, मेरठ और रामपुर, पश्चिम बंगाल के बिधाननगर, दुर्गापुर और हल्दिया, महाराष्ट्र में ग्रेटर मुंबई और अमरावती तथा तमिलनाडु के डिंडीगुल को पांच साल में महज दो करोड़ रुपए ही केंद्रीय राशि मिली है। मंत्रालय के अधिकारी ने इन शहरों से परियोजनाओं के प्रस्ताव नहीं मिलने को कम राशि जारी होने की मुख्य वजह बताया है। परियोजना की प्रगति रिपोर्ट के मुताबिक इस साल 15 नवंबर तक परियोजना में चयनित 100 शहरों की ओर से 2.05 लाख करोड़ रुपए की लागत वाले कुल 5151 परियोजनाओं के प्रस्ताव केंद्र को मिले। इनमें से 1.49 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 4178 परियोजनाओं के लिए निविदाएं जारी की गईं, 1.05 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 3376 परियोजनाओं का काम जारी है और 23170 करोड़ रुपए की लागत से 1296 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं।

परियोजना की राज्यवार समीक्षा के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के दो शहरों में एक भी परियोजना अब तक पूरी नहीं हो पाई है। असम के गुवाहटी में अब तक सिर्फ पांच परियोजनाओं पर काम शुरू हो पाया है, इनमें से दो ही पूरी हो पाई हैं। मणिपुर और मेघालय का रिपोर्ट कार्ड भी शून्य है और सिक्किम में सिर्फ एक परियोजना पूरी हुई है। इस मामले में सिर्फ त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम में लगभग आधी परियोजनाएं पूरी हो पाई हैं। जम्मू-कश्मीर के दोनों शहरों जम्मू और श्रीनगर की 20 स्वीकृत परियोजनाओं में से एक भी पूरी नहीं हो सकी और पश्चिम बंगाल के न्यू टाउन कोलकाता में 56 में से महज 1.1 करोड़ रुपए की लागत वाली चार परियोजनाएं पूरी हो सकी हैं।

स्मार्ट सिटी की दौड़ में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और गुजरात सबसे आगे हैं। मध्य प्रदेश ने लगभग 300 स्वीकृत परियोजनाओं में से 5275 करोड़ रुपए की लागत वाली 265 परियोजनाएं पूरी कर ली हैं। परियोजना में शामिल राज्य के सात शहरों में इंदौर, 154 परियोजनाएं पूरी कर देश के सौ शहरों में सबसे आगे है। वहीं कर्नाटक में 193, उत्तर प्रदेश में 136 और गुजरात में 131 परियोजनाएं पूरी हो गई हैं।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा आरे मेट्रो कार शेड प्रोजेक्ट को रोके जाने के फैसले के बाद मुंबई में रविवार को खुशी का इजहार करते लोग।

पुनर्विचार की मांग करना दोहरा मानदंड : श्री श्री रविशंकर

कोलकाता, 1 दिसंबर (भाषा)।

अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के खिलाफ अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के पुनर्विचार याचिका दायर करने के फैसले को आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने दोहरा मानदंड करार दिया।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं और मुसलमानों को आगे बढ़ना चाहिए और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित मध्यस्थता समिति के सदस्य रहे आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि मामला काफी पहले सुलझा लिया गया होता, अगर एक पक्ष विवादित जगह पर मस्जिद बनाने पर न अड़ा रहता।भारत में मौजूदा आर्थिक संकट के संदर्भ में उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए काफी कुछ किए जाने की जरूरत है। श्री श्री रविशंकर ने यहां दिए एक खास साक्षात्कार में कहा, 'हां, मैं अयोध्या पर फैसले से खुश हूं। मैं 2003 से कह रहा हूं कि दोनों समुदाय इस पर काम कर सकते हैं...एक तरफ मंदिर बनाइए और दूसरी तरफ मस्जिद। लेकिन ये जिद की मस्जिद वहीं बनानी है, उसका कोई मतलब नहीं है।'

श्री श्री शहर के नेताजी इनडोर स्टेडियम में लोगों को संबोधित करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने नए कार्यक्रम 'व्यक्ति विकास से राष्ट्र विकास' की भी घोषणा की। उन्होंने न्यायालय के फैसले को 'लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने के लिए बेहद अच्छा निर्णय बताया। सुप्रीम कोर्ट के एक पीठ ने नौ नवंबर को एकमत से अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करते हुए केंद्र को निर्देश दिया था कि वह सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ का भूखंड आबंटित करे।

'पुनर्विचार याचिका के हिमायती हैं 99 फीसद मुसलमान'

लखनऊ, 1 दिसंबर (भाषा)।

देश में मुसलमानों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड का मानना है कि बाबरी मस्जिद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायपालिका पर भरोसा कमजोर हुआ है और 99 फीसद मुसलमान चाहते हैं कि इस निर्णय पर पुनर्विचार की याचिका दाखिल की जाए।

बोर्ड के महासचिव मौलाना वली रहमानी ने रविवार को बातचीत में कहा कि मुसलमानों को न-यायपालिका पर भरोसा है, इसीलिए अयोध्या मामले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा रही है, मगर बाबरी मस्जिद के फैसले के बाद वह भरोसा 'कमजोर' हुआ है। उन्होंने कहा, 'मुल्क के 99 फीसद मुसलमान यह चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाए। अगर यह समझा जा रहा है कि बहुत बड़ा तबका इस याचिका के विरोध में है, तो यह गलतफहमी है।' मौलाना रहमानी ने एक सवाल पर कहा, 'हमें शुबहा (आशंका) है कि हमारी पुनर्विचार याचिका ठुकरा दी जाएगी, मगर इसका मतलब यह नहीं है कि हम इसे पेश भी न करें। यह हमारा कानूनी हक है। अदालत के फैसले की कई बातें एक-दूसरे को काटती हैं। कोई भी मुसलिम या सुलझे हुए हिंदू भाई दिल पर हाथ रखकर सोचें तो समझ जाएंगे कि बाबरी मस्जिद का फैसला कितना दुरुस्त है?' इस सवाल पर कि कई लोग कह रहे हैं कि मसले को यहीं खत्-म कर दिया जाए, मौलाना ने कहा कि ये वो लोग हैं जिन्होंने मस्जिद के मुकदमे में अपना जहन नहीं लगाया, जिन्हें मस्जिद से कोई अमली दिलचस्पी नहीं है, जो खौफ की फिजा में जीते हैं और दूसरों को खौफजदा करना चाहते हैं। इसमें अच्छी खासी तादाद दानिशवरों (प्रबुद्ध वर्ग) की है।

उन्-होंने कहा, 'अक्सर दानिशवर किस्म के लोग इस तरह की बातें करते हैं। ये लोग मैदान में कहीं नहीं रहते। वे मुसलमानों के मसले हल करने के लिए कोरी बातों के सिवा कुछ नहीं करते और उनके पास समस्याएं हल करने की कोई व्यवहारिक योजना नहीं है। वे मौके-ब-मौके मीडिया को बयान देकर मशहूर होते रहते हैं। इन लोगों से पूछा जाए कि उन्होंने मुसलमानों के भले के लिए क्या किया।'

सुप्रीम कोर्ट ने गत नौ नवंबर को अयोध्या मामले में फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल पर भगवान राम का मंदिर बनवाने और मुसलमानों को मस्जिद बनाने के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन देने के आदेश दिए थे। ऑल इंडिया मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पिछली 17 नवबर को अपनी आपात बैठक में इस आदेश पर पुनर्विचार की याचिका दाखिल करने का फैसला किया था।

हालांकि मामले के प्रमुख पक्षकार रहे उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने पुनर्विचार याचिका नहीं दाखिल करने का निर्णय लिया है। मौलाना रहमानी ने आरोप लगाया कि पुनर्विचार याचिका दाखिल करने के इच्छुक अयोध्या निवासी मुसलिम पक्षकारों को पुलिस ऐसा करने से जबरन रोक रही है। प्रशासन अपनी सफाई में झूठ बोल रहा है। उसकी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

बोर्ड के सचिव जफरयाब जीलानी ने भी हाल में यही आरोप लगाए थे। मगर अयोध्या के जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने इन इल्जामात को गलत बताते हुए कहा था कि जीलानी के पास अगर सुबूत हों तो पेश करें।

मिजोरम में छह करोड़ कीमत की नशीली दवाइयां जब्त

आइजोल, 1 दिसंबर (भाषा)।

मिजोरम आबकारी एवं नशीला पदार्थ विभाग के अधिकारियों ने बीते तीन दिन में यहां भारी मात्रा में मेथमफेटामाइन टैबलेट जब्त की, जिसकी कीमत छह करोड़ रुपए से अधिक है। इस टैबलेट का इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रतिबंधित दवा को म्यामां से तस्करी कर लाया गया था जिसकी कीमत स्थानीय बाजार में 6.06 करोड़ रुपए

The Indian EXPRESS
Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING
EXPRESS EDUCATION
M. PURI
ONLINE
GS PAPER 2
ADMISSIONS OPEN in the latest batch
100+ LECTURES UPDATED WITH LATEST CURRENT AFFAIRS
A course without which your GS Paper 2 preparation is incomplete
Stellar IAS ACADEMY
Your Ambition Our Guidance
www.stellariasacademy.online
CALL: 99152-14599
Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

छत्तीसगढ़ में महिला का जला हुआ शव बरामद

बलरामपुर, 1 दिसंबर (भाषा)।

बलात्कार के बाद हत्या की आशंक

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में रविवार को एक अज्ञात महिला का जला हुआ शव बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि महिला की उम्र 20 से 30 साल के बीच रही होगी।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक चरवाहे ने राजपुर पुलिस थानाक्षेत्र के तहत आने वाले गोपालपुर मुर्का बांध के निकट जंगलों में यह शव देखा था। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि मौत दो से तीन दिन पहले हुई है। हमें संदेह है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई है। मौके से एक बैग मिला है जिसमें शराब और खाने का कुछ सामान मिला है। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक टी आर कोशिमा ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

दिल्ली में हवा की गति थमने और सर्दी बढ़ने से प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

राजधानी में हवा की गति कुछ थमने और सर्दी कुछ और बढ़ने से रविवार को प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया। हवा एक बार फिर संतोषजनक से खराब दर्जे में पहुंच गई। गोविंदगढ़ की हवा की गुणवत्ता बहुत खराब स्तर की रही। दिल्ली में सुबह कोहरे व धुंध की परत भी छाई रही। लेकिन दिन चढ़ने के साथ गुनगुनी धूप भी खिली।

दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में रविवार को हवा की गुवणत्ता खराब दर्ज की गई। दिल्ली, भोपाल, बनारस सहित मापे गए 100 मे 27 शहरों की हवा की गुणवत्ता खराब पाई गई। इससे दो दिन पहले मिली राहत हवा हो गई लोग अक बार फिर प्रदूषण की चपेट में रहे। राजधानी में सुबह की शुरुआत सर्द हवा के झोंकों के साथ हुई। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक पारा गिरकर 9.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो मौसम के औसत से एक डिग्री कम है।

प्रदूषण मापक प्रणाली सफर के मुताबिक सुबह हवा जरूर चली लेकिन दिन चढ़ने के साथ हवा की गति कम और ठंड अधिक होने की वजाह से प्रदूषण तितर-वितर नहीं होने से एक बार फिर जमा होने लगे। जिससे संतोषजनक हवा एक बार फिर खराब दर्जे मे आ गई। दिल्ली क औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 250 गाजियाबाद का 292 गोटर नोयडा 281 व फरीदाबाद का 218 दर्ज किया गया। गया, नोएडा, जींद, मोरादाबाद की हवा भी खराब दर्ज की गई। दिल्ली में रविवार को सुबह कोहरा छाया रहा था। न्यूनतम तापमान नौ से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

कारोबारी के ठिकानों पर छापे, तीन प्राथमिकी दर्ज

इंदौर, 1 दिसंबर (भाषा)।

मोहपाश मामला

मध्य प्रदेश के कुख्यात मोहपाश गिरोह के जाल में फंसे कुछ प्रभावशाली लोगों से जुड़े कथित ऑडियो-वीडियो पर आधारित खबरों को लेकर मचे हड़कंप के बाद यहां एक कारोबारी के मीडिया संस्थान और उसके अन्य ठिकानों पर पुलिस और प्रशासन ने शनिवार देर रात छापे मारे। इसके साथ ही, कारोबारी, उसके बेटे और उससे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ अलग-अलग आरोपों में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि स्थानीय कारोबारी जीतेन्द्र सोनी के घर, होटल, रेस्तरां और नाइट क्लब पर छापे मारे गए। सोनी, एक सांध्य दैनिक के मालिक और प्रधान संपादक भी हैं। इस मीडिया संस्थान पर भी छापा मारा गया।

इंदौर की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रुचिवर्धन मिश्र ने एजंसी को बताया कि एमआइजी, पलासिया और कनाड़िया के पुलिस थानों में अलग-अलग इल्जाम को लेकर दर्ज तीन प्राथमिकियों के आरोपियों में जीतेन्द्र सोनी, उनके बेटे अमित सोनी और उनसे जुड़े अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। इन मामलों की जांच के संबंध में ये छापे मारे गए।

सोनी का सांध्य दैनिक हनी ट्रैप मामले में फंसे राजनेताओं और नौकरशाही से जुड़े रसूखदार लोगों से संबंधित कथित ऑडियो-वीडियो पर आधारित खबरें पिछले कई दिनों से प्रकाशित और प्रसारित कर रहा था।

इस बीच, इंदौर प्रेस क्लब और प्रदेश के अन्य पत्रकार संगठनों ने सोनी के मीडिया संस्थान और उनके कारोबारी ठिकानों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को डराने का सरकारी प्रयास करार देते हुए इसकी तीखी निंदा की है। सोशल मीडिया पर भी पत्रकार इस कार्रवाई को लेकर विरोध जता रहे हैं।

पुलिस के एक आला अधिकारी ने बताया कि हनी ट्रैप मामले के शिकायतकर्ता और इंदौर नगर निगम के निलंबित अधीक्षण इंजीनियर हरभजन सिंह ने सांध्य दैनिक में छपी खबर को लेकर आइटी एक्ट के संबद्ध प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। अधिकारी के मुताबिक सिंह का आरोप है कि सांध्य दैनिक के मालिक ने उनकी निजता का हनन करते हुए उनके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की और इसके ऑडियो-विजुअल अंशों को अलग-अलग माध्यमों पर प्रसारित भी किया।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक शनिवार देर रात से शुरू हुई एक अन्य मुहिम के दौरान गीता भवन चौराहे पर सोनी परिवार के चलाए जा रहे एक नाइट क्लब से 67 युवतियों और महिलाओं को बचाया गया है। इनके साथ कुछ बच्चे भी थे। इनमें पश्चिम बंगाल और असम की बार डांसर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाइट क्लब से जुड़े मामले में भारतीय दंड विधान की धारा 370 (मानव तस्करी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

FORM No. 14 [See Regulation 33(2)]
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - I
(Government of India, Ministry of Finance, Department of Financial Services)
सत्यमेव जयते
2nd Floor, Bhikhubhai Chambers, 18, Gandhikunj Society, Nr. Kocharab Ashram, Ellisbridge, Ahmedabad - 380006.
(Established u/s. 3 of the Recovery of Debts due to Banks & Financial Institutions Act, 1993 for the area comprising Districts of Ahmedabad, Gandhinagar, Mehsana, Patan, Sabarkantha (Himmat-Nagar) Banaskantha (Palanpur) of Gujarat State w.e.f. 1st June, 2007.)
(See Section 25 to 29 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993 read with Rule 2 of Second Schedule of the Income Tax Act-1961)
R. C. No. 264/2019 O. A. No. 745/2016
Certificate Holder : Bank of Maharashtra, Bhadhra, Ahmedabad.
V/s
Certificate Debtor : Venus Creation & Ors.
DEMAND NOTICE
To,
CD No. 3 Shri Bhavin Nalinkant Shah, Residing at : 3216, 1st Floor, K.S. Plaza Street, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi - 110005.
In view of the Recovery Certificate issued in O.A./M.A./Misc. I.A./Exe.Pet/No. 745/2016 passed by the Presiding Officer, DRT - I, Ahmedabad an amount of Rs. 1,48,23,658/- (Rupees One Crore Forty Eight Lacs Twenty Three Thousand Six Hundred Fifty Eight Only) is due against you.
You are hereby called upon to deposit the above / below sum within 15 days of the receipt of the Notice, failing which the recovery shall be made as per rules.
In additions to the sum aforesaid you will be liable to pay :-
(a) Such interest & Cost as is payable in terms of Recovery Certificate.
(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and other process that may be taken for recovering the amount due.
Given under my hand and the seal of the Tribunal this 21st day of October, 2019.
Next date : 23.12.2019
SEAL
Recovery Officer-II, DRT-I, Ahmedabad

लिखावट देती है शख्सियत का भी परिचय

हस्तलेख विश्लेषण कला लगभग 2,000 ईसा पूर्व पुरानी है

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

आपने कभी सोचा है कि आपकी लिखावट और व्यक्तित्व में कोई समानता है। आम तौर पर लोग इन दोनों में भले ही कोई तालमेल न बैठा पाएं लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि आपकी लिखावट आपके व्यक्तित्व का परिचय देती है।

जयपुर के 51 वर्षीय कारोबारी नवीन तोशनीवाल सदियों पुराने हस्तलेख अध्ययन का विश्लेषण कर रहे हैं। वे इसका विश्लेषण करके प्रबंधन छात्रों और पेशेवर को उनके व्यक्तित्व सुधार में मदद कर रहे हैं। रसायन इंजीनियर से ग्राफो विश्लेषण (हस्तलेखन विश्लेषक) बने तोशनीवाल ने बताया कि हस्तलेख विश्लेषण वाली कला लगभग 2,000 ईसा पूर्व पुरानी है और यह दर्शनशास्त्री अरस्तु से जुड़ी है। अरस्तु ने ही मानव के मन और उसकी लिखावट के बीच के संबंध को निकाला था।

उन्होंने बताया कि हस्तलेखन विश्लेषण को लोकप्रियता कुछ दशक पहले ही मिली है और अब इस विज्ञान का सहारा कर्मचारियों की भर्ती, छात्रों के मार्गदर्शन, करियर काउंसलिंग और खुद के सुधार के लिए बड़े पैमाने पर लिया जाता है।

हस्तलेखन विश्लेषण को लोकप्रियता कुछ दशक पहले ही मिली है और अब इस विज्ञान का सहारा कर्मचारियों की भर्ती, छात्रों के मार्गदर्शन, करियर काउंसलिंग और खुद के सुधार के लिए बड़े पैमाने पर लिया जाता है।

तोशनीवाला ने कहा, 'हस्तलेखन दरअसल मनलेखन है। यह हमारे अंतर्मन की चीजों को कागज पर लाता है। इसलिए लिखावट में बदलाव के लिए किए गए थोड़े से प्रयास का भी असर एक व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व में इच्छित बदलाव लाने के लिए अंतर्मन पर पड़ता है। लिखावट में बदलाव के लिए तीन से चार हफ्तों तक रोजाना पांच से सात मिनट भी अभ्यास किया जाए तो इससे उस व्यक्ति के व्यक्तित्व में बदलाव आ सकता है।

उन्होंने किसी की भी लिखावट को देखकर किसी की बुद्धिमता, दृढ़निश्चय स्तर, रचनात्मकता, कल्पना शक्ति, एकाग्रता क्षमता का पता लगाया जा सकता है। तोशनीवाला ने बताया कि लिखावट का विश्लेषण कॉर्पोरेट, प्लेसमेंट सलाहकार, जांच एजंसी और विवाहों में मददगार हो सकते हैं और सबसे ज्यादा मददगार तो खुद के व्यक्तित्व में सुधार के लिए हो सकता है। तोशनीवाला को इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आइएसबी), हैदराबाद से हस्तलेखन विश्लेषण के लिए प्रशस्ति पत्र मिल चुका है।

छत्तीसगढ़ : महिला नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़), 1 दिसंबर (भाषा)।

दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने रविवार को एक महिला नक्सली को गिरफ्तार किया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान गंगा मुचकी (20) के तौर पर हुई। उसे कातेकल्याण पुलिस थाना अंतर्गत सुरनार गांव के पास पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ उस वक्त कार्रवाई हुई जब वह ग्रामीणों को सोमवार से होने वाले पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) सप्ताह के बारे में जानकारी दे रही थी।

इस अभियान में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के कर्मी और स्थानीय पुलिस शामिल थे। उन्होंने बताया, 'गश्त टीम ने जब वहां छापा मारा तब मुचकी को पकड़ लिया गया लेकिन अन्य नक्सली फरार हो गए।' उन्होंने बताया कि मुचकी 2013 से प्रतिबंधित संगठन से जुड़ी थी।

www.readwhere.com

निर्भया मामले में एक दोषी की दया याचिका खारिज करने की अनुशंसा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

दिल्ली सरकार ने 2012 के निर्भया बलात्कार एवं हत्या मामले में एक दोषी की दया याचिका खारिज करने की पुरजोर सिफारिश की है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि दिल्ली के गृह मंत्री सत्येन्द्र जैन ने इस मामले में अरविंद केजरीवाल सरकार की अनुशंसाओं के साथ फाइल को उपराज्यपाल अनिल बैजल के पास भेज दिया है।

पैरामेडिकल की 23 वर्षीय छात्रा से सामूहिक बलात्कार एवं हत्या मामले में फांसी की सजा प्राप्त विनय शर्मा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के समक्ष दया याचिका दायर की थी। एक सूत्र ने फाइल नोटिंग में जैन द्वारा लिखी गई बातों को कहा, 'आवेदक (विनय शर्मा) ने काफी घृणित अपराध को अंजाम दिया। इस मामले में कड़ा दंड दिया जाना चाहिए ताकि दूसरे इस तरह के जघन्य अपराधों को अंजाम नहीं दें।' दिल्ली के गृह मंत्री ने भी कहा, 'दया याचिका में कोई दम नहीं है, खारिज करने की पुरजोर अनुशंसा की जाती है।' सूत्रों ने कहा कि फाइल को उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा और इसके बाद उसे उपराज्यपाल की अनुशंसाओं के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा। मामले में गिरफ्तारी के बाद से ही तिहाड़ जेल में बंद शर्मा ने दया याचिका दायर की थी जबकि एक अन्य दोषी मुकेश ने दया याचिका दायर करने से इंकार कर दिया था। दक्षिण दिल्ली में एक चलती बस में 16–17 दिसंबर, 2012 की मध्य रात्रि को छह लोगों ने पैरामेडिकल की छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया और उसे सड़क पर फेंकने से पहले उसके साथ काफी बर्बरता की थी। सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में 29 दिसंबर, 2012 को उसकी मौत हो गई थी जहां उसे दिल्ली से एयर एंबुलेंस से उपचार के लिए ले जाया गया था।

इस मामले में आरोपी राम सिंह ने जेल के अंदर ही फांसी लगा ली थी और एक किशोर को अधिकतम तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई गई। फांसी की सजा पाए चौथे दोषी अक्षय कुमार सिह (33) ने उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर नहीं की थी।

केंद्र जानबूझकर पैदा कर रहा है प्याज की कमी : सिसोदिया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने रविवार को आरोप लगाया कि पर्याप्त भंडार होने के बावजूद केंद्र सरकार जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी में प्याज की कमी पैदा कर रही है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने पांच सितंबर को कहा था कि उसके पास 56,000 मीट्रिक टन प्याज है लेकिन आश्चर्य है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को प्याज देना बंद कर दिया है। प्याज की कीमत आसमान छू रही है और देश के प्रमुख शहरों में यह 75–120 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही है। सिसोदिया ने केंद्र सरकार से 10 ट्रक प्याज हर दिन जारी करने का अनुरोध किया और कहा कि हमलोग कम कीमत पर प्याज बेचने के लिए पूर्ण मशीनरी के साथ पूरी तरह से तैयार हैं।

विधानसभा का सत्र आज से

पानी और प्रदूषण पर हंगामे के आसार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली विधानसभा का सोमवार से शुरू हो रहा सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। विपक्ष ने दूषित पानी की आपूर्ति, प्रदूषण तथा अनधिकृत कॉलोनियों को लेकर चर्चा कराने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि यदि उसे दिल्ली से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को उठाने की इजाजत नहीं दी गई तो वह काम रोको प्रस्ताव लाएगी।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि उन्होंने सोमवार से शुरू हो रहे सत्र में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा दूषित पानी की आपूर्ति, अनियंत्रित प्रदूषण के कारण जनस्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव, सीवर में काम कर रहें मजदूरों की मृत्यु की संख्या में वृद्धि तथा अनधिकृत कॉलोनियों को लेकर मुख्यमंत्री की गलतबयानी पर चर्चा कराने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि प्रदूषण की समस्या से निपटने में नाकामी, 1000 लो फ्लोर सीएनजी बसें खरीदने के मामलें में भारी भ्रष्टाचार और

विपक्ष ने दूषित पानी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार आदि मुद्दों पर चर्चा की मांग की
काम रोको प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्ष

अनियमितताएं तथा सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था में एलईडी बल्ब लगाने के नाम पर 100 करोड़ रुपए का घोटाला जैसे विषयों पर भी चर्चा कराने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि यदि अध्यक्ष ने इन विषयों पर चर्चा की अनुमति नहीं दी तो वे विधानसभा के नियम 59 के अंतर्गत काम रोको प्रस्ताव लेकर आएंगे। विपक्ष के नेता ने कहा कि सोमवार से शुरू होने वाला दिल्ली विधानसभा का सत्र आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल का अंतिम सत्र होगा। उन्होंने कहा कि गत पांच वर्षों में मुख्यमंत्री सदन की कार्यवाही में अधिकतर अनुपस्थित रहे। जितना अनादर अरविंद केजरीवाल ने सदन की गरिमा का किया उतना शायद ही किसी अन्य मुख्यमंत्री ने किया होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी सत्र में वे पूरे समय उपस्थित रहकर विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेकर अपने दायित्व का सुचारू रूप से निर्वहन करेंगे।

नेता विपक्ष ने बताया कि नियम 33 के अंतर्गत हमने सरकार से 40 ज्वलंत विषयों पर प्रश्न पूछे हैं। इन विषयों पर कुल मिलाकर हमने लगभग 200 प्रश्न पूछे हैं। उन्होंने बताया कि विपक्ष प्रतिदिन नियम 54 के अंतर्गत अविलंबनीय लोक महत्व के विषयों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करेगा। नियम 107 के अंतर्गत लोक हित के अनेक विषयों पर प्रस्ताव लाएंगे। नियम 280 के अंतर्गत जनहित के अनेक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाए जाएंगे।

आरक्षण खात्मे की ओर : उदित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति, जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ सहित कई पिछड़े, दलित, आदिवासी एवं जनतांत्रिक संगठनों ने निजीकरण पर रोक, बेरोजगारों को रोजगार, उच्च न्यायपालिका में आरक्षण एवं ईवीएम पर प्रतिबंध के खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में एक रैली का आयोजन किया। रैली में उदित राज ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। जीडीपी घटकर 4.5 हो गई है। यह भी सत्यता से परे है कि वास्तव में यह तीन फीसद से भी कम है। आरक्षण खात्मे की ओर है और इसका दलितों में बहुत आक्रोश है।

रैली को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने रोजगार, जीडीपी, जनविरोधी रवैये, निजीकरण, रोजगार, न्यायपालिका एवं निजी क्षेत्र में आरक्षण, जेएनयू में विद्यार्थियों की पिटाई, सरकार के दलित विरोधी रवैये, जाति जनगणना प्रकाशित करने कि मांग जैसे सवालों को नए सिरे से रेखांकित किया। रैली को दिलीप मंडल, डॉ रतनलाल, डॉ कौशल पंवार, सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और अलग–अलग संगठन से जुड़े लोगों ने संबोधित किया।

कॉलोनियों को नियमित किए जाने पर प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली के अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित किए जाने के बाद दिल्ली भाजपा ने विभिन्न इलाकों में जनसभा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद कर रही है। रविवार को मटियाला विधानसभा के गोयला डेयरी, किराड़ी विधानसभा के सुखी नहर पर और नांगलोई विधानसभा के प्रेम वाटिका में कार्यक्रम हुआ। जनसभाओं को श्याम जाजू, मनोज तिवारी, सांसद प्रवेश वर्मा, सांसद हंसराज हंस ने संबोधित किया।

कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस जन आक्रोश रैली आयोजित कर केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। इसी क्रम में रविवार को दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा के नेतृत्व में बवाना में आयोजित किया गया था। सुभाष चोपड़ा ने इस मौके पर केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि देश में आर्थिक अराजकता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा सरकार आरबीआइ इमरजंसी रिजर्व फंड को भी खाली करने से नहीं चूक रही है। रिजर्व फंड युद्ध या अन्य गंभीर वित्तिय संकटों के दौरान देश की रक्षा के लिए सुरक्षित रखा जाता है, उसे केंद्र सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए इस्तेमाल कर रही है।

वहीं पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा और पूर्व विधायक जय किशन ने कहा कि जब–जब भाजपा सत्ता में आती है। अनधिकृत कॉलोनियों के लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर भाजपा सरकार ने केजरीवाल सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले 40 लाख लोगों के साथ भद्दा मजाक किया है और उनको मकान का मालिक मानने से भी इंकार कर दिया है। कांग्रेस नेता सुरेंद्र कुमार ने कहा कि गांव के मजदूर और किसान ठगा हुआ महसूस कर रहे है।

पुलिस की जांच पर उठाए गंभीर सवाल

मोमबत्ती जुलूस निकालेंगे किशोरों के परिजन

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली गेट पर शनिवार देर रात कथित तौर पर हुई सड़क दुर्घटना में तीन किशोरों की मौत ने मध्य जिला पुलिस की जांच पर सवालिया निशान लगा दिया है। परिजनों ने यह आरोप लगाया कि बिना हेल्मेट और स्कूटी पर सवार तीन किशोरों का पुलिस की गाड़ी ने पीछा किया और जिस वजह से यह दुर्घटना हुई। इसका जवाब सटीक तौर पर पुलिस नहीं दे पा रही है। परिजनों का यह भी आरोप है कि दिल्ली गेट वीआइपी इलाके में शुमार है बावजूद इसके यहां के सीसीटीवी फुटेज खोजने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही है। परिजनों ने बच्चों को न्याय दिलाने के लिए तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट तक मोमबत्ता जुलूस निकालने का फैसला किया है।

मध्य दिल्ली में शनिवार की रात कथित सड़क हादसे में तीन किशोरों की संदिग्ध मौत ने रविवार रात तक पुरानी दिल्ली को हंगामा और प्रदर्शन के रूप में तब्दील कर दिया। जान गंवाने वालों की पहचान साद (17), हमजा (16) और ओसामा (17) के परिजनों ने यह आरोप लगाया है कि सड़क दुर्घटना का शिकार हुए तीनों किशोरों का शव एक ही जगह आपस में लिपटा रहा और स्कूटी काफी दूर जाकर गिर गई। पुलिस का यह बयान गले नहीं उतर रहा।

तुर्कमान गेट पर अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के बाद तीनों किशोर स्कूटी से

घटनास्थल पर पुलिस ने घेराबंदी कर दी है। (इनसेट में दुर्घटनाग्रस्त स्कूटी) फोटो : अरुष चोपड़ा

निकले और कुछ ही देर में इनकी मौत की सूचना मिली। मरहूम साद के बालिद सलाउद्दीन पेशे से बिजली मरम्मत का काम करते हैं, जबकि हमजा और ओसामा के पिता स्क्रैप डीलर (कबाड़ी) का काम करते हैं। साद के चाचा रहीशुद्दीन और चचेरे भाई साउद मलिक का कहना है कि पुलिसिया जांच पर संदेह इसलिए हैं क्योंकि सड़क दुर्घटना के खुलासे में दस घंटे नहीं लगते। कभी लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल तो कभी फिरोजशाह कोटला स्टेडियम, कभी राजघाट जाने वाली सड़क तो कभी दरियांगज उपायुक्त कार्यालय के पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के नाम पर पुलिस ने घंटों बर्बाद कर दिया।

विद्यार्थियों पर हमले का आरोप

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

जवाहरलाल नेहरू छात्र संघ ने रविवार को आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मियों ने छात्रावास शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ प्रशासनिक खंड पर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर हमला किया। विवि प्रशासन के एक अधिकारी ने आरोपों से इनकार किया है। छात्रावास शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ विद्यार्थियों ने प्रशासनिक खंड पर प्रदर्शन किया। छात्र संघ ने एक बयान में आरोप लगाया कि जेएनयू कुलपति ने सुबह प्रशासनिक खंड पर विद्यार्थियों पर हमला करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को भेजा। कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने प्रशासनिक भवन के भीतर से विद्यार्थियों को घसीट कर निकाल दिया ।

सिरसा ने नामपट्ट पर कालिख पोती

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

शिरोमणि अकाली दल विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) सदस्यों के साथ लुटियन स्थित औरंगजेब लेन के नामपट्ट पर कालिख पोत दी और नामपट्टों व पाठ्यपुस्तकों से मुगल शासक का नाम हटाने की मांग की। सिरसा ने कहा कि औरंगजेब एक 'हत्यारा' था जिसने गुरु तेग बहादुर की हत्या की और गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों को प्रताड़ित किया। कहा कि केंद्र और राज्यों को किसी भी सड़क का नाम औरंगजेब के नाम पर नहीं करना चाहिए।

आज से शुरू होगी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) सोमवार से देश भर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) का आयोजन करेगी। आयोजन 6 दिसंबर तक किया जाएगा। इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ व बहु–विकल्पीय सवाल पूछे जाएंगे। कंप्यूटर आधारित परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक रहेगी। विद्यार्थियों को पहली पाली में सुबह साढ़े 7 बजे से 9 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। दूसरी पाली के लिए साढ़े 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक परीक्षा केंद्रों में प्रवेश मिलेगा। 2 से 6 दिसंबर तक हो रही परीक्षा के लिए 10 लाख 34 हजार 872 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा केंद्र में प्रवेश पत्र, पासपोर्ट फोटो (जो प्रवेश पत्र में लगा हो) लेना जाना जरूरी है। परीक्षा केंद्र पर एक फोटो पहचान पत्र लेकर जाएं। **(ब्यूरो)**

नीट के लिए आज से आवेदन शुरू

नई दिल्ली। सभी मेडिकल संस्थानों में एबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी 2020) के लिए सोमवार से आवेदन शुरू होंगे। इस बार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट एजुकेशन (जिपमेर) में भी इसी परीक्षा के आधार पर दाखिला होगा। अभ्यर्थी राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी और नीट की संयुक्त वेबसाइट पर जाकर 31 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को 27 मार्च से इस परीक्षा के प्रवेश पत्र मिलने शुरू हो जाएंगे। **(ब्यूरो)**

नियुक्तियां

NHIDCL
राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
BHARATMALA ROAD TO PROSPERITY
कॉरपोरेट कार्यालय: तृतीय तल, पीटीआई बिल्डिंग, 4 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

फा.सं. 2(5)एनएचआईडीसीएल/रेक्रूटमेंट ईडी एण्ड अदर्स/2019/एचआर
केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य सरकार के विभागों और राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मठ, प्रभावशाली और अनुभवी पात्र अधिकारियों से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र. सं.	पदों का नाम	रिक्त पदों की संख्या*	केंद्रीय महंगाई भत्ता प्रतिमान (सीडीए पैटर्न) में वेतन मैट्रिक्स लेवल
1.	कार्यपालक निदेशक (तकनीकी/परियोजना) [मुख्यालय+क्षेत्रीय कार्यालय]	06	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–14 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 10,000/ सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
2.	कार्यपालक निदेशक (वित्त) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–14 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 10,000/- सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
3.	महाप्रबंधक (तकनीकी/परियोजना) [मुख्यालय+क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय]	10	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–13 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 8,700/- सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
4.	महाप्रबंधक (वित्त) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–13 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 8,700/- सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
5.	महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–13 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 8,700/- सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
6.	महाप्रबंधक (विधिक) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–13 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 8,700/- सहित रु 37,400–67,000/- का वेतन बैंड–4]
7.	उप महाप्रबंधक (तकनीकी/परियोजना) [मुख्यालय+क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय]	20	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–12 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 7,600/- सहित रु 15,600–39,100/- का वेतन बैंड–3]
8.	उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–12 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 7,600/- सहित रु 15,600–39,100/- का वेतन बैंड–3]
9.	प्रबंधक (वित्त) [मुख्यालय+क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय]	10	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–11 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 6,600/- सहित रु 15,600–39,100/- का वेतन बैंड–3]
10	प्रबंधक (तकनीकी/परियोजना) [मुख्यालय+क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय]	20	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–11 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 6,600/- सहित रु 15,600–39,100/- का वेतन बैंड–3]
11	प्रबंधक (मानव संसाधन) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–11 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 6,600/- सहित रु 15,600–39,100/- का वेतन बैंड–3]
12	सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) [मुख्यालय]	01	सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग का वेतन मैट्रिक्स लेवल–8 [संशोधन–पूर्व के ग्रेड वेतन 4,800/- सहित रु 9,300–34,800/- का वेतन बैंड–2]

*रिक्त पदों की संख्या में आवश्यकता के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है। इसके अलावा, एनएचआईडीसीएल यहां दर्शाये गए और भविष्य में संभावित रिक्त पदों को भरने के लिए चयनित उम्मीदवारों का एक पैनल तैयार करने का अधिकार रखता है।
आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथि: 23.12.2019 – (18:00 बजे)
विस्तृत निबन्धन एवं शर्तों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट–www.nhidcl.com को देखिए।
नोट 1 : निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी (यों) जिन्होंने सरकारी नौकरी की हो या समकक्ष पद धारण किया हो वे भी पिछले 05 वर्षों की वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट की प्रतियों के साथ विहित प्रपत्र में संविदा आधार पर उक्त पद हेतु आवेदन कर सकते हैं।
नोट 2 : इस रिक्त–पद संबंधी परिपत्र में कोई भी परिवर्तन अथवा संशोधन केवल एनएचआईडीसीएल की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।
नोट 3 : अपूर्ण अथवा निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किए गए आवेदन–पत्रों को तुरंत रद्द कर दिया जाएगा।
महाप्रबंधक (मानव संसाधन)
अवसंरचना निर्माण, राष्ट्र निर्माण

करीब 10 से 15 फीसद मरीज सिरिंज से नशा करने वाले | **एड्स दिवस** | परिवार के लोग दें स्वस्थ्य माहौल और युवाओं से बात करें

सिरिंज से नशा करने वालों में एचआइवी का खतरा बढ़ा

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

सिरिंज से नशा करने वाले युवाओं में एचआइवी और एड्स का खतरा बढ़ रहा है। इसके साथ ही उनका जीवन गहरे संकट में पड़ रहा है। एम्स के राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सक प्रो अतुल अंबेकर ने बताया कि गाजियाबाद स्थित केंद्र की उनकी ओपीडी में रोजाना नशे के आदी करीब 150 मरीज आते हैं। जिनमें से करीब10 से 15 फीसद मरीज सिरिंज से नशा करने वाले होते हैं।

उन्होंने बताया कि इनमें से करीब पांच से 10 फीसद मरीजों में एचआइवी या एड्स के संक्रमण पाए जाते हैं। हालांकि जागरूकता व नियमित इलाज से गर्भवती महिलाओं से शिशुओं में होने वाले एचआइवी संक्रमण के मामलों में कमी आई है। मानसिक रोग विशेषज्ञों की राय है कि एड्स व एचआइवी से बचाने के लिए अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को नशे की लत से बचाएं। उनसे नियमित व स्वस्थ संवाद रखें। दोस्तों के ऊपर निर्भरता कम करें डिजिटल उपकरण के साथ देर तक अकेला न छोड़ें। नशे की लत का शिकार युवा पीढ़ी में त्वचा व दूसरी संक्रामक बीमारियों के अलावा घातक व जानलेवा बीमारी एड्स व एचआइवी के मामले भी बढ़ रहे हैं। न केवल पंजाब बल्कि जम्मू कश्मीर व पूर्वोत्तर के राज्य भी इसमें शामिल है जहां की युवा पीढ़ी इन बीमारियों की चपेट में आ रही है।

रिपोर्ट कर रही इशारा

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की सालाना रिपोर्ट 2017 के आंकड़ों के मुताबिक एचआइवी का खतरा इंजेक्शन से नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों अधिक हैं। राष्ट्रीय स्तर पर नशे का सेवन इंजेक्शन से करने वाले मरीजों में से औसतन 7.14 फीसद मरीजों में एचआइवी का संक्रमण पाया जाता है या इसका जोखिम रहता है, जबकि त्रिपुरा में ऐसे मरीजों में से मणिपुर 12.9 फीसद, मिजोरम 12 फीसद व मेघालय में 6.4 फीसद में एचआइवी का संक्रमण पाया गया।

घातक है सिरिंज का नशा

मानसिक रोग विशेषज्ञों के मुताबिक नशीले पदार्थों के सेवन के दो तीन तरीके होते हैं जिनमें से सबसे घातक सिरिंज से नशीले पदार्थों का सेवन है। क्योंकि नशा करने वाले ज्यादातर युवा समूह में नशा करते हैं। वह समूह चाहे दोस्तों का हो या फिर केवल नशे के साथियों का। समूह में ड्रग्स का सेवन करने वाले लोग कई बार एक ही सिरिंज का इस्तेमाल बारी बारी से करते हैं। जिससे किसी एक में भी अगर एचआइवी या एड्स का संक्रमण हो तो वह सभी में पहुंच जाता है।

डॉ अतुल अंबेकर ने बताया कि सिरिंज से नशा करने वालों मरीजों को एड्स व एचआइवी से बचाने के लिए मुफ्त सिरिंज मुहैया कराई जानी चाहिए ताकि कम से कम वे जानलेवा बीमारी से बचाए जा सकें। उन्होंने बताया कि सरकार की इस मामले में बाकायदा नीति भी है।

इसके तहत मुफ्त सिरिंज की योजना को और बढ़ाए जाने की दरकार है। वहीं, विश्व एड्स दिवस पर सोशल इंपावरमेंट विलेजर्स एसोसिएशन (सेवा), आयुषधाम शोध संस्थान एवं राष्ट्रधर्म फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में इंडिया गेट पर जागरूकता रैली का आयोजन किया। स्कूली बच्चे, स्वयंसेवी संगठनों के कार्यकर्ता और खुद एड्स पीड़ियों की देश के अलग–अलग भागों से आए लोगों ने लाल पट्टी लगाकर जागरूकता का संदेश दिया।

पर्यावरणीय अनदेखी पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की कार्रवाई

बिल्डर पर 3.28 करोड़ का लगाया जुर्माना

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 1 दिसंबर।

सेक्टर-77 स्थित अंतरिक्ष बिल्डर की परियोजना पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 3.28 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के रूप में लगाए गए जुर्माने की रकम को 15 दिन के भीतर जमा कराया जाना है। इसके अलावा जल प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण) के तहत परियोजना से निकलने वाले उत्प्रवाह के निस्तारण और बिजली व जलापूर्ति का विच्छेदन करने के बिंदु पर नोटिस भेजा है। बताया गया है कि पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के रूप में इतनी अधिक रकम का जुर्माना शहर के किसी बिल्डर पर पहली बार लगाया गया है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर केंद्रीय भूगर्भ जल प्राधिकरण (सीजीडब्लूए) और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने 10 अक्तूबर को संयुक्त निरीक्षण किया था।

सेक्टर-1 स्थित उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. अनिल सिंह ने बताया कि एनजीटी में दायर वाद के चलते सेक्टर-77 स्थित अंतरिक्ष केनबाल परियोजना की जांच की गई थी। जीएच-3बी भूखंड में अंतरिक्ष केनबाल और फॉरेस्ट, दो परियोजनाएं हैं। केनबाल में 560 और अंतरिक्ष फॉरेस्ट में 650 फ्लैट बनाए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अंतरिक्ष केनबाल टॉवर से निकलने वाला उत्प्रवाह बगैर किसी शुद्धीकरण के परिसर के बाहर जाता मिला। जबकि फॉरेस्ट से निकलने वाले उत्प्रवाह के शुद्धिकरण के लिए 100 केएलडी क्षमता का एसटीपी लगा है। फॉरेस्ट से निकलने वाले उत्प्रवाह के अधिक और शुद्धीकरण संयंत्र की क्षमता कम होने से इस्तेमाल प्रभावी नहीं रहेगा। इसी दौरान परिसर से निकलने वाले एसटीपी (सीवेज शोधन संयंत्र) का नमूना लिया गया, जो जांच में मानक से अधिक निकला है। अधिकारियों के मुताबिक फॉरेस्ट परियोजना के लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण से 31 दिसंबर 2013 को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र में 600 केएलडी (किलोलीटर प्रतिदिन) क्षमता का एसटीपी स्थापित किया जाना था। जिसकी जगह केवल 100 एमएलडी क्षमता का संयंत्र लगाया गया है। परियोजना को लेकर बिल्डर ने यूपीपीसीबी से जल व वायु संबंधी सहमति पत्र भी नहीं लिया है।

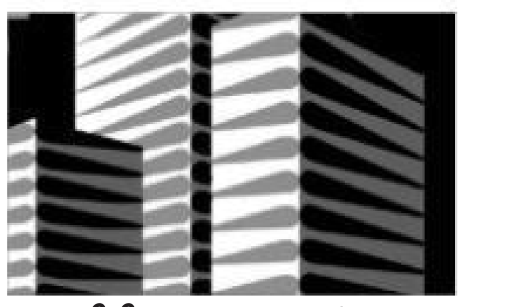

एनजीटी के आदेश पर केंद्रीय भूगर्भ जल प्राधिकरण व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की थी संयुक्त जांच

अंतरिक्ष केनबाल परियोजना के निवासियों ने एनजीटी में दायर की थी याचिका

अवैध नलकूप से निवासियों को जलापूर्ति करने का आरोप

निवासियों की पर्यावरणीय अनदेखी समेत अन्य शिकायत पर गत 28 नवंबर को भी सीजीडब्लूए और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने परियोजना का दोबारा निरीक्षण किया है। निरीक्षण में एक ट्यूबवैल भी मिला है। जहां से निवासियों को बगैर शोधित भूजल आपूर्ति किए जाने का आरोप है। इसके अलावा कई अन्य मामलों पर भी टीम अधिकारियों को खामियां मिली हैं। इस निरीक्षण आख्या को एनजीटी के समक्ष रखा जाएगा। परियोजना में रहने वालों का आरोप है कि ट्यूबवैल का अवैध रूप से संचालन बगैर सीजीडब्लूए की मंजूरी के किया जा रहा है। यही पानी निवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

‘ऐंद्रिकता और मुक्तिबोध’ किताब पर परिचर्चा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कबीर और मुक्तिबोध का वैचारिक जगत लगभग एक जैसा रहा। मुक्तिबोध की रचनाओं में सिर्फ मनुष्य ही पात्र नहीं होते, ऐंद्रिकता, बौद्धिकता, प्रकाश, अंधेरा आदि भी पात्र बनकर सामने आते हैं। इस किताब में सबसे कठिन कार्य कविताओं को गद्य में रूपांतरित करने का है। ये बात प्रसिद्ध आलोचक विश्वनाथ त्रिपाठी ने अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स एंड लिटरेचर के डायलॉग कार्यक्रम में, विनय विश्वास की पुस्तक ‘ऐंद्रिकता और मुक्तिबोध’ पर आयोजित परिचर्चा में कही। उन्होंने कहा कि मुक्तिबोध की कविताएं भंवर जैसी होती हैं। इस बात को गद्य में बांध लेना पारदर्शी नजरिए को दर्शाता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध आलोचक मैनेजर पांडेय ने कहा कि किताब पढ़कर यह अहसास हुआ कि मुक्तिबोध का जीवन कष्टपूर्ण रहा। इनकी भूमिका पढ़कर ही पता चल जाता है कि मुक्तिबोध ऐंद्रिकता के कवि रहे। कार्यक्रम में द्वारिका प्रसाद चारूमित्र, मिथिलेश श्रीवास्तव, हरजेंद्र चौधरी, वेदप्रकाश और अच्युतानंद मिश्र शामिल थे।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए हुई थी हिंदू युवा वाहिनी के नेता की हत्या : पुलिस

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 1 दिसंबर।

हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संदीप नागर की हत्या थप्पड़ का बदला लेने के लिए दोस्तों ने ही की थी। थाना दनकौर पुलिस ने वारदात के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, माफी ना मांगने पर मृतक को गोली मारी गई थी। वारदात से पहले तीनों ने साथ बैठकर शराब पी थी। रुपए के लेनदेन के विवाद में घटना से एक दिन पहले ही मृतक ने एक कार्यक्रम में मुख्य आरोपी को सबसे सामने थप्पड़ मार दिया था। आरोपियों के पास से पिस्तौल, कार व मोबाइल फोन बरामद हुआ है। हत्याकांड में शामिल एक आरोपी अभी फरार चल रहा है। 26 नवंबर की रात को अट्टा गुजरान गांव के रहने वाले हिंदू युवा वाहिनी गौतमबुद्ध नगर इकाई के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संदीप नागर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अगले दिन सुबह मृतक का शव जगनपुर गांव के बांध के पास पड़ा मिला था। इस मामले पर मृतक के पिता वीर सिंह ने रोहित भाटी, उसके पिता चमन और फरीदाबाद निवासी रिंकू भड़ाना के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था।

युवक पर हमला, हालत गंभीर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

आंबेडकर नगर थाना क्षेत्र के मदनगीर मेन मार्केट में चार युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की जानकारी शनिवार देर रात करीब साढ़े 9 बजे पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने घायल चिराग (19) को पास के बत्रा अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों का कहना है कि वह घटना के समय दुकान पर बैठा था, तभी इलाके यह घटना घटी।

करंट लगने से मजदूर की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

नेब सराय थाना क्षेत्र के सैनिक फार्म में पिछले एक महीने से चल रहे निर्माणाधीन स्थल पर करंट लगने से एक मौजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान नीरज(19) के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

नीरज के भाई चंद्रशेखर ने बताया कि सैनिक फार्म के डब्लू ब्लॉक में एक फार्म हाउस वह अपने भाई नीरज के साथ पिछले डेढ़ महीने से निमार्ण कार्य का काम कर रहा है। शनिवार शाम को वह, नीरज और दीपक नाम का मजदूर काम कर रहे थे। शाम करीब साढ़े छह बजे काम खत्म होने के बाद दीपक नीरज को मोटर हटाने को बोला, जैसे ही नीरज ने मोटर उठाया। उसे करंट लग गया। दीपक ने बचाने की कोशिश की तो वह भी चपेट में आ गया। चंद्रशेखर ने नीरज को तुरंत ऑटो में बैठाकर एम्स ट्रामा ले गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही नेबसराय पुलिस को एम्स प्रशासन से घटना के बारे में सूचना मिली। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

बस की टक्कर से युवक की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 1 दिसंबर।

थाना सेक्टर-20 के एलिवेटेड रोड पर तेज रफ्तार बस ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बस जब्त कर अज्ञात चालक पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से एटा के रहने वाले जितेंद्र (25) सेक्टर- 63 स्थित एक कंपनी में नौकरी करते थे। वह शनिवार रात करीब नौ बजे मोटरसाइकिल पर अपने दोस्त के साथ एलिवेटेड रोड से सेक्टर-18 की तरफ जा रहे थे।

महिलाओं को अश्लील वीडियो भेजने वाला फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जो अपने आप को भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) का अधिकारी बताकर महिलाओं को परेशान कर रहा था। आरोपी महिलाओं को अश्लील वीडियो भेजने के साथ गंदे संदेश, आपत्तिजनक सामग्री भी भेजा करता था। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गौरी शंकर (38) के तौर पर हुइ है। गौरी शंकर मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का रहने वाला है। इन दिनों गुरुग्राम में रह रहा था। सुरक्षा गार्ड की नौकरी करने वाले आरोपी की निशानदेही पर दो मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड जब्त किए गए है, जो की फर्जी प्रमाणपत्र पर लिए गए थे। पुलिस ने जिस पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। उस महिला को पिछले एक महीने से परेशान कर रहा था। 25 नवंबर को शिकायत पीड़िता ने पुलिस से की थी।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि पीड़िता का आरोप था कि वह उसे वीडियो कॉल करके भी परेशान कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकि सर्विलांस के मदद से आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई।

डीयू की छात्रा ने झपटमार को पकड़ा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने अपने पड़ोसी की मदद से मोबाइल झपटकर भाग रहे बदमाश को न केवल पकड़ा बल्कि उसे खुद ही थाने भी लेकर पहुंच गई। घटना संगम विहार इलाके की है। संगम विहार पुलिस ने छात्रा के बयान पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से मोबाइल बरामद कर छात्रा को सौंप दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 18 साल की अंजली अपने परिवार के साथ संगम विहार डी ब्लॉक में रहती हैं। अंजली दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्रा है। शुक्रवार को वह अपने घर से बुटीक जाने के लिए निकली थी। अपने कपड़े वहां देने के बाद वह पैदल ही अपने घर की ओर चल दी। इसी दौरान डी ब्लॉक गली नंबर-पांच के पास एक युवक ने उसका मोबाइल झपट लिया और भागने लगा। छात्रा ने बदमाश का पीछा शुरू कर दिया। काफी दूर तक पीछा करने के दौरान उसे अपना पड़ोसी शानू दिखाई दिया। छात्रा ने शानू को मोबाइल झपटमारी की बात बताई। जिसके बाद दोनों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर दबोच लिया। दोनों ने मिलकर पहले बदमाश की जमकर पिटाई की और फिर खुद ही संगम विहार थाने लेकर पहुंच गए। थाने पहुंचकर दोनों ने बदमाश को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने छात्रा के बयान पर केस दर्ज कर आरोपी बंटी गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

टिकट का बवाल

दिल्ली भाजपा में टिकट का बवाल शुरू हो गया है। हालत आपसी खींचतान तक पहुंच गई है। यह नाराज पार्टी कार्यालय में भी साफ नजर आ रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय की बैठक के बाद दो दलित नेता एक दूसरे पर गंभीर टिप्पणी करते हुए नजर आए। ये नेता पार्टी के सह चुनाव प्रभारी की बैठक से निकले थे और पटेल नगर सीट तक दावेदारी कर रहे हैं। पार्टी सूत्र बताते हैं कि दलित सीटों पर पार्टी की हालत लगातार खराब हुई है। पार्टी का मानना है कि इस सीटों पर किसी प्रकार से कब्जा हो पाता है तो इससे बहुमत के करीब पहुंचने की उम्मीद बंधेगी, लेकिन अभी से पार्टी इन सीटों पर एकमत की स्थिति में नजर नहीं आ रही है।

एक अनार सौ बीमार

20 साल से अधिक समय से दिल्ली की सत्ता से बाहर भाजपा के नेताओं को अब विधायक की कुर्सी नजर आ रही है। भाजपा के लिए दावेदारी हालत एक अनार और सौ बीमार वाली है। एक तरफ पार्टी के निर्णय पर अपनी निगम सीट गंवा चुके नेता और दूसरी तरफ 20 सालों से अपनी सीट पर मेहनत कर रहे पूर्व विधायक हैं। पार्टी के पास 70 ही सीट है। इस स्थिति में पार्टी अब तक यह तय नहीं कर पा रही है कि आगे किस रणनीति से मैदान में उतरा जाए। पहले ही आम आदमी पार्टी के फ्री कार्ड पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। अगर इस स्थिति में भी बड़ा घमासान होता है तो पार्टी के लिए एक बार फिर से बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। इसकी चिंता भी नेताओं के चेहरे पर साफ नजर आ रही है।

कॉलोनियां और बाधाएं

केंद्र की सरकार ने करीब 1800 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का बिल संसद में पास करवा लिया। कायदे में इसके बाद अब निजी जमीन पर बनी अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का रास्ता आसान हो गया लेकिन अभी भी कॉलोनियों के नियमित होने और उन कॉलोनियों में रहने वालों को अपने घर की रजिस्ट्री कराने में कई बाधाएं हैं। एक तो रजिस्ट्री के लिए जो कागज चाहिए, वह कम लोगों के पास हैं। दूसरे जिन कॉलोनियों को नियमित किया जाना है उसमें बनने वाले नियम-कानूनों से कई घरों के नियमित होने में बाधाएं हैं। इससे अलग बड़ी तादात में वे कॉलोनियां इसमें शामिल नहीं हैं जो सरकारी जमीन पर या विवादित जमीन पर बसी हैं, लेकिन इन कॉलोनियों में रहने वालों की तादात इतनी ज्यादा है कि कोई राजनीतिक दल उनकी अनदेखी नहीं कर सकता है। इसलिए हर दल उनके नाम पर शहीद होना चाहता है। माना जाता है कि कभी इन कॉलोनियों के निवासी कांग्रेस को वोट देते थे वे अब आम आदमी पार्टी (आप) के साथ हो गए, अब भाजपा उन्हें अपने पक्ष में करने में लगी हुई है। भला अरविंद केजरीवाल आसानी से यह कैसे स्वीकारेंगे कि उनका मुद्दा भाजपा छीन ले तो वे सभी कॉलोनियों के निवासियों की रजिस्ट्री करवाने का वायदा करते हैं। पता नहीं यह कैसे होगा लेकिन लगता है कि दिल्ली के अन्य चुनावों की तरह अगले दो-तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव का यह मुद्दा बनेगा।

भाजपा का झगड़ा

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री ने जाने-अनजाने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी को दिल्ली का भावी मुख्यमंत्री बताकर भले ही फंस गए लेकिन भाजपा की दिल्ली की राजनीति में तूफान ला दिए। बयान के तुरंत बाद विवाद होने पर उन्होंने सफाई दी लेकिन भाजपा से मुख्यमंत्री के उम्मीदवार बनने की उम्मीद बनाने वाले नेता सक्रिय हो गए। यह तो तय है कि बिना नया वोट जोड़े भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती है और ‘आप’ नेता केजरीवाल के बिजली-पानी मुफ्त के बाद हर चीज मुफ्त करने से मुकाबला करने के लिए भाजपा को दमदार नाम सामने लाना होगा। भाजपा हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से परेशान है। कहा यह भी जा रहा है कि झारखंड के नतीजे भी भाजपा के पक्ष में एकतरफा नहीं होने वाले हैं। ‘आप’ ने इसे मुद्दा बनाया क्योंकि ‘आप’ तो यही चाहती है कि भाजपा से सीधी लड़ाई हो जाए और कांग्रेस हाशिए पर चली जाए। भाजपा भले ही जो रणनीति बना रही हो लेकिन अगर इस बार चूक गई तो लंबे समय तक फिर सत्ता से बाहर हो जाएगी। इसलिए उसे घोषणा तो अभी करनी होगी कि उसकी ओर से मुख्यमंत्री का कौन उम्मीदवार होगा या यह साफ-साफ कहना होगा कि वह बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

महिला सीट की आस

दिल्ली की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा जब से शुरू हुई महिलाओं ने भी अपने लिए आरक्षित सीटों से मानो दूरी बना ली है। उन्होंने सीटें खाली होने और मिल पाने की आस छोड़ दी है। तभी तो भरी बस में चढ़ने वाली महिलाएं इन दिनों बस के अगले हिस्से में मौजूद अपने लिए आरक्षित सीटों की ओर बढ़ने की अपेक्षा पीछे की ओर खड़ी रहना ज्यादा महफूज समझती हैं। इस बाबत चर्चा भी अब बसों में आम है। बीते दिनों डीटीसी की एक बस में ओखला मंडी से चढ़ी कुछ महिलाओं को गुलाबी टिकट देते हुए संचालक ने जब उन्हें महिला सीटों की ओर बढ़ने की नसीहत दी तो जवाब चौंकाने वाले मिले। महिलाओं ने कटाक्ष किया कि अब उधर सीटें नहीं मिलेंगी। हमलोग इस रुट पर रोज चलते हैं। दिख नहीं रहा कि वहां पहले से महिलाएं खड़ी हैं। एक ने और सटीक तर्क दे डाले। कहा-सीटे खाली होने के मौके अनारक्षित सीटों पर ज्यादा हैं। हो सकता है कहीं कोई भद्र पुरुष अपनी सीट हमें दे दे।

पुलिस बूथ में मच्छर

दिल्ली में जबसे पुलिस बूथ के बंदी की घोषणा हुई तब से जीर्ण-शीर्ण पड़े पुलिस बूथों पर कुत्ते मंडराते और स्मैकियों को सोते देखा जाता है, लेकिन दिल्ली से सटे गाजियाबाद में तो एक ऐसा पुलिस बूथ है जहां आज तक किसी पुलिसवाले को बैठे देखा ही नहीं गया। बल्कि उसके उद्घाटन के शिलापट्ट भी अब टूटने और झड़ने लगे हैं। गाजियाबाद के इंदिरापुरम काला पत्थर रोड स्थित राजहंस पुलिस बूथ पूरी तरह टूटने के कगार पर है लेकिन कोई पुलिस वाला यहां कभी बैठे नहीं देखा गया। बेदिल ने जब एक पुलिस वाले से यूं ही इस बारे में चर्चा की तो उनका कहना था कि यह दिल्ली की तर्ज पर हो गया है। यहां मच्छरों और चूहे से कौन झगड़ा मोल ले। लिहाजा, कोई बैठने की हिम्मत नहीं करता।

भगवान को मास्क

राजधानी सहित देश के तमाम शहर लंबे समय तक प्रदूषण की चपेट में रहे। इसके साथ ही देशभर में प्रदूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों व चर्चाओं का दौर भी चला। इस विरोध प्रदर्शन में इंसान तो इंसान भगवान भी शामिल रहे। बेदिल को एक ऐसी ही बानगी देखने को मिली जिसमें प्रदूषण से बचाव व उसके विरोध स्वरूप भगवान की प्रतिमा को मास्क पहनाया गया था। शिवलिंग पर मास्क देखकर हैरान दर्शकों ने जब पुजारी से इस बावत पूछा तो उनका जवाब था जब हम भगवान को नहलाते धुलाते व भोग लगाते हैं तो हम उन्हें प्रदूषण से बचाएंगे। इस प्रदूषण की मार से इंसान तो क्या भगवान भी नहीं बच सकते।

-बेदिल

चेकिंग के दौरान चोरी के दो आरोपी पकड़े गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

झपटमारी और चोरी की कई वारदातों को अंजाम दे चुके दो दोस्तों को तिलक नगर पुलिस ने गश्त के दौरान सीआरपीएफ कैंप के पास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों देर रात लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए निकलते थे। दोनों आरोपियों हरप्रीत सिंह और पीयूष की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 14 मामले सुलझाने का दावा किया है।

पुलिस उपायुक्त दीपक पुरोहित ने बताया कि सड़क पर होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के लिए रात के समय जिले में पुलिसकर्मियों की गश्त बढ़ा दी। शुक्रवार देर रात तिलक नगर चौकी इंचार्ज एसआइ विकास साहूए एएसआइ हंसराज की टीम गश्त पर निकले थे।

खबरों में शहर

युवती ने की आत्महत्या

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 1 दिसंबर।

सेक्टर-51 में रहने वाली कॉल सेंटर कर्मी ने शनिवार देर रात को आत्महत्या कर ली। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा के मुताबिक सेक्टर-60 के एक कॉल सेंटर में काम करने वाली कुमारी किरण (23) ने शनिवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किरण सेक्टर-51 में शिव किशोर चौहान नामक युवक के साथ सहजीवन में रहती थीं। किशोर एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर नौकरी करता है। मृतका के भाई सत्येंद्र गुप्ता ने शिव किशोर चौहान को नामित करते हुए आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की धाराओं में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर रविवार शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बच्चों ने बताए योग के गुर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल सफदरजंग एंक्लेव का सालाना जलसा रविवार को संपन्न हुआ। पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक और पुलिस वेलफेयर सोसाइटी की सूचना पटनायक की मौजूदगी में संपन्न इस समारोह में प्राथमिक और माध्यमिक वर्ग के बच्चों ने योग के गुर बताए तो आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाकर बच्चों ने अपनी रुचि का इजहार किया।

इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या रुबी मलहोत्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और स्कूल की गतिविधियां की जानकारी दी। इस मौके पर दिल्ली पुलिस के सभी आला अधिकारी मौजूद थे।

व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में एक शख्स की संदिग्ध अवस्था में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान विजय कुमार (42) के तौर पर हुई है। परिजनों ने उसकी पत्नी और प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है कि उसके मुंह से खून बह रहा था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जा सकेगी। जानकारी के मुताबिक, विजय शास्त्री पार्क इलाके में परिवार के साथ रहता था। परिवार में पत्नी, दो बेटी, एक बेटा, भाई हैं। पुलिस ने बताया कि विजय शराब पीने का आदी था। उसकी इसी लत से परेशान होकर उसकी पत्नी 12 नवंबर को चली गई थी। इस दौरान वह अपने एक बेटे और बेटी को अपने साथ लेकर गई थी। 14 साल की बेटी विजय के पास ही रह रही थी।

आज के कार्यक्रम

थिएटर

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : बहादुर लड़की की कथा परवाना का प्रदर्शन, सीडी देशमुख आडिटोरियम, सेंटर परिसर, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, शाम 6:15 बजे।

मुख्य सड़क सालों से बदहाल

असोला गांव, छतरपुर की मुख्य सड़क सालों से बदहाल है। पिछले सात-आठ सालों से बाबा रामकौर मार्ग, असोला गांव की यह सड़क कई विधायक और सांसद देख चुके हैं। यह मुख्य सड़क असोला गांव, जगबीर शर्मा काम्पलेक्स, सिद्धपीठ शनिधाम मंदिर, असोला फार्म हाउस, गुरुजी आश्रम होते हुए राधास्वामी सत्संग आश्रम की तरफ निकलती है। दिल्ली जल बोर्ड ने पाइपलाइन बिछाने के लिए इस सड़क को खोदा था। बोर्ड ने पाइपलाइन बिछाने के बाद टूटी सड़क की मरम्मत के लिए जो कंक्रीट, सीमेंट का प्रयोग किया वह इतना घटिया था कि महीने भर भी नहीं चली और सड़क गड्ढे के रूप में तब्दील हो गई। जगह-जगह सड़कों पर क्रासिंग पूरी तरह टूटी हुई है और यहां आए दिन गाड़ियां गिरकर क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। स्कूल की गाड़ियां भी कई बार दुर्घटना होते-होते बची है।

इस बाबत संबंधित ‘आप’ विधायक करतार सिंह और इससे पूर्व के विधायक भाजपा के ब्रह्म सिंह तंवर सहित निगम पार्षद महेश ईश्वर तंवर को भी कई बार स्थानीय लोगों ने इस सड़क को सरकारी स्तर पर दुरुस्त करने का अनुरोध किया लेकिन जनप्रतिनिधियों के कान पर जूं नहीं रेंगती। मेरा संबंधित अधिकारियों से आग्रह है कि स्थानीय लोगों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सड़क का निर्माण कराएं।

-सतपाल तंवर, असोला गांव, छतरपुर, दिल्ली

www.readwhere.com

ADVERTORIAL

An initiative by RED Read. Engage. Deliver.

जमनालाल बजाज फाउण्डेशन द्वारा गाँधीवादी ''योद्धाओं'' का सम्मान

जमनालाल बजाज
(1889 - 1942)

छोटी उम्र में ही उन्होनें पारिवारिक संपत्ति पर अपने अधिकार का त्याग कर दिया. वे उन गिने-चुने व्यापारियों में से थे जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सहयोग देने के लिये अंग्रेज़ों का कोप झेला, वे एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने 'ऑनररी मैजिस्ट्रेट' और 'राय बहादुर' की पदवी ठुकरा दी; समाज सुधारक जिनकी कथनी और करनी एक सी थी – परदा प्रथा को अपने घर से मिटाया, अपने पारिवारिक लक्ष्मीनारायण मंदिर के दरवाज़े दलितों के लिये खोल दिये-यह अस्पृश्यों के लिए खुलने वाला भारत का पहला मंदिर था. वे स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने जेल में लंबी सज़ाएं काटीं; 'वणिक शिरोमणि' जिन्होंने एक मध्यम स्तरीय जीवन जिया, एक विनम्र व्यक्तित्व जिन्होंने अपना मन, शरीर और आत्मा सब कुछ स्वतंत्रता संग्राम के नाम कर दिया. गांधीजी ने उन्हें 'पांचवें पुत्र' के रूप में अपनाया.

जानकीदेवी बजाज
(1893 - 1979)

वे अपने पति जमनालाल बजाज के पदचिन्हों पर चलीं. उन्होंने परदा तथा अस्पृश्यता जैसे दकियानूसी रिवाज़ों को तोड़ा और गाँधीवादी विचारधारा के प्रसार के लिये जीवन भर कार्य किया. स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया और जेल गयीं. भूदान आंदोलन में सक्रिय सहयोग दिया, कूपदान आंदोलन की वे प्रणेता थीं. 1956 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित . जमनालाल बजाज फाउण्डेशन ने उनकी स्मृति में महिलाओं और बच्चों के विकास में प्रशंसनीय योगदान देनेवाली महिलाओं के लिये एक विशेष पुरस्कार स्थापित किया.

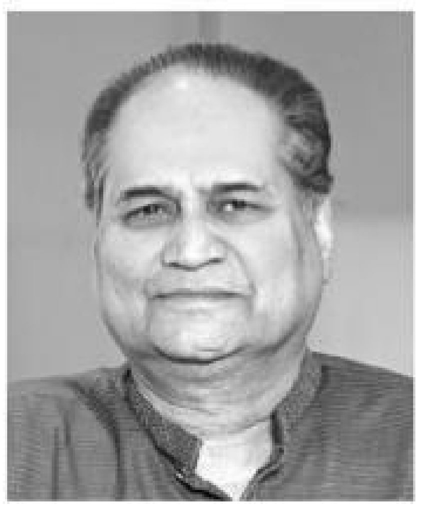

राहुल बजाज
अध्यक्ष, जमनालाल बजाज फाउण्डेशन

पूँजीवाद की अपनी कमियाँ हैं, साम्यवाद को अपयश का सामना करना पड़ा है और लोकतंत्र के परिणाम नाकाफी साबित हो रहे हैं. हम समाज में घटती सौजन्यता और अज्ञानता भरे आचरण में हो रही वृद्धि को देख सकते हैं, हमें नज़र आता है एक ऐसा आत्मकेंद्रित समाज जो केवल ''मैं और मेरे'' का विचार करता है. ऐसा प्रतीत होता है कि अर्थव्यवस्थाओं की तरह लोगों के मन भी संकुचित होते जा रहे हैं.

ऐसे समय में मैं तीन आयामों से आशा और दृढ़ता का भाव ग्रहण करता हूँ। पहला है, हमारी सभ्यता में विद्यमान दर्शन। हमारे पास अनेक विचार हैं, और विशेषकर ''धर्म'' है जो हमारा मार्गदर्शन कर सकता है. दूसरा है, सामान्य लोगों का भाव जगत। उनमें अपने समुदाय को बेहतर बनाने की आकांक्षा और ललक है. तीसरा पहलू है, आदर्श व्यक्तित्व जो सर्वसामान्य जन की भलाई ''सर्वोदय'' के लिए कृतसंकल्प हैं.

जमनालाल बजाज फाउण्डेशन ऐसे आदर्श प्रस्तुत करने वाले महानुभावों की खोज में रहता है और इस क्रम में ऐसे कई लोगों का मिलना अत्यंत हर्ष की बात है.

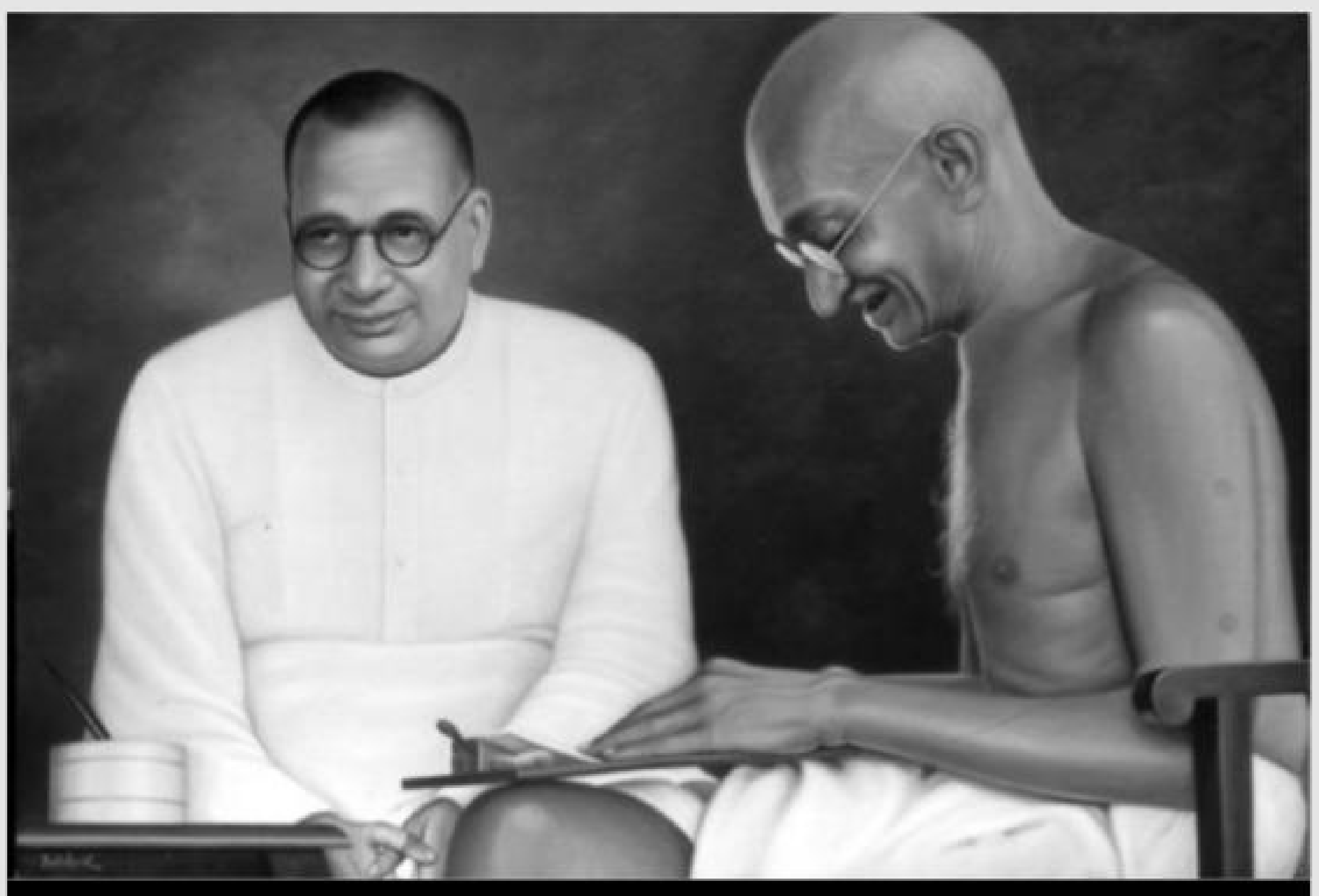

''मैंने जब-जब धनवानों के लिए लिखा कि वे जनहित में अपने धन के ट्रस्टी बन जाएं, तब-तब मेरे मन में मुख्यत: इस 'वणिक शिरोमणि' का नाम रहा.''
–महात्मा गांधी (हरिजन-१४.३.१९४२)

फाउण्डेशन का उद्घाटन (4 नवंबर,1977):
(बांए से) न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्ला, रामकृष्ण बजाज, मोरारजी देसाई, आचार्य कृपालानी तथा डॉ.श्रीमन्नारायण

मुख्य अतिथि

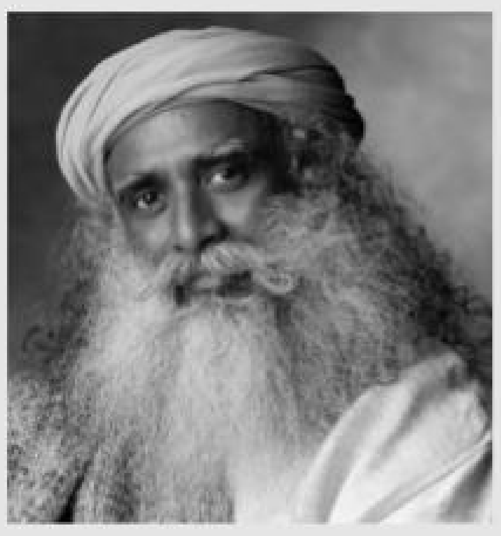

सद्‌गुरु
संस्थापक, ईशा फाउंडेशन

पुरस्कार प्रदान समारोह – 2019

दिनांक:
सोमवार, 2 दिसंबर, 2019

समय : सायं 5.30 बजे

स्थान:
द रॉयल ऑपेरा हाउस,
मामा परमानंद मार्ग, गिरगाँव, मुंबई- 400004

प्रवेश मूल निमंत्रण पत्र द्वारा

परामर्शदाता परिषद

डॉ. आर. ए. माशेलकर, एफआरएस (अध्यक्ष), अनु आगा, राधा भट्ट, डॉ. फिरोज़ा गोदरेज, डॉ. सुदर्शन आयंगर, डॉ. अनिल काकोडकर, डॉ. एस. एन. सुब्बा राव, संजित (बंकर) रॉय, सुप्रिया सुले, डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन, डॉ. मरिअम्मा ए. वर्गीस, मिनल बजाज (मानद निदेशक).

पूर्व मुख्य अतिथिगण

एन. संजीव रेड्डी, दादा धर्माधिकारी, इंदिरा गाँधी, डॉ. नोरमन बोरलोग, जेम्स कॅलाघन, आर. वेंकटरामन, न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्ला, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, राजीव गाँधी, स्वामी रंगनाथानंद, डॉ. हार्बर्ट शामबेक, सी. सुब्रह्मण्यम, के.आर. नारायणन, पांडुरंग शास्त्री आठवले, एच.एच. द दलाई लामा, एच.डी. देवे गौड़ा, मनोहर जोशी, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. पी.सी. एलेक्ज़ेंडर, कृष्णकांत, डॉ. मनमोहन सिंह, भैरोसिंह शेखावत, विरेन जे. शाह, डॉ. एल. एम. सिंघवी, प्रो. अमर्त्य सेन, एन. आर. नारायणमूर्ति, श्री श्री रविशंकर, हामिद अंसारी, स्वामी बाबा रामदेव, प्रतिभा पाटिल, मुरारी बापू, डॉ. न्यायमूर्ति सी.एस. धर्माधिकारी, प्रणब मुखर्जी, कैलाश सत्यार्थी, राजमोहन गांधी, अरुण जेटली और एम. वेंकैया नायडु.

जमनालाल बजाज पुरस्कार के प्राप्तकर्ता–2019

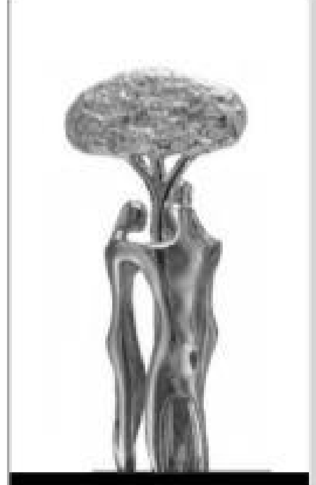

रचनात्मक कार्य में प्रशंसनीय योगदान के लिये पुरस्कार

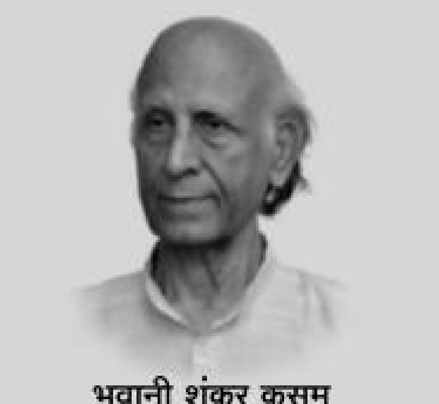

भवानी शंकर कुसुम
राजस्थान

ग्राम भारती समिति के अध्यक्ष, विचारों और कर्मों से समर्पित गांधीवादी, कुष्ठरोग से पीडित लोगों का सक्षमीकरण करने, महिला और युवा कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा, बंजर भूमि विकास तथा बढ़ते मरुस्थलों की समस्या को सुधारने के लिए सुविख्यात.

ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान और तकनीक के लिये पुरस्कार

मोहम्मद इमरान खान मेवाती
राजस्थान

प्रौद्योगिकी की तरफ रुझान रखनेवाले गणित के शिक्षक ने शिक्षा से जुड़ा ऐप स्वेच्छा से निर्मित किया ताकि विशेषकर ग्रामीण बच्चों के लिए शिक्षा सहजता से उपलब्ध हो, विद्यार्थी प्रेरणादायी ज्ञानवर्धक सामग्री प्राप्त कर सकें और डिज़िटल सेवा की दूरियाँ मिटाई जा सकें.

महिला और बाल कल्याण एवं उत्थान के लिये पुरस्कार

शाहीन मिस्त्री
महाराष्ट्र

टीच फॉर इंडिया की संस्थापिका ने भारत में शिक्षा से जुड़ी असमानता को खत्म करने के लिए समर्पित समविचारी लोगों को शामिल करके एक अभियान का आरंभ किया. इस अभियान ने विद्यार्थियों के शैक्षिक परिणामों और मूल्यों पर आधारित उनकी प्रगति दोनों को अत्यंत प्रभावित किया और उनकी आकांक्षाओं के स्तर में भी बदलाव लाया.

विदेशों में गांधीवादी मूल्यों के प्रसार के लिये पुरस्कार

सोनिया डेटो
मेक्सिको

एक सामाजिक कलाकार, अहिंसा का प्रचार करने, नैतिकता की आंतरिक भावना को जागृत करने, सामाजिक आत्मनिर्भरता को बल देने और प्रकृति के साथ मानव जीवन में तादात्म्य स्थापित करने के लिए और महात्मा गांधी के कार्य को गहराई तक ले जाने के लिए कला और आंदोलन का सहारा लिया है.

कमलनयन बजाज
(1915 - 1972)

जमनालालजी के बड़े सुपुत्र. एक ऐसे व्यक्ति जिनका पालन-पोषण तीन विशिष्ट व्यक्तियों की देख रेख में हुआ-पिता जमनालाल बजाज, मार्गदर्शक महात्मा गाँधी और कुलगुरु विनोबा भावे. गाँधीजी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत को अमल में लाने की अपने पिता की इच्छा पूरी करने का प्रयास किया. जमनालाल बजाज सेवा ट्रस्ट की स्थापना की. शिक्षा, चिकित्सा तथा बाढ़ और सूखे से राहत क्षेत्रों में मदद का हाथ बढ़ाया. वे एक स्वतंत्र विचार वाले मौलिक विचारक थे. वे सामाजिक दृष्टि वाले 'पूंजीपति' थे तथा विवेक वाले 'राजनीतिज्ञ'. उन्होंने स्वतंत्र भारत में औद्योगिक विकास तथा उसकी आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा दिया.

रामकृष्ण बजाज
(1923 - 1994)

जमनालालजी के दूसरे सुपुत्र. एक कुशल समाजसेवक के रूप में उन्होंने जमनालालजी की स्मृति को जीवित रखा. वे 'फ़ेयर बिज़नेस प्रैक्टिसेज़' के स्थापकों में से एक थे. उन्होंने परिवार की ओर से उन विचारों को बढ़ावा देने तथा उन ठोस गतिविधियों का प्रचार करने के लिये जमनालाल बजाज फाउण्डेशन की स्थापना की, जिनके लिए जमनालालजी ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था.

डॉ. रघुनाथ माशेलकर, एफआरएस
अध्यक्ष, परामर्शदाता परिषद

जमनालालजी महात्मा गांधी के निष्ठावान समर्थक थे. अपने जीवन के हर पहलू में उन्होंने गांधीवादी सिद्धांतों का पालन किया- फिर चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक, व्यावसायिक पक्ष हो या व्यक्तिगत पक्ष. अत: ये पुरस्कार उन असाधारण व्यक्तियों को दिए जाते हैं, जो गांधीवादी विचारधारा के साथ रचनात्मक कार्य के अभियान में सर्वसमावेशी विकास के लिए समर्पित हैं. हमारे पुरस्कार सही मायनों में अपनी अलग प्रतिष्ठा रखते हैं क्योंकि ये उन्हीं लोगों को प्रदान किए जाते हैं जो गांधीवादी विचारधारा का संवर्धन, प्रचार-प्रसार और पालन करते हुए एक बेहतर दुनिया के निर्माण में लगे हैं, और यह कार्य भी वे कुछ गिने-चुने लोगों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए करते हैं.

न्यासी मंडल
राहुल बजाज (अध्यक्ष)
मधुर बजाज
धीरजलाल एस. मेहता
कैलाश सत्यार्थी

जमनालाल बजाज फाउण्डेशन
बजाज भवन, जमनालाल बजाज मार्ग,
226 नरिमन पॉइंट, मुंबई 400 021
फोन: 022-2202 3626
Email: info@jamnalalbajajfoundation.org
nominations@jamnalalbajajfoundation.org
(ONLY for Nomination inquiries & submissions)
Visit
www.jamnalalbajajfoundation.org
www.jamnalalbajajawards.org
www.bajajgroup.company
https://www.facebook.com/JBFMumbai

www.readwhere.com

मंदी की मार

अब खुद सरकारी आंकड़ों से जाहिर हो गया है कि अर्थव्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। लंबे समय से अर्थशास्त्री चर्चा कर रहे थे कि अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं है। इसे लेकर कई सुझाव भी आ रहे थे। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी कुछ दिनों पहले बताया था कि भारत की अर्थव्यवस्था ठीक नहीं है और अगले चार सालों तक इसके सुधरने की कोई सूरत नजर नहीं आती। राजकोषीय घाटा बढ़ने के आंकड़े भी इस चिंता को गहराने लगे थे। मगर सरकार यह मानने को तैयार नहीं थी। खुद वित्तमंत्री ने कहा कि आर्थिक वृद्धि दर में कुछ सुस्ती जरूर आई है, पर यह मंदी का दौर नहीं है। अब खुद राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन ने बताया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी नीचे खिसक कर साढ़े चार फीसद पर पहुंच गई है। यह पिछले छह सालों का सबसे निचला स्तर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी जीडीपी पांच फीसद पर थी। अर्थव्यवस्था के इस स्थिति में पहुंचने की वजह विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन, कृषि, मत्स्य पालन आदि क्षेत्रों में सुस्ती और बिजली, डीजल आदि की खपत घटना बताया जा रहा है। अर्थव्यवस्था के इस स्तर पर पहुंच जाने से सरकार के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। यह केवल विपक्षी दलों के हमलों से पार पाने का मामला नहीं है, बल्कि इसके चलते अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं बुरी तरह प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की स्थिति और कमजोर होगी।

हालांकि सरकार का दावा है कि वह जल्दी ही इस स्थिति से पार पा लेगी। सरकार का लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था को पचास अरब डॉलर तक पहुंचाना है, पर अर्थव्यवस्था के इस स्तर पर पहुंच जाने से वह लक्ष्य बहुत दूर हो गया है। पहले ही विनिवेश की दर घट चुकी है, उसमें जीडीपी के लुढ़कने से इसके बढ़ने की संभावना काफी क्षीण हो गई है। विदेशी बैंक जीडीपी को ध्यान में रख कर ही कर्ज उपलब्ध कराते हैं, सो वहां भी कठिनाई आएगी। राजकोषीय घाटे को पाटना बड़ी चुनौती है, तिस पर जनकल्याणकारी योजनाओं को चलाए रखने के लिए सरकार को और कर्ज लेने पड़ेंगे, जो खासा जटिल हो सकता है। सरकार पहले ही रिजर्व बैंक से अपना लाभांश तय मात्रा से अधिक निकाल चुकी है, इसलिए वहां से कुछ सहारा मिलने की गुंजाइश भी नहीं बची है। कई बार बैंक दरों में कटौती करके बाजार की सेहत सुधारने के प्रयास हो चुके हैं, पर उसका भी कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया। ऐसे में जरूरत है कि सरकार पिछली गलतियों की समीक्षा करते हुए नए सिरे से रणनीति तय करे, तो शायद स्थिति में कुछ सुधार हो।

औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण, खनन, बिजली उत्पादन आदि क्षेत्रों में मंदी की वजहें साफ हैं कि लोगों के पास पैसे की कमी है, जिसकी वजह से उन्होंने खपत पर अंकुश लगा दिया है। पिछले साल से ही वाहन उत्पादन का क्षेत्र सुस्त पड़ा हुआ है। बाजार का रुख ढीला है। आम उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री पर भी काफी असर पड़ा है। इसलिए जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ती, तब तक इन क्षेत्रों की सुस्ती नहीं टूटेगी। क्रयशक्ति बढ़ाने के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर व्यावहारिक ढंग से काम करना होगा। कृषि क्षेत्र की दुर्दशा दूर करने के लिए कठोर परिश्रम की जरूरत है। देखना है, वह अर्थव्यवस्था की सुस्ती तोड़ने के लिए क्या रणनीति बनाती है।

किसका समाज

तेलंगाना के हैदराबाद में बीते बुधवार की रात एक पशु चिकित्सक युवती के सामूहिक बलात्कार और हत्या के बाद उसे जिंदा जला देने की घटना ने एक बार फिर समूचे देश को झकझोर दिया है। दूसरी ओर, इसके ठीक एक दिन पहले झारखंड के रांची में व्यस्त सड़क से बारह लोगों ने एक युवती का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया। दोनों घटनाओं के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन सवाल है कि पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था किस हालत में थी कि आरोपियों को बलात्कार जैसे जघन्य अपराध को अंजाम देने में भी कोई हिचक नहीं हुई? हैदराबाद की घटना के संबंध में आई खबर के मुताबिक सड़क किनारे खड़ी की गई युवती की स्कूटी को पहले पंचर कर दिया गया। फिर मदद के बहाने वहां आए चारों आरोपियों ने युवती का सामूहिक बलात्कार किया और वहां से चालीस किलोमीटर दूर ले जाकर पेट्रोल डाल कर जला दिया। सवाल है कि एक टोल प्लाजा के पास से शुरू हुई यह समूची घटना कितनी देर तक सड़कों के आसपास ही घटती रही और उस दौरान पुलिस किस मोर्चे पर सक्रिय थी?

करीब सात साल पहले दिल्ली में जब एक पैरामेडिकल छात्रा का सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी, उस समय समूचे देश में इस अपराध के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा हो गया था। तब इस मसले पर गठित जस्टिस जेएस वर्मा समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए महिलाओं के विरुद्ध यौन हिंसा पर कानूनों को और सख्त बनाया गया। कई राज्यों में छोटी बच्चियों से बलात्कार के दोषियों को फांसी तक के कानूनी प्रावधान किए गए हैं। लेकिन तमाम कानूनी सख्ती के बावजूद इस अपराध पर काबू पाने की कोशिशें लगभग नाकाम दिखती हैं। इसी साल जुलाई में आई खबर के मुताबिक छह महीने में चौबीस हजार से ज्यादा बच्चियों के बलात्कार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। दरअसल, एक गंभीर सामाजिक समस्या के रूप में बलात्कार के खिलाफ विचार और कानूनी पहलकदमियों की कमी नहीं रही है। लेकिन बलात्कार जैसे बेलगाम अपराध अपने आप में यह बताने के लिए काफी हैं कि एक ओर हमारा समाज स्त्रियों के प्रति अपेक्षित स्तर तक सभ्य और संवेदनशील नहीं हो सका है और दूसरी ओर सत्ता और प्रशासन इस मसले से निपटने में लगभग नाकाम रहे हैं।

यह बेवजह नहीं है कि तमाम सामाजिक चिंताओं और कानूनी कवायदों के बरक्स आज भी घर की दहलीज से बाहर निकलना महिलाओं को खौफ से भर देता है या फिर वे लगातार एक अनजान आशंका से गुजरती रहती हैं। हालांकि घर की चारदिवारी के भीतर वे कहां खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं! अनेक अध्ययन रिपोर्टों में यह उजागर हो चुका है कि बच्चियों से लेकर महिलाओं तक के यौन उत्पीड़न के ज्यादातर आरोपी उनके परिचित या संबंधी भी होते हैं। सवाल है कि जब घर के भीतर भी बच्चियां और महिलाएं असुरक्षित हैं तो बाहर एक ही तरह की मानसिकता वाले पुरुष समाज के बीच उनके महफूज होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है! क्या केवल कानूनी सख्ती से इस अपराध पर काबू पाया जा सकता है? जब तक सामाजिक विकास में पितृसत्तात्मक ग्रंथियों से बच्चों को मुक्त करने और स्त्री के अधिकारों का सम्मान करने की योजना पर केंद्रित विकास नीतियां लागू नहीं की जाएंगी, तब तक पुरुषों के भीतर की कुंठाएं महिलाओं के खिलाफ त्रासद घटनाओं को अंजाम देती रहेंगी!

कल्पमेधा

विश्व की सारी सेनाएं मिल कर इतने लोगों
और इतनी संपत्ति को नष्ट नहीं करतीं,
जितनी नशे की आदत।
– मिल्टन

कितने बोझ हैं पालतू पशु

भगवती प्रसाद डोभाल

> बढ़ती शहरी आबादी के घनत्व को थामना आज मुश्किल हो गया है। फिर पशुओं पर किसी का ध्यान नहीं है। जबकि वे हमारे भोजन और रहन-सहन में सहायक हैं। हम अपने बीच पशुपालन में एक संतुलन नहीं बना पा रहे हैं। किसी-किसी क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन हो रहा है, जिसका हम निर्यात कर सकते हैं। उस पर भी ठोस योजना का अभाव है। पालतू पशुओं को चारा-पानी उपलबध करा कर उनके स्वास्थ्य को बना कर ही उनकी संतति से लाभ पा सकते हैं। यह एक जीवन चक्र है, इसको नियमित बना कर ही विकास की सही राह पर चला जा सकता है।

आज भारत की आबादी लगभग एक अरब पचीस करोड़ से ज्यादा है। इसे दूध की आवश्यकता है, शरीर ढकने के लिए गरम कपड़े चाहिए। आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कंपोस्ट खाद की जरूरत है, जो हमारी पारंपरिक खेती के लिए इस्तेमाल होती है। वह भी पशुओं से प्राप्त होती है। प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए पशुओं का मांस खाया जाता है। यानी पशु हमारे जीवन के अभिन्न हिस्से हैं। मनुष्य के जंगल युग से सभ्य होने के साथ से ही हमारा पशुओं का साथ है। वे मित्र हैं और हमारे रक्षक भी हैं।

अगर 2017-18 के आंकड़े देखें तो दूध उत्पादन में भारत प्रथम स्थान पर था। इसका वार्षिक उत्पादन देश में 17 करोड़ 43 लाख टन रहा। संख्या के हिसाब से अंडे का उत्पादन 95 अरब 22 करोड़ रहा और 77 लाख टन मांस का उत्पादन किया गया। पशुधन का आउटपुट मूल्य कृषि और अन्य क्षेत्र की अपेक्षा 31.25 फीसद था। मछली उत्पादन लगभग एक करोड़ छब्बीस लाख मिट्रिक टन का रहा। चमड़े का उत्पादन महत्त्वपूर्ण है। इसका सबसे अधिक निर्यात किया जा रहा है। इसी तरह चार करोड़ पंद्रह लाख किलो ऊन का देश प्रति वर्ष उत्पादन कर रहा है। लेकिन जो पशु धन हमारे साथ है, उसकी गणना से पशुओं के अनुपात से हम आर्थिक उन्नति के एक पहलू को देख पाएंगे।

गणना के आधार पर कुल पशु देश में साढ़े तिरेपन करोड़ हैं। यह गणना देश के छह लाख साठ हजार गांवों और नवासी हजार शहरी वार्डों की है। इसके मुताबिक उन पशुओं की वृद्धि हुई है, जो हर दिन भोजन के लिए उपयोग में लाए जा रहे हैं। जबकि जिन्हें कृषि और अन्य कार्यों में उपयोग में लाया जा रहा है, उनका अनुपात घटता जा रहा है। जिन जानवरों का मांस के लिए उपयोग हो रहा है, उसकी संख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। सिर्फ सूअरों के प्रजनन को छोड़ कर, जबकि इसके मांस का भी उपभोग होता है। इसी तरह अंडे और मुर्गी पालन में 2012 की अपेक्षा 2019 में 16.8 फीसद की वृद्धि हुई है। अगर राज्यवार इसका उत्पादन देखें तो बंगाल और आंध्र प्रदेश में 2012 की अपेक्षा इस वर्ष छियालीस और चौंसीस फीसदी की वृद्धि हुई है। भेड़ पालन में भी 2012 के मुकाबले 2019 में आबादी में बढ़ोतरी हुई है। इस समय कुल भेड़ों की संख्या सात करोड़ तैंतालीस लाख है, जबकि 2012 में यह संख्या छह करोड़ इक्यावन लाख थी। यह भी एक आर्थिक आधार है भेड़ पालने वालों का। इसमें 2012 के मुकाबले 2019 में चौदह फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बकरी पालन में भी लोगों ने रुचि दिखाई। इस रुचि का खास कारण है। बकरी पालन मांस के साथ-साथ दूध उत्पादन में सहायक है।

पशुओं के प्रजनन में बहुत सारे राज्यों में कमी पाई गई है। ऊंटों की संख्या में सैंतीस फीसद से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। इसी तरह घोड़े, खच्चर और गधों की संख्या में लगभग बावन फीसद की गिरावट आई। गायों की संख्या में हल्की कमी आई है।

इस पशुधन को पालने के लिए हमें पर्याप्त पानी की आवश्यकता है। यह जरूरी है स्वस्थ पशु जीवन धन को समृद्ध करने के लिए। इसी तरह घास की भी जरूरत होती है। पारिस्थितिकी के हिसाब से सबको स्वस्थ जीवित रहने के लिए हवा, पानी और भोजन आवश्यक है। पालतू पशुओं के लिए चारा बोना आवश्यक है। जंगली घास पर जंगली जानवर तो रह सकते हैं, पर पालतू जानवरों के लिए इस चारे को उगाना पड़ता है। इसके बीज भंडार की भी आवश्यकता होती है। हमारे देश में इनके पालन-पोषण की इतनी बड़ी व्यवस्था नहीं है। जंगलों में जानवरों को चरने के लिए छोड़ा जाता है। उनके जीवित रहने का जंगल ही साधन है। जंगल भी साल भर हरे-भरे नहीं रहते। बारिश के अभाव में तो सूखा पड़ जाता है। मवेशी जगह-जगह पेट भरने के लिए भटकते हैं।

पानी और घास के उत्पादन में इन जानवरों के लिए कितनी अर्थव्यवस्था की जरूरत है, उसका अनुमान भी शायद ही किसी ने किया हो। इस पर अध्ययन की आवश्यकता है। कितनी भूमि इनके लिए सुरक्षित रह पाएगी, वह भी भविष्य का विषय है। इस सबका नियोजन अभी हो जाना चाहिए। इस गणना में हमने पालतू कुत्तों और बिल्लियों को छोड़ रखा है। जबकि वे भी हमारे सहचर्य हैं। इन्हें भी भोजन की जरूरत पड़ती है।

अक्सर देखने में आता है कि देश की राजधानी दिल्ली के महानगरीय जीवन में पशु खुले घूमते हैं। वे सड़कों पर जगह-जगह भटकते हैं। कहीं-कहीं तो ट्रैफिक को बाधित करते हैं। इनके मालिक इन्हें लावारिसों की तरह बाजारों में छोड़ देते हैं और जब दूध लेने की जरूरत होती है, तब घरों में ले जाकर उनसे दूध दूहते हैं। दिल्ली के शहर से जुड़े ग्रामीण इलाकों में इस तरह आवारा गाएं चलती-फिरती रहती हैं। हाल ही उत्तराखंड में यह देखा गया कि गायों को जंगलों में छोड़ दिया गया था, जहां वे जंगली चीतों और बाघों का शिकार हो रही हैं। इसके अलावा, आजकल जंगली जानवर भी खूंखार हो गए हैं। उनके लिए भी जंगलों में भोजन की कमी है, इसलिए वे इंसानों पर झपट रहे हैं। पूरे उत्तराखंड में जंगली सूअरों से लेकर बंदर, भालू खेती-बाड़ी का नुकसान कर रहे हैं। इनका वैज्ञानिक अध्ययन तक नहीं हुआ कि क्यों इनकी प्रवृत्ति इतनी हिंसक हो रही हैं।

मोटी बात यह है कि जंगलों की कटाई-छंटाई सड़कें बनाने के लिए हो रही हैं। जो बचे जंगल हैं, उन पर मशीनें दौड़ रही हैं। यातायात भी ज्यादा हो गया है। इसलिए जंगली जानवर खाने की तलाश में गांवों और कस्बों में घूम रहे हैं। पलायन की मार से जो गांव बचे हैं, वहां पर हिंसक जंगली जानवरों का आतंक हो गया है। खेतीबाड़ी में उत्पादन घट गया है।

कहने का आशय यही है कि बढ़ती शहरी आबादी के घनत्व को थामना आज मुश्किल हो गया है। फिर पशुओं पर किसी का ध्यान नहीं है। जबकि वे हमारे भोजन और रहन-सहन में सहायक हैं। हम अपने बीच पशुपालन में एक संतुलन नहीं बना पा रहे हैं। किसी-किसी क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन हो रहा है, जिसका हम निर्यात कर सकते हैं। उस पर भी ठोस योजना का अभाव है।

पालतू पशुओं को चारा-पानी उपलबध करा कर उनके स्वास्थ्य को बना कर ही उनकी संतति से लाभ पा सकते हैं। यह एक जीवन चक्र है, इसको नियमित बना कर ही विकास की सही राह पर चला जा सकता है। हाल ही में गौरक्षक अभियान ने ऐसे पशुओं को खुला छोड़ दिया है, जिनका भार संभालना उस मालिक के बस में भी नहीं है जो उसे पाल-पोस, उससे सब कुछ निचोड़ कर खुला छोड़ने में विश्वास रखता है। उन्हीं लोगों की वजह से परेशानियां भी पैदा हो रही हैं। जो अब किसी तरह से किसान के काबिल मवेशी नहीं रहता है, उसका ठिकाना आवारा जीवन ही रह गया है। उस जीवन की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। कभी ऐसे जानवरों को 'स्लॉटर हाउस' पहुंचाया जाता था, वहां उनके चमड़े, मांस के उपयोग के अलावा उनकी हड्डियों की खाद बनाई जाती थी जो कृषि उपज में सहायक होता था। उसका उपयोग अब नहीं हो पा रहा है। इसलिए सरकार के पास कोई ठोस नीति होनी चाहिए, जिससे उन जानवरों की जीवन पर्यंत सुरक्षा का भार वह उठाए और जब उनके जीवन का अंत प्राकृतिक रूप से आए, तब उन्हें शांत मृत्यु का रास्ता दे। हमारी पशुओं के साथ न्याय की प्रक्रिया भी सही होनी चाहिए। आखिर वे हमारे पूरक हैं।

खंडित सच के दायरे

दुनिया मेरे आगे

निशा नाग

हाल ही में किसी ने मुझे कहा- 'मालूम है, ये जो मांग चल रही है कि शिक्षा महंगी कर दी है और हम उसे वहन नहीं कर सकते। ये सब फिजूल की बात है। जेएनयू के विद्यार्थी तो महंगी बाइकों पर घूमते हैं और ब्रांडेड कपड़े पहनते हैं। ...मैंने अभी-अभी फेसबुक पर देखा।' यह बात उच्च शिक्षित एक महिला ने मुझसे कही तो चौंकना स्वाभाविक था। दरअसल, सामान्य विद्यार्थियों के साथ जेएनयू में पढ़ने वाले ऐसे विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों से आते हैं और वे बेहद निम्न आय वर्ग के परिवारों के बच्चे होते हैं। वे अक्सर अपनी पीढ़ी के पहले ऐसे विद्यार्थी होते हैं जो उच्च शिक्षा का सपना पूरा कर रहे होते हैं। मैंने उन्हें ट्यूशन पढ़ा कर भी अपना खर्च चलाते हुए देखा है। और जेएनयू की तो पहचान ही मोटे कपड़े और फक्कड़पने से है। कुछ लोग अगर ब्रांडेड कपड़े पहनते हैं तो उसका सरलीकरण ठीक नहीं। यह धारणा ठीक वैसी ही है कि अगर दिल्ली में कुछ लोगों के पास महंगी फेरारी कार है तो समूची दिल्ली में रहने वालों के पास भी है।

सवाल है कि आभासी संसार के गढ़े गए प्रचार को पढ़े-लिखे और वयस्क लोग सहजता से स्वीकार कर रहे हैं तो उस आम अल्पशिक्षित और अशिक्षित जनता के बारे में क्या कहा जाए जिसे कभी विचार और विश्लेषण करने की क्षमता तक पहुंचने ही नहीं दिया गया। सोशल मीडिया पर 'ऑगमेंटिड रियलिटी' या संवर्धित वास्तविकता पर आज कभी-कभार चर्चा होने लगी है। संवर्द्धित वास्तविकता आभासी संसार की वह प्रतिछवि है जो वास्तविकता को स्वरचित कल्पना में लपेट कर प्रस्तुत करती है और छवियों की वास्तविकता को खत्म कर देती है। दुख को अति दुख और हास को अतिहास में इस तरह प्रतिवर्तित करती है कि वास्तविकता उसके भीतर कहीं दब कर रह जाती है और आम जन उस बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत की गई बात को ही सच मान लेता है। जबकि वास्तविकता का अंश उसमें कहीं बहुत थोड़ा होता है। यानी अपने-अपने राम की तरह अपना-अपना सच यहां भी काम करता है। किन्हीं विशेष परिस्थितियों की तो बात ही छोड़िए, आम घटनाओं पर भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई दे रहा है और आम जन इसके घेरे में आते दिखाई दे रहे हैं।

आधुनिक समाज की एक प्रमुख गतिविधि निरंतर नई-नई छवियों को निर्मित करना और उनका उपभोग करते रहना है। धीरे-धीरे वास्तविकता की ये गढ़ी गई छवियां ही वास्तविकता को निर्धारित करने लगती हैं। इन दी हुई छवियों के आधार पर हम वास्तविकता के बारे में अपनी अवधारणाएं बनाने लगते हैं। ये छवियां वास्तविकता को लेकर हमारी जरूरतों का अनुकूलन और नियंत्रण करने लगती हैं। सोशल मीडिया में वास्तविक संसार को प्रतिसंसार में गढ़ने वाली फोटोग्राफी के साथ ही इसका खतरा दिखाई देने लगा था।

सन 1960 में सूजन सौंटेंग की पुस्तक प्रकाशित हुई 'ऑन फोटोग्रॉफी'। इस पुस्तक में उन्होंने यह स्थापित किया कि किसी घटना के बारे में दिखाए गए फोटोग्राफ के बारे में अक्सर कहा जाता है कि वह हजारों शब्दों से भी अधिक प्रभावशाली होता है। जबकि सच्चाई यह है कि 'क्षण में कैद एक चित्र वास्तविकता का एक टुकड़ा हमें देता है। लेकिन वह टुकड़े को संपूर्णता का पर्याय बना देना चाहता है। हम कैमरे की आंख से ही सब कुछ को देखते हैं। कौन इसे दिखा रहा है? कौन इस पूरे दृश्य प्रपंच का सूत्रधार है, इसे अक्सर नहीं जान पाते'।

यही स्थिति आज वायरल होती छवियों दृश्यों और एमएमएस के बारे में है। यह सही है कि सोशल मीडिया ने सूचना का लोकतंत्रीकरण और ज्ञान का सुलभ स्रोत उपलब्ध कराया है, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है जो आज इस समस्त सूचना तंत्र पर हावी होता नजर आ रहा है, जहां सोशल मीडिया में निरंतर गढ़ी जाती ये छवियां सोचने और विचारने की जगह खत्म कर रही हैं। वास्तविकता का अपने लिए अनुकूलन करती ये छवियां कहीं न कहीं वास्तविकता को निरर्थक बना रही हैं। यहां तक कि यह वास्तविकता को एक गल्प में बदल रही हैं। इस तरह की छवियां वास्तविकता के सत्य और सातत्य को खंडित करती हैं। यह अनायास नहीं है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आम जनता को दिखाने के लिए तानाशाह हिटलर या भारत में ब्रिटिश सरकार ने जो वृत्तचित्र बनाए थे, वह अपना पक्ष जनता के सामने रखने के लिए 'मैनीपुलेशन' यानी तथ्यों को मनमाने तरीके से तोड़ना-मरोड़ना था। उन्होंने उस समय जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए वृत्त-चित्रों और प्रोपेगेंडा का सहारा लिया।

आभासी छवियों के इस संसार में वस्तु की छवि जब तैयार होती है तो वह जैसे उस वस्तु को अपने नियंत्रण में कर लेना चाहती है और वह छवि ही वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करने लगती है। प्रश्न यह उठता है कि कहीं हमारे समाज का यह ऑनलाइन प्रतिबिंब, जो अक्सर तात्कालिक प्रतिछवियों द्वारा निर्मित होता है, हमें इतना प्रभावित तो नहीं कर लेगा कि विचार-विमर्श किए बिना हम इस पर विश्वास करने लगेंगे और यह समांतर आभासी दुनिया ही हमें संचालित करने लगेगी!

मेहनताने का हक

मजदूर अधिनियम 2019 पर श्रम संहिता और मसौदा नियमों ने क्या भारत में पचास करोड़ से अधिक अनौपचारिक श्रमिकों के जीवन और आकांक्षाओं को विफल कर दिया है? संगठित क्षेत्रों में जिस तरह बैंक, स्कूल, बीमा जैसे संस्थानों में जो लोग श्रम कार्य में लगे हुए हैं, उन्हें समय पर वेतन मिलता है, बीमा जैसी सुविधाओं का लाभ मिल जाता है। वहीं असंगठित क्षेत्रों में वेतन-भत्ते, बीमा और कब काम पर जाना है, कब नहीं, कुछ निश्चित नहीं है। असंगठित क्षेत्र के मजदूर वर्ग के बच्चों के लिए सुविधाओं का घोर अभाव है। अधिकतम समस्या असंगठित क्षेत्र में है। इसमें तिरानबे फीसद जो कार्यशील जनसंख्या है, वह साठ फीसद सकल घरेलू उत्पादन में योगदान देता है।

सन 1991 में निर्वाह मजदूरी अधिकार की अवधारणा सामने आई, लेकिन वर्तमान में विकासशील देशों में भी मजदूर वर्ग न्यूनतम आय से भी अभी बहुत दूर है। 1947 से अब तक वर्तमान परिस्थितियों में भी हालत वही बनी हुई है। उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के हिसाब से अभी भी ग्रामीण क्षेत्र में वर्तमान में तिरासी रुपए प्रतिदिन और शहरी क्षेत्र में एक सौ चौंतीस रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मिल रहा है। वहीं दिल्ली में यह न्यूनतम वेतन 14,842 प्रतिमाह है और केरल में यह छह सौ रुपए प्रतिदिन। इन राज्यों की स्थिति बेहतर है।

सही है कि इस अधिनियम से कुछ फायदे भी समाज में होंगे। इस अधिनियम के जरिए लैंगिक आधार पर एक समान कार्य या एक प्रकृति वाले काम के लिए वेतन और भर्ती के मामले में लैंगिक भेदभाव को खत्म कर दिया गया है। अब एक जैसे काम के लिए महिलाओं को भी उतना ही वेतन मिलेगा, जितना एक पुरुष को दिया जाता है। मजदूर अधिनियम 2019 में वेतन वर्तमान में 9750 रुपए महीने, वहीं 375 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। इसमें शहरी क्षेत्र में आवासीय भत्ता 1430 रुपए न्यूनतम है। श्रम सुधारों की दिशा में यह एक बहुत बड़ा कदम है। श्रमिक वर्ग खुश रहेगा, तभी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

● *करन कुमार खोईया, दिल्ली विवि*

अनुशासन की कसौटी

राजनीति में अनुशासन की बात की जाए तो देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 'अनुशासन राष्ट्र का जीवन-रक्त है।' सच पूछा जाए तो अनुशासन ही मानव सभ्यता के विकास की पहली सीढ़ी है, जिसके सहारे हमारा क्रमिक विकास संभव हुआ है। प्रकृति के समस्त कार्य-व्यापार किसी न किसी नियम से बंधे होते हैं। पृथ्वी नित्य नियम से अपनी धुरी पर घूमती है। जाड़ा, गरमी और बरसात हमेशा समय पर आते हैं। लेकिन अब यहां यह कहना उचित होगा कि देश में अनुशासन का पालन करने को विचित्र निगाहों से देखा जाने लगा है।

खासतौर पर हमारे देश की राजनीति का स्तर इस हद तक गिर चुका है कि यहां अनुशासन तो किसी कोने में दुबका नजर आता है। अगर यहां अनुशासन होता तो आज देश की राजनीति और राजनेता अवसरवाद के शिकार न होते और न ही बेतुकी बयानबाजी सत्ताधारियों और राजनेताओं से सुनने को मिलती। सरकारों को देशहित और जनहित के लिए कड़वे और कठोर फैसले जरूर लेने चाहिए। हालांकि सरकारों को ऐसे फैसले लेने से गुरेज करना चाहिए, जिससे देश को आर्थिक नुकसान हो या वह आमजन के लिए परेशानी बने। लोकतंत्र में जहां प्रधानमंत्री देश के नागरिकों के मतदान द्वारा चुना जाता है। वहीं अगर लोगों से किसी खास और मजबूरी वाले अनुशासन की अपेक्षा रखी जाती हो, तो वास्तव में उसे किसी न किसी रूप में लोकतंत्र पर आसन्न खतरे का संकेत समझा जा सकता है।

● *राजेश कुमार चौहान, जालंधर*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

चौपाल

आदर्श गांधी

हाल ही में एक सांसद प्रज्ञा ठाकुर द्वारा गांधीजी की हत्या को लेकर संवेदनशील और नकारात्मक बयान के चलते राजनाथ सिंह ने संसद में कहा कि महात्मा गांधीजी हमारे लिए आदर्श हैं। वे हमारे प्रेरणास्रोत हैं और हमेशा रहेंगे। अब प्रज्ञा ठाकुर ने भले ही माफी मांग ली हो, लेकिन यह देश के लिए खेद की बात हैं जिस महान व्यक्ति के स्मारक और मूर्तियां दुनिया के देशो में सम्मान के साथ बनाए जाते हैं, ताकि उनके आदर्श तत्त्वों और मूल्यों को उनके देश के भलाई के लिए अपनाया जा सके, वहीं अपने ही देश में गांधीजी के नाम पर विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, जो निंदनीय है। गांधीजी को दुनिया में इसीलिए माना और याद किया जाता है कि वे अहिंसा, आत्मबल, संयम, उपवास, विश्वास, धैर्य,आत्मविश्वास, न्ष्ठिा, कर्तव्य, सादगी आदि गुणों को आत्मसात करके अपने जीवन को व्यतीत करते रहे। इसलिए देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सामने उनकी सोच और जीवनशैली आदर्श मानी जाती है। यह दुर्भाग्य है कि देश में गांधीजी की मृत्यु स्वाभाविक नहीं हुई, बल्कि नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी। उसी हत्यारे को देशभक्त कहा जा रहा है।

गांधीजी ने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, पर्यावरण आदि अनेक पहलू पर अपने विचार प्रकट किए, जिन्हें वास्तव में जमीन पर उतारने के लिए देश को प्रयास करना जरूरी है। देश में कुछ नेता और लोग अन्य नेताओं, क्रांतिकारियों, समाजसेवकों के विचार गांधीवादी विचारधारा से श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन किसकी विचारधारा श्रेष्ठ बताने के बजाय खुद के लिए और देश के कल्याण के लिए उन सभी अच्छी विचारधाराओं में से अच्छी और मानवीय बातें चुन कर लागू करना चाहिए।

● *निशांत महेश त्रिपाठी, कोंढाली, नागपुर*

राजनीति की दिशा

राजनीति को सीधे सरल रूप में परिभाषित करना हो तो यह वह व्यवस्था है, जो समाज को दिशा देने के साथ ही उसकी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है। आज राजनीति दिशाहीन होती जा रही है और नेता अवसरवादी। एक कहावत काफी प्रचलित है कि दुश्मन का दुश्मन अपना दोस्त हो सकता है। कोई बात जमी नहीं कि पार्टी बदली, क्योंकि दूसरा दल उसे लेने को तैयार खड़ा है। एक समय टिकट के दावेदार कम हुआ करते थे, मगर अब लाइन लगा कर खड़े रहते हैं। पार्टी बदलना और नई पार्टी बनाना तो खेल बन गया है।

● *साजिद अली, चंदन नगर, इंदौर*

www.readwhere.com

जनसत्ता
धर्म दीक्षा
2 दिसंबर, 2019 7

आस्था

दिल्ली में लाल किले पर रविवार को गीता प्रेरणा त्योहार के मौके पर हुए कार्यक्रम में मुसलिम विद्यार्थी भगवद् गीता के श्लोक पढ़ते हुए।

जानकारी

शिवराड़ी महादेव का मंदिर शीशामाटी में 45 साल पहले बनाया गया लेकिन उनका मूल मंदिर कुल्लू जिले की लगघाटी के फलाण गांव में है जोकि 300 साल से भी अधिक पुराना है। यह मंदिर लगघाटी की चोटी पर है। शिव और विष्णु नारायण के आधे-आधे रूप के कारण यह मंदिर शिवराड़ी नाम से प्रसिद्ध है।

कैलेंडर

शास्त्री कोसलेंद्रदास

उलझनों को सुलझाती है गीता

चेतना का उजियाला फैलाती गीता ऐसा अमर ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है। गीता का अभिर्भाव कुरुक्षेत्र में पवित्र मार्गशीर्ष मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी को हुआ था। युद्ध से पलायन करके शरण में आए अर्जुन पर वात्सल्य से विवश होकर सर्वेश्वर श्रीकृष्ण ने गीता के रूप में अध्यात्म शास्त्र का उपदेश किया, जो किसी काल, धर्म या संप्रदाय के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण मानव जाति के लिए है। इस लघुकाय ग्रंथ में ज्ञान का उपदेश है, जो संपूर्ण मानव जाति को सचेत करता है।

गीता गुरु है, माता है। उसकी गोद में सिर रखकर संतान सही-सलामत पार हो जाती है। गीता के द्वारा अपनी सारी धार्मिक गुत्थियां सुलझा लेंगे

गीता जयंती (8 दिसंबर)

उपनिषदों का सार गीता

गीता महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाभारत का हिस्सा है, जिसका इतिहास पांच हजार वर्ष पुराना है। रामायण और महाभारत प्राचीन भारत के ऐतिहासिक दस्तावेज ही नहीं बल्कि हमारे धर्मग्रंथ भी हैं। ये दोनों ग्रंथ आत्म-तत्त्व का ज्ञान कराते हैं। प्रत्येक मनुष्य की देह के भीतर क्या चल रहा है, ये अमर ग्रंथ इसकी तस्वीर खींचते हैं। इन ग्रंथों में देव भाव के प्रतिनिधि श्रीराम और असुर भाव के नायक रावण के बीच हर रोज चलने वाली लड़ाई का लेखा-जोखा है। इसी धारा में कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच हुआ संवाद गीता है। गीता शब्द का मतलब है, प्रेमपूर्वक बोला गया। इस प्रकार गीता का अर्थ है - श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया आत्म बोध, जिसमें सारे वेदांत-उपनिषदों का सार है। अठारह अध्यायों में बंटी गीता की शुरुआत पुत्रमोह में पड़े धृतराष्ट्र ने की है, जो केवल नेत्रों से ही नहीं बल्कि सर्वात्मना अंध है।

पूछने-समझने की प्रक्रिया गीता

गीता का अध्ययन, मनन और चिंतन मानव मन को चमत्कृत करता है। उसका अध्ययन इसलिए करना चाहिए क्योंकि हमारी देह में अंतर्यामी श्रीकृष्ण विराजमान हैं और हम आपत्काल में उनसे सवाल-जवाब पूछ सकते हैं। गीता की जरूरत इसीलिए है कि वहां जीवन की उलझनों को सुलझाने के उत्तर ढूंढ़े जा सकें। इस नाते पूछने और समझने की प्रक्रिया ही गीता कहलाती है। हम भले सोए हैं पर वह अंतर्यामी परमात्मा सदा जागृत हैं। वह भीतर बैठकर देखता है कि हम में कब जिज्ञासा उत्पन्न हो? पर हमें सवाल पूछना नहीं आता। जब अंतर्मन में श्रेष्ठ जिज्ञासाएं उत्पन्न होती हैं तो हमें गीता की आवश्यकता पड़ती है। इस कारण हमें गीता-सरीखी पुस्तक का नित्य अध्ययन करना चाहिए।

समस्याओं का समाधान गीता

गीता गुरु है, माता है। उसकी गोद में सिर रखकर संतान सही-सलामत पार हो जाती है। गीता के द्वारा अपनी सारी धार्मिक गुत्थियां सुलझा लेंगे। इस भांति गीता का नित्य मनन करनेवालों को उसमें से नित्य नए अर्थ मिलते हैं।

धर्म और समाज की ऐसी एक भी उलझन नहीं है, जिसे गीता न सुलझा सकती हो। हमारी अल्पश्रद्धा के कारण हमें उसका पढ़ना-समझना न आए तो दूसरी बात है, पर हमें श्रद्धा नित्य बढ़ाए जाने और स्वयं को सावधान रखने के लिए गीता का पारायण करते रहना चाहिए। गीता का अध्ययन जीवन के गूढ़ रहस्य को उजागर करता है।

प्रस्थानत्रयी में गीता

भारतीय दर्शन की पंरपरा में गीता का स्थान अनुपम है। वह प्रस्थान-त्रयी में एक है। प्रस्थान-त्रयी का तात्पर्य है - उपनिषद, महर्षि बादरायण के लिखे ब्रह्मसूत्र और गीता। इस कारण पिछली शताब्दियों में आचार्यों ने गीता पर दार्शनिक सिद्धांतों के अनुरूप भाष्य लिखे। शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, मध्वाचार्य, निम्बाकाचार्य, वल्लभाचार्य और रामानंदाचार्य सहित सैकड़ों मनीषियों ने गीता पर भाष्य लिखे हैं। इन आचार्यों के विभिन्न अभिमतों के अनुसार कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग मोक्ष देते हैं, जिनका विवेचन गीता में है। वेद-विज्ञान सिद्धांत के प्रतिष्ठापक पंडित मधुसूदन ओझा ने गीता का प्रतिपाद्य बुद्धियोग माना है। स्पष्ट है, गीता में वह सब है जिसकी मानव समुदाय को आवश्यकता है।

गीता और महात्मा गांधी

महात्मा गांधी ने गीता को शास्त्रों का दोहन माना। उन्होंने अपनी रचना 'गीता माता' में श्लोकों के शब्दों को सरल अर्थ देते हुए उनकी टीका की है। 'गीता-माता' में महात्मा गांधी ने लिखा, 'गीता शास्त्रों का दोहन है। मैंने कहीं पढ़ा था कि सारे उपनिषदों का निचोड़ उसके सात सौ श्लोकों में आ जाता है। इसलिए मैंने निश्चय किया कि कुछ न हो सके तो भी गीता का ज्ञान प्राप्त कर लें।

आज गीता मेरे लिए केवल बाइबिल नहीं है, केवल कुरान नहीं है, मेरे लिए वह माता हो गई है। मुझे जन्म देने वाली माता तो चली गईं, पर संकट के समय गीता-माता के पास जाना मैं सीख गया हूं। मैंने देखा है, जो कोई इस माता की शरण जाता है, उसे वह ज्ञानामृत से तृप्त करती है।'

तीज त्योहार

दिसंबर माह (02 से 15)

दिसंबर माह में हिंदू पंचांग के मुताबि मार्गशीर्ष का पवित्र महीना चल रहा है। वहीं अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह साल का आखिरी महीना है। दिसंबर महीने का आरंभ एक दिसंबर को विवाह पंचमी से हुआ। माना जाता है कि इसी दि भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था। आठ दिसंबर को गीता जयंती का आयोजन है। दिसंबर के पहले पखवाड़े के तीज-त्योहार इस तरह हैं-

2 दिसंबर
स्कंद षष्ठी व्रत, चंपा षष्ठी, मार्तंडभैरवोत्थापन, सुब्रह्मण्य षष्ठी, पंचक प्रारंभ

3 दिसंबर
मित्र (सूर्य) सप्तमी व्रत, ज्येष्ठा के सूर्य, पंचक

4 दिसंबर
बुधाष्टमी पर्व, मासिक दुर्गाष्टमी, पंचक

5 दिसंबर
महानंदा नवमी कल्पादि नवमी, पंचक

6 दिसंबर
भारतरत्न डॉ आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस, पंचक

7 दिसंबर
पंचक समाप्ति

8 दिसंबर
मोक्षदा एकादशी, मौना एकादशी, गीता जयंती

9 दिसंबर
सोम प्रदोष व्रत, मत्स्य द्वादशी, दान द्वादशी (ओड़ीशा), भरणी दीपम (दक्षिण भारत)

10 दिसंबर
पिशाचमोचन श्राद्ध, कपर्दीश्वर महादेश दर्शन, कृतिका दीपम (दक्षिण भारत)

11 दिसंबर
पूर्णिमा व्रत, श्रीदत्त जयंती

12 दिसंबर
मार्गशीर्ष पूर्णिमा, अन्नपूर्णा जयंती, त्रिपुर भैरवी जयंती

13 दिसंबर
पौष मासारंभ (उत्तर)

15 दिसंबर
गणेश संकष्ठी चतुर्थी, पारसी अमर्दाद मासारंभ

देवी-देवता

शिव और विष्णु के अवतार शिवराड़ी देवता

कमलेश

कुल्लू जिले के शीशामाटी स्थित काष्ठकुणी शैली से निर्मित शिव और विष्णु भगवान का अवतार कहे जाने वाले शिवराड़ी मंदिर में जिले के साथ प्रदेशभर के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। इस मंदिर की खासियत यह है कि शिव और नारायण भगवान की पूजा में सुरा का भोग लगता है और भक्तों को भी प्रसाद के रूप में सुरा और पहाड़ी व्यंजन सिड्डू प्रसाद के रूप में दिया जाता है। यह मंदिर एनएच-21 और कुल्लू लग वैली मार्ग के बीचों-बीच है।

मान्यता के अनुसार रामायणकाल में जब रावण मृत्यु शैया पर पड़ा हुआ था तो तब उसने भगवान राम और हनुमान से उनके विराट रूप के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर भगवान राम ने रावण को उस रूप से दर्शन देने से इसलिए इंकार कर दिया कि यदि वह विराट रूप के दर्शन करता है तो उसकी मृत्यु हो जाएगी लेकिन रावण के बार-बार आग्रह करने पर भगवान राम और हनुमान ने उसे अपने शांत रूप जिसमें आधे शिव और आधे विष्णु भगवान मौजूद थे, के दर्शन करवाए थे। शिव और भगवान विष्णु के इस रूप को ही शिवराड़ी नारायण के रूप में जाना जाता है।

तैयारियां : मंदिर में जहां हर रोज भक्त देवता का आशीर्वाद लेने आते हैं वहीं हर साल सावन महीने में सात अगस्त से यहां पर श्रावण मेले का आयोजन होता है और हर दिन कुल्लू जिले सहित पूरे प्रदेश के श्रद्धालुओं का यहां तांता लगता है। यह मेला दो दिनों तक चलता है और इस दौरान मंदिर में गूर और देव खेल सबके लिए आकर्षण का केंद्र होता है। इसके अलावा मंदिर में दो दिन तक खीर के भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। इसके अलावा फाल्गुन माह में इस मंदिर में फागली उत्सव का भी आयोजन होता है और इस दौरान भी दो दिवसीय मेला आयोजित होता है।

जिला सहित प्रदेश के लोगों में शिव और विष्णु का अवतार कहे जाने वाले देवता शिवराड़ी नारायण के प्रति भारी आस्था है, जिसका प्रमाण हर दिन यहां पहुंचने वाले भक्त हैं। *- सोपन नाग, पुजारी देवता शिवराड़ी नारायण*

शिव भगवान को जहां हर जगह दूध, घी, बेल पत्र सहित अन्य चीजों का भोग लगाया जाता है, वहीं शिवराड़ी मंदिर की खासियत यह है कि इनको सुरा और आटे से बने सिड्डू का भोग लगाया जाता है। मंदिर में आने वाले भक्तों को भी प्रसाद के रूप में सुरा और सिड्डू दिए जाते हैं। सावन माह भगवान भोलेनाथ का सबसे प्रिय माह है और इस माह में भगवान शिव अपने हर भक्त की हर मनोकामनाएं पूरी करते हैं। शिवराड़ी नारायण महादेव मंदिर में सावन माह के कारण पूरा माह भक्तों का खूब जमावड़ा लगा रहेगा और दूर-दूर से भक्त भोले के दरबार आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। मेले के दौरान दो दिनों तक खीर के भंडारे का भी आयोजन होता है। *-राकेश, गूर शिवराड़ी नारायण देवता*

धर्म वह कर्म है, जिससे किसी को हानि न हो : आचार्य धर्मेंद्र

शंकर जालान

संत आचार्य श्री धर्मेंद्रजी महाराज से विभिन्न मुद्दों पर हुई बातचीत...

बातचीत

सवाल : धर्म और राजनीति का क्या संबंध है ?

● बहुत गहरा संबंध है। व्यक्ति धर्म के मुताबिक जीवन-यापन करे और इसे ही ध्यान में रखकर राजनीति। राजनीति का अर्थ है राज की नीति। यदि राजा धर्म से नियंत्रित होगा तो राजनीति अपने आप धर्म से नियंत्रित हो जाएगी। राजनीति को धर्मनिष्ठ होना चाहिए। नीति से नैतिकता बनी है, नैतिकता यानी धर्म। कुछ लोग धर्म को राजनीति से अलग करने का स्वार्थपूर्ण अभियान चला रहे हैं, ताकि धर्म उनकी राह में बाधक न बने, जो किसी भी तरह से देशहित में नहीं है।

सवाल : आपकी निगाह में धर्म की सटीक परिभाषा?

● धर्म को जीवन की आचार संहिता कहा जा सकता है। संसार के प्रत्येक प्राणी और पदार्थ केवल चैतन्य ही नहीं जड़ का भी अपना एक निश्चित धर्म होता है। चाहे वह मिट्टी हो या फिर पत्थर। धर्म वह कर्म है जिससे किसी को हानि न हो, कोई दुखी न हो। संपूर्ण संसार के मनुष्यों पर लागू हो सके और स्वीकार किया जा सके वही धर्म है। धर्म अपरिवर्तनीय है। प्रत्येक काल, देश, दशा और दिशा में जो एक हो वही धर्म है।

सवाल : सनातन धर्म में गुरुओं व बाबाओं की भरमार है, बावजूद इसके समाज में असंतोष बढ़ता जा रहा है, इसका क्या कारण है ?

● हमारे यहां उपासना की जो स्वतंत्रता दी गई, इसका दुरुपयोग हुआ है। विभिन्न पंथ और समुदाय होने से लोग भटक गए। मुश्किल की बात यह है कि हिंदू धर्म में न एक मंत्र है, न एक उपासना पद्धति और न ही कोई एक अनुशासन केंद्र। जिस प्रकार देवी-देवताओं की भरमार है ठीक उसी तरह संत-संन्यासी भी बहुत है। शायद यही असंतोष का मूल कारण है।

सवाल : गोहत्या पर आपका मत है ?

● गोहत्या पर रोक और गोवंश की रक्षा के लिए केंद्र समेत विभिन्न राज्य की सरकारों को न केवल सख्त कदम उठाना चाहिए, बल्कि संविधान में संशोधन कर हर हाल में इसे अनिवार्य रूप से लागू करवाना चाहिए, क्योंकि गोवंश की रक्षा और गो आधारित कृषि के बिना विकास संभव नहीं है।

कनखल में गुरु ने उठाई थी सती प्रथा के खिलाफ आवाज

सुनील दत्त पांडेय

सिखों के तीसरे गुरु अमर दास को तीर्थ नगरी हरिद्वार और गंगा मैया ने हमेशा आकर्षित किया। गुरु अमरदास को जब यह पता चला कि तीर्थ नगरी हरिद्वार की उपनगरी कनखल के गंगा तट पर सती घाट में सती प्रथा का प्रचलन है तो वे पंजाब के अमृतसर जिले के बासर गांव से कनखल अपने भक्तों के साथ आए और उन्होंने सती प्रथा के खिलाफ गंगा के पावन तट पर अलख जगाई। साधु-संतों और पंडों पुरोहितों को सती प्रथा को बंद करने के लिए प्रेरित किया और विधवा महिलाओं के सशक्तिकरण और पुनर्विवाह कराने का कार्य शुरू करवाया।

छुआछूत और जातिवाद की कुरीति को दूर करने के लिए गंगा के पावन तट पर एक कुआं खुदवाया, जिसका नाम रखा साझी-बावड़ी

500 साल पूर्व गुरु अमर दास ने हिंदू धर्म में प्रचलित सती प्रथा के खिलाफ सबसे पहले आवाज उठाई। सती प्रथा के खिलाफ लगातार आवाज उठाने के लिए उन्होंने कनखल का 22 बार भ्रमण किया। उन्होंने हिंदू धर्म में व्याप्त छुआछूत और जातिवाद की कुरीति को दूर करने के लिए गंगा के पावन तट पर एक कुआं खुदवाया, जिसका नाम रखा साझी-बावरी। यानी किसी भी जाति या धर्म का व्यक्ति इस कुएं से पीने के लिए पानी भर सकता था। गुरु अमरदास जब पहली बार तीर्थ नगरी कनखल में गंगा तट पर स्थित सतीघाट पहुंचे तो उनके पैर में एक तीर्थ पुरोहित ने पद्म का चिन्ह देखा और कहा कि वे एक महान सिद्ध साधक या महान चक्रवर्ती सम्राट बनेंगे।

तीर्थस्थल

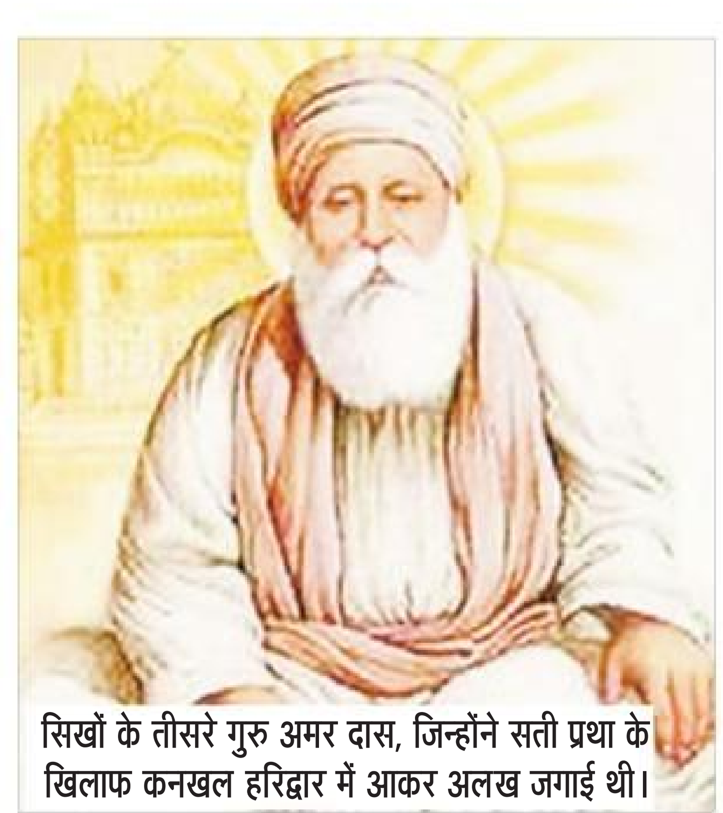

सिखों के तीसरे गुरु अमर दास, जिन्होंने सती प्रथा के खिलाफ कनखल हरिद्वार में आकर अलख जगाई थी।

गुरु अमरदास सती घाट कनखल में 21 बार गृहस्थ के रूप में तथा एक बार गुरु गद्दी प्राप्त होने के बाद गुरु के रूप में आए। उन्हें 73 साल की उम्र में 1552 में गुरु गद्दी प्राप्त हुई और वे 1574 तक 22 साल तक गुरु गद्दी पर विराजमान रहे। इस तरह हरिद्वार के तीर्थ पुरोहित की भविष्यवाणी सही साबित हुई और वे महान सिद्ध साधक और गुरु बने। 5 मई 1479 को अमृतसर में जन्मे गुरु अमरदास का 95 साल की उम्र में पंजाब के गोइंदवाल में 1574 में निधन हुआ। कनखल में सती घाट में गंगा के तट पर गुरु अमरदास जी की स्मृति में तप स्थान बना हुआ है।

उनके इस तप स्थान पर मंजी साहब की स्थापना की गई है। जहां पर बैठकर गुरु महाराज ने गंगा की साधना की थी। इस तप स्थान मंजी साहब में 22 गुंबद बनाए गए हैं, जिनमें पीतल के कलश चढ़ाए गए हैं। ये कलश और गुंबद गुरु अमरदास के गंगा के इस पावन तट पर 22 बार आने की स्मृति में बनाए गए हैं। उनके इस तप स्थान मंजी साहिब के पास निशान साहिब स्थापित है और श्री गुरुग्रंथ साहिब जी का प्रकाश भी कई सालों से इस स्थान पर हो रहा है। उनके प्रकाश पर्व के अवसर पर हर साल इस तप स्थान पर शब्द कीर्तन अखंड पाठ और लंगर का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जाता है।

सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह महाराज के निर्देश पर उनके शिष्य बाबा दरगाह सिंह महाराज ने इस स्थान की खोज की और इसका जीर्णोद्धार किया। इसलिए इस तप स्थान का पूरा नाम डेरा बाबा दरगाह सिंह तप स्थान पीजी पातशाही गुरु अमर दास है। जहां गुरुद्वारा भी स्थापित है। इस तप स्थान के मौजूदा महंत रंजय सिंह महाराज हैं। जिनकी शिक्षा-दीक्षा देहरादून के दून स्कूल और उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में हुई। वे विधि स्नातक हैं। महंत रंजय सिंह महाराज का कहना है कि गुरु अमरदास का यह तप स्थान भक्तों को हमेशा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और सामाजिक समरसता स्थापित करने की प्रेरणा देता है। इस तप स्थान के जीर्णोद्धार के लिए एक योजना बनाई गई है। जिसे जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा।

www.readwhere.com

‘फडणवीस की जल्दबाजी महाराष्ट्र में भाजपा को ले डूबी’

मुंबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सत्ता हासिल करने में जल्दबाजी और बचकानी टिप्पणियां महाराष्ट्र में भाजपा को ले डूबी और फडणवीस को विपक्ष में बैठना पड़ गया।

राउत ने शिवसेना के मुखपत्र ‘सामना’ में अपने ‘रोखठोक’ स्तंभ में दावा किया कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा सुप्रीमो शरद पवार और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ आने से महाराष्ट्र में जो हुआ वह देश को भी स्वीकार है।

बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, दिल्ली की तरह चल रहे भीड़ तंत्र के आगे नहीं झुका। ‘सामना’ के कार्यकारी संपादक राउत ने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि उद्धव ठाकरे शक्तिशाली मोदी-शाह के दबदबे को खत्म कर सत्ता में आए। उन्होंने भरोसा जताया कि यह सरकार (शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन) पांच साल तक चलेगी। राउत ने कहा, ‘मुझे यह देखकर मजा आ रहा है कि जो लोग अजित पवार के फडणवीस के साथ गठजोड़ को शरद पवार की पहले से तय योजना बता रहे थे, वे अब महा विकास

राउत ने कहा **शरद पवार आगे नहीं आते तो यह गठबंधन कभी नहीं हो पाता**

आघाडी सरकार बनने के बाद राकांपा प्रमुख के आगे नतमस्तक हो रहे हैं।’ राज्यसभा सदस्य ने कहा कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर फडणवीस ने इस तरह की बचकानी टिप्पणियां की कि राज्य में कोई विपक्षी दल नहीं बचेगा, शरद पवार का काल खत्म हो रहा है और प्रकाश आंबेडकर का वंचित बहुजन आघाडी मुख्य विपक्षी दल होगा।’ उन्होंने कहा, ‘लेकिन वह (फडणवीस) खुद विपक्षी नेता बन गए।’

उन्होंने कहा कि फडणवीस ने कहा था कि वह वापस लौटेंगे लेकिन सत्ता में आने की उनकी जल्दबाजी 80 घंटे के भीतर भाजपा को ले डूबी। उन्होंने कहा, ‘राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने एक बार मुझसे कहा था कि वह संविधान की रूपरेखा के इतर जाकर कुछ भी नहीं करेंगे। लेकिन बाद में उन्होंने जल्दबाजी में देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को शपथ दिला दी। ऐसा लगता है कि ‘आलाकमान’ से मिले आदेश ने बड़ी भूमिका निभाई।’ आलाकमान’ से उन्होंने केंद्र का अप्रत्यक्ष तौर पर जिक्र किया।

राउत ने कहा, ‘अगर शरद पवार आगे नहीं आते तो यह गठबंधन कभी नहीं हो पाता।’ उन्होंने कहा कि कांग्रेस में हर किसी को शिवसेना से हाथ मिलाने को लेकर संशय था। शरद पवार ने ही सोनिया गांधी से कहा कि शिवसेना संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे के पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ मित्रवत संबंध थे। राउत ने कहा कि शिवसेना ने देश में आपातकाल के बाद हुए राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था। शिवसेना ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रतिभा पाटिल और प्रणब मुखर्जी की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया था।

शिवसेना नेता ने कहा, ‘मुंबई में हिंदी भाषी समुदाय भी शिवसेना को वोट देता है इसलिए पार्टी शहर के नगर निकाय चुनाव जीतती आ रही है। शरद पवार ने यह भी सोनिया गांधी को बताया।’

राजनीतिक गुणाभाग योग्यता पर भारी पड़ा : फडणवीस

मुंबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरने के बावजूद सत्ता में नहीं आ सकी क्योंकि ‘राजनीतिक गुणाभाग योग्यता पर भारी पड़ा।’ चुनाव से पहले फडणवीस द्वारा दिए गए नारे ‘मैं वापस लौटूंगा’ पर तंज कसने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि उन्होंने ऐसा कहा, लेकिन इसके लिए समय देना भूल गए थे। उन्होंने कहा, ‘...आपको कुछ समय इंतजार करना होगा।’

फडणवीस राज्य विधानसभा में उनके विपक्ष का नेता बनने पर बधाई देने के लिए प्रस्ताव लाए जाने के बाद बोल रहे थे। प्रस्ताव मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा पेश किया गया, जिसका राकांपा के जयंत पाटील और कांग्रेस के विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात सहित अन्य दल के सदस्यों ने समर्थन किया। फडणवीस ने कहा, ‘भाजपा को जनादेश मिला क्योंकि हमारी पार्टी अकेली सबसे बड़ी पार्टी है। 21 अक्तूबर के विधानसभा चुनाव में हमारा स्ट्राइक रेट 70 फीसद का रहा लेकिन राजनीतिक गुणाभाग योग्यता पर भारी पड़ा। जिन्हें चुनावों में 40 फीसद अंक मिले उन्होंने सरकार बना ली।’ उन्होंने कहा, ‘हम इसे लोकतंत्र के हिस्से के तौर पर स्वीकार कर रहे

कहा **भाजपा को जनादेश मिला क्योंकि हमारी पार्टी अकेली सबसे बड़ी पार्टी है**

हैं।’ सदन में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित कई नेताओं ने चुनाव से पहले फडणवीस द्वारा दिए गए नारे ‘मैं वापस आऊंगा’ को लेकर उन पर कटाक्ष किया। इसके जवाब में फडणवीस ने कहा, ‘मैंने यह कहा था कि मैं वापस आऊंगा लेकिन मैं इसके लिए आपको समय देना भूल गया। यद्यपि मैं आपको एक चीज का भरोसा दे सकता हूं कि आपको कुछ समय इंतजार करने की जरूरत है।’ उन्होंने कहा, ‘मैंने न केवल पांच वर्षों में कई परियोजनाएं घोषित की बल्कि उन पर काम भी शुरू किया। ... मैं उनका उद्घाटन करने के लिए वापस आ सकता हूं।’ फडणवीस ने सदन को संवैधानिक एवं विधिक सीमा में काम करने का भरोसा भी दिया। उन्होंने कहा, ‘सरकार का विरोध मैं कुछ सिद्धांतों और बिना किसी निजी एजंडे के करूंगा।’

दंगल गर्ल बबीता ने पहलवान विवेक से रचाई शादी

भिवानी, 1 दिसंबर (भाषा)।

दंगल गर्ल बबीता फोगाट रविवार देर शाम आठ फेरे लेकर भारत केसरी पहलवान विवेक सुहाग के साथ शादी के बंधन में बंध गईं। दोनों ने सात फेरों की बजाय आठ फेरे लेकर ‘बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ’ का संदेश दिया।

बलाली गांव में बड़े ही साधारण तरीके से संपन्न हुए इस शादी समारोह में परिवार के अलावा कई विदेशी पहलवान भी मौजूद रहे। शादी समारोह को लेकर दोनों ही परिवारों में पिछले एक सप्ताह से तैयारियां जोरों पर थीं।

सीमा पर गोलाबारी, पाक सेना के दो अधिकारी घायल

जम्मू, 1 दिसंबर (भाषा)।

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा से लगे दो सेक्टरों में अग्रिम चौकियों और गांवों को निशाना बनाया जिसमें 65 वर्ष का एक आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, भारतीय सेना की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के दो अधिकारी घायल हो गए। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, ‘शाम करीब चार बजे पाकिस्तान की तरफ से बिना किसी उकसावे के शाहपुर और कस्बा सेक्टरों में छोटे हथियारों से गोलीबारी के साथ ही मोर्टार दागे गए।’ सूत्रों ने कहा कि भारतीय सेना ने भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की जिसमें पाकिस्तानी सेना के दो अधिकारी घायल हो गए।

कांग्रेस ने लोकपाल के ‘होटल कार्यालय’ के किराए पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत के लिए सर्वोच्च संस्था द्वारा अपने ‘होटल कार्यालय’ के लिए हर महीने 50 लाख रुपए किराए के तौर पर दिए जाने की खबर का संज्ञान लेते हुए कांग्रेस ने रविवार को हैरानी जताई कि यह ‘लोकपाल है या जोकपाल’ है।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, ‘लोकपाल या जोकपाल? होटल कार्यालय की लागत 50 लाख रुपए महीना! यह होटल सात महीनों से संस्था का कार्यालय है।’ विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि 31 अक्तूबर 2019 तक भ्रष्टाचार विरोधी निगरानीकर्ता को 1,116 शिकायतें मिलीं लेकिन किसी में भी प्रारंभिक जांच तक शुरू नहीं हुई।

सुरजेवाला ने एक मीडिया रिपोर्ट को भी टैग किया जिसमें दावा किया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में एक स्थायी कार्यालय के अभाव में लोकपाल सरकारी स्वामित्व वाले होटल अशोका में अपने कार्यालय के लिए 50 लाख रुपए का मासिक किराया चुकाता है।

कांग्रेस के पटोले बने विस अध्यक्ष

पेज 1 का बाकी

दिलीप वलसे पाटील ने नए अध्यक्ष के निर्वाचन का एलान किया। इसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और कुछ वरिष्ठ विधायक पटोले (57) को अध्यक्ष के पीठ तक ले गए। ठाकरे और भाजपा विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने विधायक और किसान नेता के तौर पर पटोले के काम की तारीफ की। राकांपा के मंत्री जयंत पाटील ने कहा कि वह अपना उम्मीदवार वापस लेने और पटोले के निर्विरोध चुनाव में विपक्षी दल भाजपा द्वारा दिखाई समझदारी की भावना की सराहना करते हैं। उद्धव सरकार में कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने कहा कि पहले विपक्ष ने भी उम्मीदवार खड़ा किया था, लेकिन हमारे अनुरोध और विधानसभा की शुचिता बनाए रखने के लिए उन्होंने नाम वापस ले लिया।

पटोले ने भाजपा के हरीभाऊ बागड़े का स्थान लिया, जो 2014 से 2019 के दौरान विधानसभा अध्यक्ष रहे थे। पटोले विदर्भ में साकोली विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। विदर्भ के भंडारा जिले में साकोली तहसील में 1962 में सरकारी अधिकारियों के परिवार में जन्मे पटोले ने नागपुर विश्वविद्यालय से 1987 में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के तौर पर राजनीति की शुरूआत की। वाणिज्य विषय में स्नातक करने के बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए और 1991 में भंडारा जिला परिषद के सदस्य बने। वह 1999 में पहली बार विधानसभा पहुंचे और 2004 तथा 2009 में भी राज्य विधानसभा चुनाव जीते। पटोले ने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा के टिकट पर 2014 का लोकसभा चुनाव जीते। उन्होंने दिसंबर 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फडणवीस से मतभेदों का हवाला देते हुए भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस में लौट आए। पटोले हाल के विधानसभा चुनाव में फडणवीस के करीबी सहायक और राज्य के मंत्री रहे परिणय फुके को हराकर साकोली विधानसभा सीट से चौथी बार जीते।

महाराष्ट्र विस में फडणवीस को विपक्ष के नेता का दर्जा

पेज 1 का बाकी

कहा कि विधानसभा में भाजपा को विपक्षी पार्टी का दर्जा दिया गया है और फडणवीस विपक्ष के नए नेता होंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और कुछ मंत्रियों ने फडणवीस को बधाई दी।

आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए आरबीआइ कर सकता है बड़ा ऐलान

नीतिगत दर में फिर कटौती की तैयारी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए नीतिगत दर में लगातार छठवीं बार कटौती कर सकता है। विशेषज्ञों ने यह बात कही।

विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट के कारण आर्थिक वृद्धि दर घटकर 4.5 फीसद पर आ गई है। यह आर्थिक वृद्धि का छह साल से अधिक का न्यूनतम आंकड़ा है। केंद्रीय बैंक 2019 में अब तक पांच बार नीतिगत दर में कटौती कर चुका है। सुस्त पड़ती वृद्धि को रफ्तार देने और वित्तीय प्रणाली में धन उपलब्धता की स्थिति को बढ़ाने के लिए नीतिगत दर में कुल मिलाकर 1.35 फीसद की कमी की गई है। इस समय रेपो दर 5.15 फीसद है। एक बैंकर ने बताया कि आरबीआइ गवर्नर ने पिछले दिनों कहा था कि जब तक आर्थिक वृद्धि में सुधार नहीं होता तब तक ब्याज दरों में कटौती की जाएगी। इससे इस

विनिर्माण गतिविधियों में **गिरावट के कारण आर्थिक वृद्धि दर घटकर 4.5 फीसद पर आ गई है**

बात की संभावना है कि तीन दिसंबर से शुरू होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर घटाई जा सकती है। आइएचएस मार्किट के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया प्रशांत) राजीव विश्वास ने कहा, आरबीआइ ने अक्तूबर में दरों में कटौती के साथ मौद्रिक नीति को उदार बनाए रखने का फैसला किया था। इस स्थिति में आर्थिक मोर्चे पर सुस्ती रहने बनी रहने से नीतिगत दर में कटौती की संभावना है। डेलॉए इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि मुद्रास्फीति नीचे बनी हुई है और अर्थव्यवस्था की क्षमता को देखते हुए इसके नीचे ही बने रहने की उम्मीद है। इसलिए आरबीआइ के पास नीतिगत दर में कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के मुख्य अर्थशास्त्री निखिल गुप्ता ने कहा, हमें आशंका है कि अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में बेहतर वृद्धि देखने को नहीं मिले। त्योहारी महीना होने के बावजूद प्रमुख सूचकांकों में अक्तूबर में गिरावट का रुख रहा। हमें लगता है कि आर्थिक वृद्धि दर तीसरी तिमाही में घटकर 4 फीसद के करीब आ सकती है।

स्थानीय लोगों को नौकरियों में 80 फीसद कोटा : राज्यपाल

पेज 1 का बाकी

ने यह घोषणा विधान भवन में विधायकों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए की। उन्होंने इस दौरान आने वाले वर्षों के लिए सरकार का व्यापक एजंडा पेश किया।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार आम लोगों को 10 रुपए में भोजन मुहैया कराएगी और राज्य के प्रत्येक जिले में सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल बनाएगी। स्थानीय युवाओं को नौकरियों में 80 फीसद आरक्षण देना, दस रुपए में भोजन मुहैया कराना और सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का निर्माण सत्तारूढ़ शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार के साझा न्यूनतम कार्यक्रम का हिस्सा है। कोश्यारी ने मराठी में अपने भाषण में कहा, ‘शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की महा विकास आघाडी गठबंधन सरकार बेरोजगारी को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति की सही तस्वीर पेश करेगी।

करतारपुर पर नापाक इरादा हुआ बेनकाब : अमरिंदर

पेज 1 का बाकी

जिसमें उन्होंने कहा था कि ‘गलियारा हमेशा भारत को नुकसान पहुंचाएगा।’ गलियारा खोले जाने को भारत की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बताए जाने पर सिंह ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ किसी भी तरह के दुस्साहस का प्रयास नहीं करने के लिए आगाह किया। पंजाब के मुख्यमंत्री ने बयान में कहा कि उन्होंने हमेशा कहा कि एक सिख होने के नाते गलियारा खोले जाने पर वह बहुत खुश हैं, लेकिन भारत के समक्ष खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

राशिद ने शनिवार को दावा किया कि ऐतिहासिक करतारपुर गलियारा शुरू करने का विचार सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का था और यह बात भारत को हमेशा आहत करती रहेगी। मंत्री का यह बयान उसकी सरकार के उस दावे के विपरीत है, जिसमें इस पहल को प्रधानमंत्री इमरान खान का विचार बताया गया था। सिंह ने कहा, ‘गलियारा खोले जाने में हमारी भलमनसाहत में कमजोरी देखने की भूल मत करो।’ उन्होंने चेताया कि भारत सीमा पर या अपने लोगों पर किसी भी तरह के पाकिस्तान की हरकत का करारा जवाब देगा।

छह और हवाईअड्डों के निजीकरण की सिफारिश

पेज 1 का बाकी

नागर विमानन मंत्रालय को सिफारिश भेज दी गई है।’ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण देशभर में 100 से ज्यादा हवाई अड्डों का परिचालन करता है। इस साल फरवरी में निजीकरण के पहले दौर में अडाणी समूह को सभी छह हवाई अड्डों के परिचालन का ठेका मिला था। एएआइ ने विजेता का चुनाव ‘मासिक प्रति यात्री शुल्क’ के आधार पर किया था। समूह को यह ठेका 50 साल तक के लिए मिला। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बर्दोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की बोली 160 रुपए ‘मासिक प्रति यात्री शुल्क’ की सबसे बड़ी बोली गौतम अडाणी के नेतृत्व वाली अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को उसके परिचालन का ठेका मिला। अडाणी समूह ने जो बोलियां लगाईं, वह अन्य बोली लगाने वालों की तुलना में अपेक्षाकृत काफी ज्यादा थीं। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी हवाई अड्डे अडाणी समूह को सौंप दिए जाएंगे। अडाणी समूह ने एक बयान में कहा, ‘हम इन हवाई अड्डों के लिए लगाई गई बोली को जीतने से खुश हैं।’ कंपनी ने कहा कि इन हवाई अड्डों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वह यहां बुनियादी संरचनाओं का स्तर बढ़ाएगी।

उपभोक्ताओं के लिए सस्ती कॉल व डेटा का दौर खत्म

पेज 1 का बाकी

दिया है। कंपनी की 82 दिन की वैधता वाले प्लान की दर 33.48 फीसद महंगी हो गई है। इसकी दर अब 448 रुपए से बढ़ाकर 598 रुपए कर दी गई है। इन दोनों प्लान की वैधता अब 82 दिन की जगह 84 दिन होगी। कंपनी ने 28 दिन की वैधता वाले विभिन्न प्लान की दरों में 14 रुपए से लेकर 79 रुपए तक की वृद्धि की है। रिलायंस जियो ने भी रविवार को मोबाइल सेवाओं की बढ़ी हुई दरों की रविवार को घोषणा की। जियो की नई दरें छह दिसंबर से प्रभावी होंगी और 40 फीसद तक महंगी होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह उपभोक्ता-प्रथम के अपने सिद्धांतों पर टिकी हुई है। कंपनी ने दावा किया है कि वह इस कारण शुल्क 40 फीसद तक बढ़ाने के साथ 300 फीसद तक अधिक फायदे भी देगी और भारतीय दूरसंचार उद्योग को टिकाउ बनाने रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

निजी क्षेत्र की इन तीन प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों ने शुल्क में वृद्धि ऐसे समय की है जब दूरसंचार क्षेत्र पर वित्तीय संकट मंडरा रहा है।

संघ प्रमुख के साथ मंच पर दिखे द्विवेदी

पेज 1 का बाकी

अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुआई वाली पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष बनने के बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि कई अन्य नेताओं की तरह द्विवेदी भी कांग्रेस में किसी अहम भूमिका में नजर आएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में अब उनके आरएसएस व भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करने पर सियासी अटकलों का दौर शुरू हो गया है। इस संबंध में पूछने पर कांग्रेसी नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कुछ कहने से परहेज किया। ज्यादातर ने यह कहकर इस मामले को तूल देने से बचने की कोशिश की कि यह एक धार्मिक कार्यक्रम था और यदि इसमें द्विवेदी ने शिरकत भी की तो इसे सियासी चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा कि कुरुक्षेत्र को दिव्य व भव्य कुरुक्षेत्र के रूप में अंतराष्ट्रीय स्तर पर विकसित किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में जीओ गीता द्वारा एक अनुसंधान केंद्र स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस साल 20 मार्च से 22 मार्च तक आस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि गीता विश्व धरोहर है और गीता दर्शन सदैव प्रासंगिक है। गीता सामान्य मानव जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है।

भोपाल, ग्वालियर, जोधपुर में महिलाएं करती हैं असुरक्षित महसूस

पेज 1 का बाकी

तौर पर बताया है जहां उत्पीड़न की काफी घटनाएं होती हैं। इसमें बताया गया है कि 26 फीसद महिलाओं ने कहा है कि वे सड़क किनारे यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं, जबकि 16 फीसद महिलाओं ने कहा कि उन्हें सार्वजनिक परिवहन का इंतजार करने के दौरान यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

अगले 8-10 दिन में करूंगी बड़ा फैसला’

पेज 1 का बाकी

पर उन्होंने महाराष्ट्र में एक बड़ी रैली बुलाई है और अपने समर्थकों को इस रैली में आने के लिए कहा है। पंकजा मुंडे ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान परली विधानसभा सीट से दावेदारी की थी। पंकजा मुंडे को इस चुनाव में अपने ही चचेरे भाई धनंजय मुंडे से हार का सामना करना पड़ा था। धनंजय मुंडे ने यहां राकांपा के टिकट पर दावेदारी की थी और उन्होंने पंकजा को 30 हजार से अधिक वोटों से चुनाव हराया था। परली सीट से पंकजा की दावेदारी का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने यहां पर रैली की थी।

गोपीनाथगढ़ बीड जिले में गोपीनाथ मुंडे का स्मारक है। पंकजा ने लिखा कि उन्होंने चुनाव में मिली हार स्वीकार कर ली है और वह आगे बढ़ गई हैं। इस पोस्ट के मद्देनजर महाराष्ट्र भाजपा प्रवक्ता शिरीष बोरलकर ने कहा, ‘मैंने पंकजा मुंडे की फेसबुक पोस्ट पढ़ी है। इस पोस्ट में कहीं नहीं लिखा है कि पंकजा भाजपा से नाखुश हैं। उन्होंने भाजपा की कोर समिति की बैठकों में भाग लिया। वह गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं, जिन्होंने राज्य में भाजपा के निर्माण में बड़ा योगदान दिया था।’

हिंदुत्व की विचारधारा नहीं छोड़ी : उद्धव

पेज 1 का बाकी

मेरे साथ हैं और मैं जिनके साथ था, वे लोग अब विपक्ष में हैं। मैं यहां अपने भाग्य और लोगों के आशीर्वाद से आया हूं। मैंने कभी किसी को नहीं बताया कि मैं यहां आऊंगा लेकिन मैं यहां आया।’ उन्होंने फडणवीस के चुनाव से पहले किए गए दावे ‘मी पुन्हा येईं’ (मैं वापस लौटूंगा) पर कटाक्ष किया। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कई मीम्स बनाए गए थे। फडणवीस को अपना मित्र बताते हुए ठाकरे ने कहा कि वह उन्हें विपक्षी नेता के रूप में नहीं देखते है।

उद्धव ने कहा कि अगर आप (देवेंद्र फडणवीस) हमारे लिए अच्छे होते तो भाजपा-शिवसेना में फूट की स्थिति नहीं पैदा होती। ठाकरे ने कहा, ‘मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होगा कि हम लंबे समय से अच्छे मित्र हैं। अगर आपने हमारी बात सुनी होती तो मैं घर पर बैठकर आज के घटनाक्रम को टीवी पर देख रहा होता।’

ठाकरे ने अपने बधाई संदेश में कहा, ‘मैंने कभी नहीं कहा कि कि मैं वापस लौटूंगा, लेकिन मैं इस सदन में आया।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सदन और महाराष्ट्र के लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि मैं कुछ भी आधी रात को नहीं करूंगा। मैं लोगों के हितों के लिए काम करूंगा।’ ठाकरे के इस कटाक्ष को फडणवीस और राकांपा प्रमुख अजित पवार के तीन नवंबर की सुबह जल्दबाजी में शपथ लिए जाने के संबंध में देखा जा रहा है।

किसानों की समस्याओं को कम करने की सदन से अपील करते हुए ठाकरे ने कहा, ‘इस सरकार का उद्देश्य न केवल किसानों का कर्जा माफ करना है बल्कि हमें उनकी परेशानियों को भी कम करने की जरूरत है।’ राकांपा नेता जयंत पाटील ने भी फडणवीस पर निशाना साधा। पाटील ने कहा, ‘उन्होंने (फडणवीस) कहा कि वह लौटेंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि वह (सदन) में कहां बैठेंगे।’ पाटिल ने कहा, ‘अब वह वापस लौट आए हैं और (विपक्ष के नेता) के शीर्ष पद पर है जो मुख्यमंत्री पद के समान है।’ राकांपा नेता ने विश्वास जताया कि फडणवीस ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार को हटाए जाने के किसी भी प्रयास का हिस्सा नहीं होंगे।

त्वरित अदालत में होगी बलात्कार व हत्या मामले की सुनवाई

पेज 1 का बाकी

में देरी के मामले में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। साइबराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनर ने बताया कि परिवार द्वारा पुलिस पर लगाए आरोपों की जांच करने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। परिवार ने अपनी शिकायत में कहा था कि पुलिस ने न्यायिक कारणों का हवाला देते हुए महिला के लापता होने पर समय रहते कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने बताया कि संपूर्ण जांच की गई, जिसके बाद उप निरीक्षक और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया। वहीं पुलिस आगे की जांच के लिए आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की तैयारी कर रही है।

तेलंगाना में एक जिला बार संघ ने रविवार को इस मामले के चारों आरोपियों की पैरवी नहीं करने का फैसला लिया। रंगा रेड्डी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मट्टापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि उन्होंने आरोपियों द्वारा किए जघन्य अपराध के खिलाफ नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी के तहत यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि वे ‘अमानवीय हमले की निंदा’ करने के लिए अदालत के मुख्य प्रवेश द्वार पर दो दिसंबर को प्रदर्शन करेंगे

तीन स्कूटी सवार किशोरों की खंभे से टकराकर मौत

पेज 1 का बाकी

की जा रही है। तीनों किशोर शनिवार की रात करीब 11.30 बजे मध्य दिल्ली के तुर्कमान गेट के पास एक शादी समारोह में गए थे। हादसा लौटते समय दिल्ली गेट खूनी दरवाजा के पास हुआ। तीनों किशोर फाटक तेलियान तुर्कमान गेट के रहने वाले थे। इनकी उम्र 15 से 17 साल के बीच की थी। तीनों आपस में रिश्तेदार थे।

उधर, परिजनों का आरोप है कि यह सिर्फ सड़क हादसा नहीं बल्कि कोई साजिश है। उनका यह भी आरोप है कि बिना हेलमेट तीनों किशोरों का कुछ पुलिस कर्मियों ने पीछा किया और इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गए। परिजनों का आरोप है कि अगर मध्य जिला पुलिस सच्चाई बयान कर रही है तो फिर वो घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज क्यों नहीं दिखा रही? फुटेज से सब साफ हो जाएगा।

घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक शोएब इकबाल और निगम पार्षद आले मोहम्मद घटनास्थल पर पहुंचे और इसे एक साजिश बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। उनका कहना था कि यह वीवीआइपी इलाका है और ऐसी जगह दुर्घटना होने के बाद पुलिस को फुटेज खंगालने में परेशानी क्यों हो रही है? उनका यह भी कहना था कि दुर्घटना स्थल पर जिस प्रकार बड़ी गाड़ी और बड़े टायर के निशान देखे जा रहे हैं उससे यह कयास लगाया जा रहा है कि स्कूटी को किसी गाड़ी ने टक्कर मारी है। दुर्घटना के बाद मध्य जिला पुलिस उपायुक्त मंदीप सिंह रंधावा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सभी बिंदुओं से मामले की जांच की जा रही है। रंधावा ने कहा कि रात के साढ़े ग्यारह बजे दुर्घटना की सूचना मिली थी। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो तीनों लड़के अस्पताल पहुंच चुके थे और उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि परिवार की ओर से जाहिर किए गए संदेह पर हमने फोरेंसिक और क्राइम टीम को भी मौके पर भेजा था जहां शुरुआती तौर पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उपायुक्त के मुताबिक हमने परिजनों को सच्चाई बता दी है। पुलिस की कोई गाड़ी या ट्रैफिक पुलिस का कोई भी व्यक्ति उस स्कूटी का पीछा नहीं कर रहा था। इसे साबित करने के लिए हमारे पास पर्याप्त साक्ष्य हैं। आसपास के सभी स्थलों के सीसीटीवी फुटेज से भी जांच में मदद ली जा रही है ताकि घटना के पीछे के वास्तविक सच का पता लगाया जा सके।

www.readwhere.com

खबर कोना

तेहरान में रविवार को ईरान के गृह मंत्रालय में आगामी चुनाव के लिए पंजीकरण कराते लोग। ईरान में फरवरी, 2020 में संसदीय चुनाव होंगे।

इस्लामाबाद के संग्रहालय में लगी बुद्ध की दुर्लभ मूर्ति

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (भाषा)।

इस्लामाबाद के संग्रहालय में भगवान बुद्ध के सिर की दुर्लभ मूर्ति लगाई गई है। सालों से वह उसके भंडार गृह में पड़ी थी। 'डॉन' की खबर के अनुसार तीसरी और चौथी शताब्दी ई. की यह मूर्ति पाकिस्तान में पहले इतालवी पुरातात्विक मिशन ने खोजी थी। यह 60 के दशक में खुदाई में मिली थी और आखिरी बार इसे 1997 में संग्रहालय में लगाया गया था। इस्लामाबाद संग्रहालय के निदेशक डॉक्टर अब्दुल गफूर लोन ने कहा, 'स्वात के पत्थर से बनी भगवान बुद्ध की यह मूर्ति अत्यधिक दुर्लभ है। स्वात घाटी मुख्य रूप से पत्थर की मूर्तियों के लिए मशहूर है।' उन्होंने बताया कि तक्षशिला और अफगानिस्तान में अक्सर भगवान बुद्ध की मूर्तियां पाई जाती हैं।

अमेरिका में विमान दुर्घटनाग्रस्त, नौ मरे

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (एएफपी)।

अमेरिका के साउथ डकोटा राज्य में विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से दो बच्चों समेत नौ व्यक्तियों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए हैं। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि यह हादसा शनिवार को तब हुआ जब शीतकालीन तूफान की चेतावनी दी गई थी। संघीय विमानन प्रशासन ने बताया कि एकल इंजन का टर्बोप्रोप विमान 'पिलाटस पीसी-12' चैम्बरलेन हवाईअड्डे से करीब एक मील दूर उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 12 लोग सवार थे। मृतकों में विमान का पायलट भी शामिल है।

आइएस ने लंदन हमले की जिम्मेदारी ली

लंदन, 1 दिसंबर (भाषा)।

ब्रिटेन के लंदन के एक पुल पर आतंकी हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली है। आइएस ने कहा कि ब्रिटेन में जन्मा हमलावर उसका लड़ाका था। हमलावर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अपने पुरखों के क्षेत्र में एक मदरसे की आड़ में आतंकी प्रशिक्षण शिविर स्थापित करना चाहता था।

उस्मान खान ने शुक्रवार को लंदन की सड़कों पर चाकू से हमला कर दिया था जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी और तीन अन्य जख्मी हुए थे। आइएस ने अपनी समाचार एजंसी अमाक ने टमटम और टेलीग्राम ऐप पर प्रकाशित पोस्ट के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली है। आइएस ने कहा, 'लंदन में हमले को अंजाम देने वाला व्यक्ति इस्लामिक स्टेट का लड़ाका था और उसने गठबंधन देशों के नागरिकों को निशाना बनाने की अपील की प्रतिक्रिया में यह हमला किया है।'

आतंकवादी (28) को पुलिस अधिकारियों ने गोली मारकर ढेर कर दिया था। उसके साथ स्कूल में पढ़ने वाले शख्स ने कहा कि उसने मध्य इंग्लैंड के स्टोक-ऑन-ट्रेंट में स्कूल बीच में ही छोड़ दिया था और इसके बाद उन्होंने उसे किशोर के तौर पर आइएस के झंडे के साथ प्रचार करते देखा था। उसका परिवार पीओके से यहां आने के बाद मध्य इंग्लैंड में ही बस गया था। स्कॉटलैंड यार्ड के आतंकवाद रोधी पुलिसिंग के प्रमुख सहायक आयुक्त नील बसु ने कहा, 'यह अहम है कि हम सबने आतंकवाद की खोखली विचारधारा को खारिज कर दिया है और सभी समुदाय यह सुनिश्चित करने के लिए साथ आए हैं कि जो लोग हमें बांटना चाहते हैं, वे कभी कामयाब नहीं होंगे।'

उन्होंने कहा कि एहतियाती उपाय के तहत, हमने समूचे लंदन में पुलिस की गश्त को बढ़ा दिया है। लोगों को सप्ताहांत पर पुलिसकर्मियों की अधिक मौजूदगी देखने को मिल सकती है। आतंकवाद के अपराध में खान की दोषसिद्धि से पता चलता है कि वह 'गंभीर जिहादी' था और 2012 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज, अमेरिकी दूतावास पर विस्फोट करने और लंदन के तत्कालीन मेयर बोरिस जॉनसन जैसे वीआइपी को निशाना बनाने की योजना के लिए जेल भेजे गए इस्लामी कट्टरपंथियों के नौ सदस्य समूह में सबसे कम उम्र का था।

हांगकांग हांगकांग में रविवार को प्रदर्शन करते लोकतंत्र समर्थक। हांगकांग में अधिक लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग को लेकर बीते छह महीने से प्रदर्शन जारी है।

न्यू आर्लियंस में गोलीबारी, 11 घायल

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (एएफपी)।

अमेरिका में न्यू आर्लीन्स के मुख्य पर्यटन केंद्र फ्रेंच क्वार्टर में रविवार तड़के हुई गोलीबारी में 11 लोग घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत गंभीर है। अमेरिकी पुलिस ने बताया कि गोलीबार रविवार तड़के तीन बजे हुई। इस गोलीबारी में किसी की मौत की खबर नहीं मिली है। पुलिस ने बताया कि शहर में सप्ताहांत में यहां एक फुटबॉल मैच होने के मद्देनजर अतिरिक्त गश्ती दल घटनास्थल पर थे, जिसके कारण पुलिस ने गोलीबारी पर तेजी से कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक शॉन फर्ग्यूसन ने संवाददाताओं से कहा, 'जहां गोलीबारी हुई, उस ब्लॉक में अधिकारी तैनात थे।' उन्होंने कहा, 'यहां बड़ी संख्या में लोगों के होने के कारण हम यह पता नहीं लगा पाए कि गोलीबारी किसने की। हमें नहीं पता कि यह शुरू कैसे हुई।' न्यू आर्लीन्स पुलिस विभाग ने ट्वीट किया कि इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है।

नौकरशाह पुरानी सोच बदलें : इमरान

लाहौर, 1 दिसंबर (भाषा)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने यह कहते हुए नौकरशाहों से अपनी 'पुरानी सोच बदलने' को कहा है कि नए पाकिस्तान में पुरानी व्यवस्था नहीं चलेगी।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' समाचार पत्र की खबर के अनुसार खान ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में सक्षम नौकरशाही की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नौकरशाहों को निर्देश दिया कि वे बिल्कुल गुण-दोष के आधार पर अपना काम करें। खान ने शनिवार को यहां नौकरशाहों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'हमें अपनी पुरानी सोच बदलनी होगी। नए पाकिस्तान में पुरानी व्यवस्था नहीं चलेगी।' उन्होंने नौकरशाही में भारी फेरबदल के एक दिन बाद यह बात कही। नौकरशाही में फेरबदल के तहत कम से कम 134 शीर्ष अधिकारियों को बदला गया था। खान ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शासन और विधि व्यवस्था में सुधार का आह्वान किया।

सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के सेवा विस्तार मामले में शीर्ष अदालत के फैसले पर खान ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश ने संक्षिप्त आदेश में उनकी सरकार की कानूनी टीम की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा, 'वह मामला अब सुलझ चुका है। मैं इस पर और कुछ नहीं बोलना चाहता।' प्रधान न्यायाधीश आसिफ सईद खोसा की अध्यक्षता वाले तीन न्यायाधीशों के पीठ ने गुरुवार को सेना प्रमुख जनरल बाजवा का कार्यकाल छह महीने बढ़ाने की अनुमति दे दी थी।

हांगकांग में प्रदर्शनकारी फिर से सड़कों पर

हांगकांग, 1 दिसंबर (एएफपी)।

हांगकांग में फिर से सड़कों पर उतरे लोकतंत्र समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच रविवार को झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और काली मिर्च के स्प्रे का छिड़काव किया।

जिला परिषद के चुनाव के दौरान एक हफ्ते तक हांगकांग में शांति रही। लोकतंत्र समर्थक उम्मीदवारों ने इन चुनाव में भारी जीत दर्ज की है। पिछले छह महीने से बड़ी संख्या में हांगकांग के लोग सड़कों पर उतर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चीन उनकी स्वतंत्रता को खत्म कर रहा है। यह प्रदर्शन अब लोकतंत्र समर्थन में तब्दील हो गया है। रविवार को मुख्य रैली तसीम शा तुसी में हुई। 20 वर्षीय युवक ने अपना उपनाम चेन बताते हुए कहा, 'सरकार हमारी अब भी नहीं सुन रही है। इसलिए प्रदर्शन चलेगा, यह रुकेगा नहीं।'

इराकी संसद ने प्रधानमंत्री का इस्तीफा स्वीकारा

बगदाद, 1 दिसंबर (एएफपी)।

इराक में पिछले दो महीने से जारी हिंसक अशांति के बीच संसद ने कैबिनेट का इस्तीफा रविवार को मंजूर कर लिया। इस हिंसा में 420 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है और इसको लेकर देशभर में हजारों लोगों ने शोक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों की मौत की संख्या बढ़ने के बाद इराक के प्रधानमंत्री आदेल अब्दुल महदी ने शुक्रवार को कहा था कि वह अपना इस्तीफा संसद को सौंप देंगे। प्रदर्शनकारी सत्तारूढ़ सदस्यों पर अयोग्य, भ्रष्ट और विदेशी शक्तियों के प्रति झुके होने का आरोप लगा रहे हैं।

प्रदर्शनों का केंद्र पहले बगदाद में स्थित था। उसके बाद यह शिया बहुल दक्षिण और उत्तरी क्षेत्रों और सुन्नी बहुल मोसुल शहर में फैल गया था। प्रदर्शनों में काले कपड़े पहने सैकड़ों छात्रों ने जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के लिए शोक मार्च निकाला। संसद का सत्र रविवार दोपहर में शुरू हुआ और कुछ ही मिनट में अब्दुल महदी का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। संविधान में उल्लेखित व्यवस्था के अनुसार उन्हें और पूरे कैबिनेट को एक 'कार्यवाहक सरकार' के तौर पर कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई। संसद के अध्यक्ष ने कहा कि वह अब राष्ट्रपति बरहम सालेह को नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने के लिए कहेंगे। इस बीच, संसद सत्र से पहले देश की राजधानी बगदाद में जारी हिंसा के बीच सुरक्षा बलों की गोली लगने से सरकार विरोधी एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई।

नए अति संवेदनशील सेंसर से पता चल सकता है विस्फोटकों व प्रदूषकों का : अध्ययन

मास्को, 1 दिसंबर (भाषा)।

शोधकर्ताओं ने काले सिलिकॉन पर आधारित अति संवेदनशील डिटेक्टर का ईजाद किया है जिससे चिकित्सा और फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए अधिकांश विस्फोटकों या बेहद जहरीले प्रदूषकों का पता लगाया जा सकता है।

यह अध्ययन 'एसीएस सेंसर्स' पत्रिका में प्रकाशित हुआ। इसमें यह बताया गया है कि नया यंत्र अधिकतर विस्फोटकों में इस्तेमाल होने वाले नाइट्रोएरोमेटिक अवयवों की अत्यधिक मात्रा में पहचान कर सकता है। रूस में फार ईस्टर्न फेडरल यूनिवर्सिटी (एफईएफयू) के शोधकर्ताओं ने कहा कि इस सेंसर को काले सिलिकॉन से बनाया गया है जो बेहद सूक्ष्म, विशिष्ट प्रकाशीय गुणों को दर्शाने वाली नैनोस्केल नुकीली सतह वाला है।

उन्होंने कहा कि यह सतह एक स्तर वाले जटिल प्रकाशीय कणों से ढकी होती है जिसे 'कार्बाजोल' कहते हैं। कार्बाजोल का यही स्तर यंत्र को व्यापक रूप से फैले नाइट्रोएरोमेटिक पदार्थों जैसे कि ट्राइनाइट्रोटॉल्युएंस (टीएनटी) विस्फोटक के प्रति संवेदनशील बनाता है। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि यह सेंसर बेंजेन, मिथेनॉल, इथेनॉल जैसे अन्य कणों की मौजूदगी में प्रतिक्रिया नहीं देता है।

एफईएफयू से अध्ययन के सह लेखक एलेक्जेंडर कुचमिझक ने कहा, 'नाइट्रोएरोमेटिक अवयव पेंट संयंत्र या सैन्य सुविधाओं के अपशिष्ट जल में पाए जा सकते हैं और ये पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक होते हैं।

प्याज प्याज के दाम बढ़ने के विरोध में जम्मू में रविवार को सस्ता प्याज बेचते शिवसेना कार्यकर्ता।

कृषि, होटल प्रबंधन और रियल एस्टेट पाठ्यक्रम में दूरस्थ शिक्षा की अनुमति नहीं : यूजीसी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दूरस्थ शिक्षा से होटल प्रबंधन और रियल एस्टेट जैसे पाठयक्रम कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में बताया गया है कि विभिन्न नियामक इकाइयों से मिली जानकारी के आधार पर कृषि, होटल प्रबंधन, पाक कला और रियल एस्टेट मूल्यांकन पाठ्यक्रमों को दूरस्थ शिक्षा में 2019-20 और उसके बाद से मान्यता नहीं दी जाएगी। आदेश में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अब तक मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) कार्यक्रम के तहत इस अवधि में जो दाखिला हो चुके हैं, उन्हें वह पाठ्यक्रम कार्यक्रम खत्म होने तक मान्यता मिलेगी।

यूजीसी के आदेश के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थान किसी ऐसे पेशेवर पाठ्यक्रम को शुरू या चला नहीं सकते हैं, जो संसद के विशेष अधिनिधियम के अंतर्गत संचालित है। सिवाय ऐसी स्थिति में जबकि इसके लिए नियत प्राधिकार से पूर्व और आवश्यक अनुमति नहीं ली गई हो। यूजीसी ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नियम को 2017 में अधिसूचित किया था और इसके तहत पेशेवर कार्यक्रम जैसे कि मेडिसिन, इंजीनियरिंग और वास्तुकला की पढ़ाई दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संभव नहीं है और बाद में इसमें कृषि, होटल प्रबंधन, पाक कला और रियल एस्टेट को भी शामिल कर दिया गया।

आरोपियों के परिजन सदमे में

हैदराबाद, 1 दिसंबर (भाषा)।

हैदराबाद बलात्कार व हत्या मामला

हैदराबाद में पशु चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के आरोपियों के परिजन सदमे में हैं। उनका कहना है कि उनके बच्चों को अपराध के अनुरूप सजा दी जानी चाहिए। तीन आरोपियों मोहम्मद उर्फ आरिफ, चेन्नाकेसावुलु और शिवा के परिवार के सदस्यों को देश को हिलाकर रख देने वाली इस घटना में अपने संबंधियों की कथित संलिप्तता के बारे में सुनकर धक्का लगा है।

चार आरोपियों में से एक चेन्नावाकेसावुलु की मां ने कहा, 'आपको जो सजा देनी है, उन्हें दो। मेरी भी एक बेटी है।' उन्होंने कहा कि आप उसे फांसी पर लटका दीजिए, जान से मार दीजिए या फिर गोली मार दीजिए, अगर मैं कहूं कि मेरा बेटा मुझे वापस ला दीजिए तो क्या आप मेरी सुनेंगे। क्या दूसरे लोग ये नहीं कहेंगे कि आपको (मां को) इतना दर्द है, तो क्या उस महिला को दर्द नहीं हुआ होगा, जिसे जला दिया गया। वह आरोपियों को फांसी पर लटकाए जाने की मांग के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब दे रही थीं।

अन्य आरोपी शिवा की मां ने भी कहा कि इस अपराध के लिये उसे उचित सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'आप कुछ भी कीजिए। केवल भगवान जानता है।'

आरोपी मोहम्मद के परिजनों ने कहा कि उनका बेटा रात (28 नवंबर) को घर आया और उन्हें बताया कि एक घटना हुई है। मोहम्मद की मां ने कहा, 'आप उसे जो चाहे (सजा) दें।' लॉरी का काम करने वाले 20 से 24 साल के चार आरोपियों को यहां पास ही में एक महिला से कथित रूप से बलात्कार और हत्या के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। शनिवार को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना को लेकर तेलंगाना में कई जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

जापान ने कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद जताई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।।

भारत के साथ अपनी पहली रक्षा और विदेश मंत्री स्तरीय वार्ता के एक दिन बाद रविवार को जापान ने उम्मीद जताई कि कश्मीर मुद्दे का एक शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाएगा। जापान के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी सरकार ने कश्मीर की स्थिति को बहुत ध्यान से देखा है और उसे इस मुद्दे पर लंबे समय से चल रहे मतभेदों के बारे में पता है। क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीइपी) में शामिल नहीं होने के भारत के फैसले पर प्रवक्ता ने कहा कि समूह के देश भारत की चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रहे थे जैसा कि पिछले महीने बैंकाक में हुई बैठक में तय किया गया था।

आतंकी ठिकाने से गोला-बारूद जब्त

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है और गोला-बारूद तथा अन्य सामग्री जब्त की हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि जब्त सामग्री में एक सैटेलाइट फोन भी शामिल है। सोपोर के राफियाबाद इलाके में ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ।

2030 तक भारत को एड्स मुक्त करने में काफी काम करना बाकी : हर्षवर्धन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने नैको की तारीफ करते हुए कहा कि इस संगठन की वजह से लोगों के बीच सही जानकारी पहुंची और गलत भ्रांतियों को हटाया गया है।

भारत ने एचआइवी और एड्स की लड़ाई में काफी लंबा रास्ता तय कर लिया है लेकिन 2030 तक देश को इस बिमारी से मुक्त करने के लिए अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है।

विश्व एड्स दिवस के मौके पर केदारनाथ साहनी सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि एचआइवी या एड्स से पीड़ित लोगों से मिलने या बातचीत करने में हमें अपने विचार, क्रिया और आचरण से भेदभाव को दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि एचआइवी/एड्स कम्युनिटी जैसी संबोधनों से हमें दूर होना होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (नैको) ने किया था।

मंत्री ने नैको की तारीफ करते हुए कहा कि इस संगठन की वजह से लोगों के बीच सही जानकारी पहुंची और गलत भ्रांतियों को हटाया गया है। इतना ही नहीं लोगों तक इस बीमारी के जांच और इलाज की सुविधाएं भी इसी संगठन की वजह से पहुंचीं। उन्होंने कहा कि नैको की वजह से ही हम अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच पाए। इस मौके पर हर्षवर्धन ने कई रेड रिब्बन क्लबों को पुरस्कृत किया। इन क्लबों ने समाज और युवाओं को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि करीब 1200 क्लबों देश भर में लोगों को संगठित करने का काम किया। मंत्री ने कहा कि 2030 तक भारत को एड्स महामारी से बचाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कई नए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2030 तक हमारा लक्ष्य 'तीन शून्य' है। इसके तहत एड्स के नए मामलों को शून्य करना, एड्स से मौतों को शून्य करना और भेदभाव को पूरी तरह से खत्म करना है। एड्स की निगरानी के लिए डिजिटल इंडिया का सहारा लिया जाएगा। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान नैको मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया।

प्रदर्शन हैदराबाद में बलात्कार कर जला कर मार दी गई पशु चिकित्सक के लिए रविवार को न्याय की मांग करते महिला व छात्र संगठन।

www.readwhere.com

शीर्ष आठ कंपनियों की बाजार हैसियत 52,194 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में व्यापक स्तर पर मजबूती की धारणा के बीच सूचकांक की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह कुल मिला कर 52,193.73 करोड़ रुपए बढ़ा।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) और एचडीएफसी की बाजार हैसियत में इस दौरान सर्वाधिक सुधार हुआ। आलोच्य सप्ताह के दौरान सूचकांक में कुल मिला कर 434.40 अंक यानी 1.07 फीसद का सुधार हुआ। इस दौरान टीसीएस और आइटीसी के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आइसीआइसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआइ और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई।

एसबीआइ का बाजार पूंजीकरण 11,334.26 करोड़ बढ़कर 3,05,087.85 करोड़ रुपए, एचडीएफसी का 10,492.7 करोड़ चढ़कर 3,96,791.39 करोड़ रुपए, आइसीआइसीआइ बैंक का 9,871.88 करोड़ सुधर कर 3,31,011.55 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक 8,818.24 करोड़ बढ़कर 3,08,420.75 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का 5,055.54 करोड़ मजबूत होकर 6,97,726.75 करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2,852.62 करोड़ की वृद्धि के साथ 9,83,140.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

आलोच्य सप्ताह के दौरान गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज पहली भारतीय कंपनी है जिसका बाजार पूंजीकरण कभी 10 लाख करोड़ रुपए के पार गया है। हालांकि शुक्रवार को कारोबार की समाप्ति तक कंपनी का बाजार पूंजीकरण 9,83,140.16 करोड़ रुपए पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,576.12 करोड़ बढ़कर 4,40,777.38 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का 1,192.37 करोड़ चढ़कर 2,96,367.29 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। जबकि टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 6,698.01 करोड़ कम होकर 7,70,252.01 करोड़ रुपए और आइटीसी का पूंजीकरण 1,557.16 करोड़ गिरकर 3,02,747 करोड़ रुपए पर आ गया।

बाजार पूंजीकरण के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आइसीआइसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआइ, आइटीसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

एमएमटीसी तुर्की से 11 हजार टन प्याज मंगाएगा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

सरकारी कंपनी एमएमटीसी ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत तुर्की से 11 हजार टन प्याज आयात करने का नया ठेका दिया है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। यह एमएमटीसी द्वारा प्याज के आयात के लिए दिया गया दूसरा ठेका है। कंपनी पहले ही मिस्र से 6,090 टन प्याज का आयात का आर्डर दे चुकी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने 1.2 लाख टन प्याज आयात करने की मंजूरी दी। देश के विभिन्न हिस्सों में प्याज की खुदरा कीमतें 75 से 120 रुपए किलो तक पहुंच जाने के बाद इसकी आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार ने इसके आयात सहित कई कदम उठाए हैं। प्याज निर्यात पर रोक लगाई जा चुकी है और थोक व खुदरा विक्रेताओं के लिए प्याज के भंडार की अधिकतम सीमा तय कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार एमएमटीसी ने तुर्की से 11 हजार टन प्याज मंगाने का करार किया है। इसके तहत अगले साल जनवरी से प्याज की खेप मिलने की शुरुआत की उम्मीद है। मिस्र से 6,090 टन प्याज इस महीने के दूसरे सप्ताह में मुंबई के जवाहर नेहरू पोर्ट टर्मिनल पर पहुंच सकता है। प्याज के भाव पर नियंत्रण के लिए गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई में मंत्रियों का एक समूह बनाया गया है। इसमें वित्त मंत्री, उपभोक्ता मामलों के मंत्री, कृषि मंत्री और सड़क परिवहन मंत्री भी रखे गए हैं।

जीएसटी संग्रह नवंबर में छह फीसद बढ़कर 1.03 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

माल व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने तीन महीने के बाद नवंबर में फिर एक लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार किया। नवंबर में जीएसटी संग्रह एक साल पहले इसी माह की तुलना में छह फीसद बढ़कर 1.03 लाख करोड़ रुपए रहा। इससे पहले अक्तूबर में जीएसटी संग्रह 95,380 करोड़ रुपए था। पिछले साल नवंबर में 97,637 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी। इससे पहले सितंबर और अक्तूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर गिरावट आई थी।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि नवंबर में जीएसटी संग्रह के आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोग में सुधार हो रहा है और अनुपालन बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिना हस्तक्षेप कर वसूली के तरीकों से कर अनुपालन सुधारने में मदद मिली है। एक सरकारी बयान के अनुसार इस बार नवंबर में केंद्रीय जीएसटी से वसूली 19,592 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 27,144 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी से 49,028 करोड़ रुपए और जीएसटी उपकर से वसूली 7,727 करोड़ रुपए रही। एकीकृत जीएसटी में से 20,948 करोड़ रुपए आयात से वसूल हुए। इसी तरह उपकर की वसूली में 869 करोड़ रुपए आयातित माल से प्राप्त हुए।

बयान में कहा गया कि नवंबर में घरेलू लेन-देन पर जीएसटी संग्रह में 12 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। यह इस साल जीएसटी राजस्व में सबसे अच्छी मासिक वृद्धि है। बयान के अनुसार जीएसटी व्यवस्था की शुरुआत के बाद नवंबर 2019 में तीसरा सर्वाधिक कर संग्रह हुआ है। इससे अधिक जीएसटी संग्रह सिर्फ इस साल के मार्च और अप्रैल महीने में हुआ था। यह आठवां महीना है, जब जीएसटी का मासिक संग्रह एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। बयान में कहा गया कि आयात पर जीएसटी संग्रह में नवंबर में 13 फीसद की गिरावट रही। अक्तूबर में आयात से होने वाले जीएसटी संग्रह में 20 फीसद की गिरावट आई थी।

अक्तूबर महीने के लिए 30 नवंबर तक 77.83 लाख जीएसटीआर3बी रिटर्न (व्यापारी द्वारा प्रस्तुत क्रय-विक्रय के स्वघोषित विवरण) दायर किए गए। सरकार ने नियमित समायोजन के तहत एकीकृत जीएसटी से केंद्रीय जीएसटी में 25,150 करोड़ रुपए और राज्य जीएसटी में 17,431 करोड़ रुपए समायोजित किए। नियमित समायोजन के बाद नवंबर में कुल राजस्व संग्रह केंद्रीय जीएसटी के लिए 44,742 करोड़ और राज्य जीएसटी के लिए 44,576 करोड़ रुपए रहा।

डिलॉयट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा कि कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह सुस्त रहने के बाद नवंबर के त्योहारी माह में इसके एक लाख करोड़ रुपए को पार कर जाने से बाजार के प्रति धारणा मजबूत हुई है।

नवंबर में वाहन क्षेत्र में नरमी, बिक्री घटी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

नवंबर महीने में भी वाहन क्षेत्र में नरमी जारी रही। इस दौरान वाहनों की बिक्री में 1.9 फीसद से 50 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई है। एकमात्र वाहन कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लिमिडेट की बिक्री नवंबर में 7.2 फीसद बढ़ी।

मारुति सुजुकी इंडिया की बिक्री नवंबर में 1.9 फीसद गिरकर 1,50,630 इकाइयों पर आ गई। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि पिछले साल नवंबर में उसने 1,53,539 इकाइयों की बिक्री की थी। कंपनी ने कहा कि आलोच्य माह के दौरान उसकी घरेलू बिक्री पिछले साल की 1,46,018 इकाइयों की तुलना में 1.6 फीसद गिरकर इस साल 1,43,686 इकाइयों पर आ गई।

इस दौरान आल्टो और वैगनआर समेत मिनी श्रेणी के वाहनों की बिक्री 29,954 इकाइयों से 12.2 फीसद कम होकर 26,306 इकाइयों पर आ गई। लेकिन स्विफ्ट, सलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर समेत कॉम्पैक्ट श्रेणी की बिक्री 7.6 फीसद बढ़कर 78,013 इकाइयों पर पहुंच गई। सेडान वाहन सिआज की बिक्री इस दौरान 3,838 इकाइयों से गिरकर 1,448 इकाइयों पर आ गई। विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा समेत यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 1.3 फीसद गिरकर 23,204 इकाइयों पर आ गई। आलोच्य महीने के दौरान निर्यात भी 7.7 फीसद गिरकर 6,944 इकाइयों पर आ गया।

टाटा मोटर्स के वाहनों की कुल बिक्री नवंबर में 25.32 फीसद गिरकर 41,124 इकाइयों पर आ गई। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने पिछले साल नवंबर में 55,074 इकाइयों की बिक्री की थी। इस दौरान टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री पिछले साल की 50,470 इकाइयों की तुलना में 25 फीसद गिरकर 38,057 इकाइयों पर आ गई। यात्री वाहनों की बिक्री भी 39 फीसद गिरकर इस 10,400 इकाइयों पर आ गई। पिछले साल नवंबर में कंपनी ने 16,982 यात्री वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी पिछले साल की 37,957 इकाइयों से 19 फीसद गिरकर 30,588 इकाइयों पर आ गई।

होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड की घरेलू बिक्री 50.33 फीसद गिरकर 6,459 इकाइयों पर आ गई। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने पिछले साल नवंबर में घरेलू बाजार में 13,006 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व निदेशक (बिक्री व विपणन) राजेश गोयल ने कहा कि इस महीने की हमारी जो योजना थी, हमारी बिक्री उससे बेहतर रही है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री नवंबर में नौ फीसद गिरकर 41,235 इकाइयों पर आ गई। एक साल पहले के इसी महीने उसने 45,101 इकाइयों की बिक्री की थी। आलोच्य महीने में कंपनी का निर्यात भी 26 फीसद घटकर 2,621 इकाइयों पर रहा। एक साल पहले इसी महीने में उसने 3,537 वाहनों का निर्यात किया था। यात्री वाहन श्रेणी की बिक्री 10 फीसद गिरकर 14,637 इकाइयों पर रही। नवंबर 2018 में यह आंकड़ा 16,188 इकाई था। इस श्रेणी में कार, वैन और यूटिलिटी वाहन शामिल हैं। कंपनी के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री नवंबर में 12 फीसद गिरकर 17,384 इकाई रही। नवंबर 2018 में यह आंकड़ा 19,673 इकाई था। महिंद्रा की कुल ट्रैक्टर बिक्री भी नवंबर 2019 में गिरकर 21,032 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने उसने 25,949 ट्रैक्टर की बिक्री की थी। उसकी घरेलू बाजार में बिक्री नवंबर में 20,414 इकाइयों पर रही, जो एक साल पहले इसी महीने 25,159 इकाइयों पर थी। इस दौरान उसका निर्यात 618 इकाई पर रहा।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिडेट की कुल बिक्री नवंबर में 7.2 फीसद बढ़कर 60,500 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने उसने 56,411 वाहनों की बिक्री की थी। हुंदै मोटर ने रविवार को बयान में कहा कि नवंबर में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री दो फीसद बढ़कर 44,600 इकाई रही जबकि नवंबर 2018 में कंपनी 43,709 गाड़ियां बेची थीं। इस दौरान निर्यात 25.2 फीसद बढ़कर 15,900 इकाई रहा। एक साल पहले नवंबर में उसने 12,702 वाहनों का निर्यात किया था।

व्यक्तिगत दिवाला प्रक्रिया कुछ नया सीखने की शुरुआत : साहू

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

व्यक्तिगत दिवाला प्रक्रिया की व्यवस्था कुछ नया सीखने की शुरुआत होगी और दिवाला प्रक्रिया में सुधार की दिशा में अगली बड़ी चीज होगी।

दिवाला व ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आइबीसी) के तहत कॉरपोरेट बकाएदारों की व्यक्तिगत गारंटी देने वालों के लिए दिवाला प्रक्रिया की व्यवस्था एक दिसंबर से लागू हो गई है। भारतीय ऋणशोधन व दिवालिया बोर्ड (आइबीबीआइ) के चेयरमैन एमएस साहू ने जोर दिया कि व्यक्तिगत गारंटरों की दिवाला समाधान प्रक्रिया कॉरपोरेट बकाएदार की दिवाला समाधान की पूरक है।

साहू ने एक बातचीत में कहा कि व्यक्तिगत दिवाला प्रक्रिया दिवाला कानून में सुधार में अगली बड़ी चीज है। यह कुछ नया सीखने की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में हमने कंपनी दिवाला प्रक्रिया के बारे में सीखा है और अगले तीन साल हम व्यक्तिगत दिवाला प्रक्रिया की व्यवस्था के बारे में सीखने में लगाएंगे। दिवाला व ऋणशोधन अक्षमता संहिता दिसंबर 2016 से लागू हुआ था।

आइबीबीआइ प्रमुख ने कहा कि हम पार्टनरशिप और प्रोपराइटरशिप फर्मों और अन्य व्यक्तिगत की दिवाला प्रक्रिया पर चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। साहू ने कहा कि कई मौकों पर एक बकाएदार कंपनी कर्ज लेने के लिए किसी अन्य कॉरपोरेट व्यक्ति या फिर व्यक्ति से गारंटी लेता है। इस व्यवस्था से कर्ज के भुगतान में चूक होने पर ऋणदाता गारंटी लेने वाले या कॉरपोरेट बकाएदार के खिलाफ कदम उठा सकता है।

सोमा रॉय बर्मन होंगी नई महालेखा नियंत्रक

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

सरकार ने 1986 बैच की भारतीय सिविल लेखा सेवा अधिकारी सोमा रॉय बर्मन को नया महालेखा नियंत्रक नियुक्त किया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में इसकी जानकारी दी। बर्मन 24वीं महालेखा नियंत्रक हैं और इस पद पर पहुंचने वाली सातवीं महिला हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने बर्मन को महालेखा नियंत्रक नियुक्त किया है। नियुक्ति 1 दिसंबर, 2019 से प्रभावी है। बर्मन ने 33 साल के करिअर में गृह मंत्रालय, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और नौवहन, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय में विभिन्न पदों पर काम किया है। इससे पहले बर्मन अतिरिक्त महालेखा नियंत्रक के पद पर थीं।

एफपीआइ ने नवंबर में की 22,872 करोड़ की लिवाली

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

अमेरिका और चीन में व्यापार समझौते की उम्मीद और केंद्र सरकार के विनिवेश तेज करने के संकेतों के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने नवंबर में घरेलू पूंजी बाजार में 22,872 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआइ शुद्ध लिवाल रहे हैं।

डिपोजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआइ ने एक नवंबर से 29 नवंबर के दौरान ऋणपत्रों से 2,358.2 करोड़ निकाले, जबकि इक्विटी में उन्होंने 25,230 करोड़ का निवेश किया। इस तरह वे 22,871.8 करोड़ रुपए के शुद्ध खरीदार रहे। एफपीआइ ने घरेलू पूंजी बाजार में अक्तूबर में 16,037.6 करोड़ और सितंबर में 6,557.8 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था।

सैमको सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख उमेश मेहता ने कहा कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद, सरकार द्वारा विनिवेश तेज करने समेत राहत के उपायों के संकेत और कबाड़ बनाने की नीति के अनुमान के कारण नवंबर में एफपीआइ शुद्ध खरीदार रहे हैं।

आर्थिक और वाहन बिक्री आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि संबंधी पीएमआइ सर्वे रपट, रिजर्व बैंक के नीतिगत फैसलों, वाहन बिक्री के आंकड़ों और हांगकांग को लेकर चीन व अमेरिका के संबंधों में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होगी।

विश्लेषकों ने यह राय प्रकट की है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार की चाल नवंबर महीने में वाहनों की बिक्री के आंकड़ों और रिजर्व बैंक की नीतिगत बैठक से तय होगी। उनके अनुसार बाजार में उत्साह का अभाव दिख सकता है। सैमको सिक्योरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिमीत मोदी ने कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों पर फैसला लेने के लिए इस सप्ताह बैठक करेगी। इस सप्ताह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के खरीद प्रबंध सूचकांक (पीएमआइ) आंकड़े भी आने वाले हैं। शेयर बाजारों पर इनका भी असर देखने को मिल सकता है।

सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर गिरकर 4.5 फीसद आ जाने की प्रतिक्रिया सोमवार को शेयर बाजार में देखने को मिल सकती है। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद हो जाने के बाद जारी हुए थे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि सोमवार को शुरुआती कारोबार में बाजार जीडीपी आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। हांगकांग को लेकर अमेरिका और चीन के बीच जारी विवाद से वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल रह सकती है।

येस सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख (संस्थागत इक्विटी) अमर अंबानी ने कहा कि सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़े हमारे अनुमान के अनुसार ही रहे हैं। सोमवार को भले ही इसका असर शेयर बाजारों में देखने को मिले लेकिन मध्यम अवधि में बाजार की दिशा पर इसका असर नहीं होगा। ट्रेडिंगबेल्स के सह-संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित गुप्ता ने कहा कि इस सप्ताह रिजर्व बैंक की नीतिगत बैठक है। इसके अलावा वाहनों की बिक्री और वैश्विक संकेत बाजार को प्रभावित करेंगे।

लद्दाख में वाहनों के लिए नया पंजीयन टैग 'एलए' होगा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)

लद्दाख में वाहनों के पंजीयन के लिए सरकार ने नए पंजीयन टैग 'एलए' की शुरुआत की है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की एक राजपत्रित अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम 1988 में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए तत्कालीन भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा 12 जून, 1989 को प्रकाशित अधिसूचना एसओ-444(ई) में संशोधन किया है।

इसके तहत क्रम संख्या 17 में बदलाव लाते हुए इसमें 17ए के तहत लद्दाख एलए को जोड़ा गया है। सरकार ने पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नाम से दो नए केंद्र शासित प्रदेश का गठन किया है। लद्दाख में कारगिल और लेह दो जिले हैं और यह अब दूसरा सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश है।

उद्योग संगठन सीआइआइ और फिक्की ने की दूरसंचार क्षेत्र को राहत देने की मांग

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

दूरसंचार कंपनियों के समायोजित सकल राजस्व को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस क्षेत्र की वित्तीय स्थिति को लेकर परस्पर विरोधी तर्क-वितर्क के बीच उद्योग मंडल सीआइआइ और फिक्की ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस क्षेत्र के लिए राहत की मांग की है।

न्यायालय ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) पर केंद्र की बात को सही करार देते हुए कंपनियों को आदेश दिया है कि वे उसके आधार पर सरकार को पुराना सांविधिक बकाया चुकाएं जो करीब 1.47 लाख करोड़ बनता है।

> उन्होंने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र की कुछ बड़ी कंपनियों की खराब स्थिति और उन पर सात लाख करोड़ रुपए के अनुमानित भारी-भरकम कर्ज से इन कंपनियों के अस्तित्व के लिए चुनौती पैदा हो

सीआइआइ के अध्यक्ष विक्रम किर्लोस्कर ने 19 नवंबर को वित्त मंत्री को लिखे पत्र में राजस्व साझा करने की मौजूदा व्यवस्था पर पुनर्विचार कर इसकी जगह प्रतिस्पर्धी व पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र की कुछ बड़ी कंपनियों की खराब स्थिति और उनके ऊपर सात लाख करोड़ रुपए के अनुमानित भारी-भरकम कर्ज से इन कंपनियों के अस्तित्व के लिए चुनौती उपस्थित हो रही है। राष्ट्रीय महत्त्व के इस क्षेत्र की जीवंतता के लिए इसकी मदद जरूरी है।

फिक्की के अध्यक्ष संदीप सोमानी ने भी वित्त मंत्री को 27 नवंबर को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि एजीआर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से न केवल दूरसंचार क्षेत्र धराशायी हुआ है बल्कि इसका बिजली, इस्पात और रेलवे समेत दूसरे क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने दूरसंचार क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर वित्त मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया।

उद्योग मंडल सीआइआइ और फिक्की का यह रुख दूरसंचार क्षेत्र की नई कंपनी जियो के नजरिए से भिन्न है। उद्यमी मुकेश अंबानी के नेतृत्व में तेजी से फैली रिलायंस जियो का कहना है कि इस क्षेत्र की कंपनियों को सरकार की ओर से राहत की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि कंपनियों के पास पुराने बकाए चुकाने की पर्याप्त क्षमता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 अक्तूबर, 2019 को दूरसंचार राजस्व आकलन के सरकार के तरीके को सही माना। इसके तहत लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्कों की गणना की जाती है। इस आदेश के तहत शुरुआती अनुमान के अनुसार एअरटेल, वोडाफोन आइडिया और अन्य दूरसंचार परिचालकों को सरकार को तीन महीने के भीतर 1.33 लाख करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ सकता है।

इंडियन बैंक Indian Bank
आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK
डिजिटल बैंकिंग प्रभाग, कॉर्पोरेट कार्यालय, नं. 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै, रायपेट्टा, चेन्नै - 600 014.
इंडियन बैंक, जो एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्रक बैंक है, ओपेक्स मॉडल के तहत एटीएम और बीएनए के लिए वन टाइम कॉम्बिनेशन लॉक मैनेजमेंट सर्विसेज के कार्यान्वयन हेतु सेवा प्रदाताओं के चयन में अभिरुचि रखता है। विवरण के लिए इच्छुक पार्टियां बैंक की वेबसाइट www.indianbank.in/tenders का संदर्भ लें।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
ई-निविदा सूचना
अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एसएम (इंजी.-इलेक्ट) की ओर से आरएचक्यू, ईआर कार्य के लिए आइटम दर ई-टेंडर आमंत्रित किया है।
1) "जे.पी.एन.आई. एयरपोर्ट, पटना में रनवे 25 की शुरुआत में कैट-आई बैरेट टाइप अप्रोच लाइटिंग सिस्टम की व्यवस्था का प्रावधान। "अनुमानित लागत: रु. 3,48,02,145.00 (जीएसटी को छोड़कर)।" निविदा आईडी: "2019_AAI_36849_1"। बोली जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 12.12.2019 से 18:00 बजे तक।
निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट www.aai.aero. या http://etenders.gov.in/eprocure/app इस संबंध में आगे स्पष्टीकरण/शुद्धिपत्र यदि कोई होगा तो केवल इस https://etenders.gov.in/eprocure/app पर अपलोड किया जाएगा।

प्रपत्र सं. आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]
एक राज्य से दूसरे राज्य में कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के परिवर्तन के लिये समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए विज्ञापन केन्द्र सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उप-धारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के उप-नियम (5) के क्लॉज (ए) के मामले में
तथा
गोल्ड कॉइन मैरिट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय : डी-109/110, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020 में है, के मामले में
आवेदक
एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "महाराष्ट्र राज्य" में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए शुक्रवार, 20 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी केन्द्र सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कम्पनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक के पते, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें :
गोल्ड कॉइन मैरिट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय : डी-109/110, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020 में है
आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से गोल्ड कॉइन मैरिट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता./-
धर्मेश निरंजन ठाकर (निदेशक)
DIN : 06966006
पता : बिल्डिंग बी/3, फ्लैट नं. 13, कृष्णा केवल, कोन्ढवा, डोमिनोज पिज्जा के पीछे, कोन्ढवा, पुणे-411048
तिथि : 30.11.2019
स्थान : दिल्ली

MGM REALTORS PRIVATE LIMITED
CIN: U45200DL2008PTC181473
Regd. Off.: 108, First Floor Madangir Village New Delhi, DL-110062
E-mail: mgmrealtor12@gmail.com; Website: www.mgmrealtor.com
POSTPONEMENT OF BOARD MEETING
Pursuant to provision of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, notice is hereby given that due to unavoidable circumstances the meeting of Board of Directors of the Company which was re-scheduled to be held on November 30, 2019 i.e. today is now postponed and re-scheduled to be held on Monday, December 02, 2019, inter alia, to consider and approve un-audited financial results of the Company for the Half Year ended on September 30, 2019.
The said Notice may be accessed on the Company's website at http://www.mgmrealtor.com and the website of BSE at http://www.bseindia.com.
For MGM Realtors Private Limited
Sd/-
SHIV SHANKAR SAH
CHIEF FINANCIAL OFFICER
Place: New Delhi
Date: 30.11.2019

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !
सामान्य सेवाएँ प्रशासन प्रभाग
प्रधान कार्यालय, प्लॉट सं. 4, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075
ई-मेल : hoinsurance@pnb.co.in
सामूहिक निजी दुर्घटना बीमा पॉलिसी (बेनाम आधार पर) के नवीकरण हेतु बोलियाँ प्रेषितन करने के लिए सूचना
पंजाब नैशनल बैंक आरएफपी में उल्लेखित विवरणों के अनुसार सामान्य बीमा कंपनियों से सामूहिक निजी दुर्घटना बीमा पॉलिसी (बेनाम आधार पर) के नवीकरण पर सीलबंध बोलियाँ आमंत्रित करता है।
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Tender.aspx पर जाएं। पात्र कंपनियां अपनी बोलियाँ 10.12.2019 को अप. 3:00 बजे तक या इससे पहले उप महाप्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, सामान्य सेवाएँ प्रशासन प्रभाग, प्रधान कार्यालय, प्लॉट सं. 4, सेक्टर – 10, द्वारका, नई दिल्ली – 110075 को प्रेषित करें।
प्राधिकृत अधिकारी
एस के मोंगा, मुख्य प्रबंधक
98166 10262

पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी)
Power System Operation Corporation Limited
(A wholly owned Government of India Company)
पंजीकृत कार्यालय, बी-9, पहली मंजिल, कुतब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
दिल्ली में स्थित एनएलडीसी और सीसी पोसोको कार्यालय (यों) में कार्यालय कार्य में सहयोग, डेटा एंट्री जैसी विभिन्न सेवाएं एवं अन्य सम्बद्ध सेवाएं प्रदान करने के लिए एजेंसी को नियुक्त करने हेतु निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी)
निविदा सं.: 22/2019
(एकल स्तरीय दो लिफाफा निविदा प्रक्रिया) (ई-प्रोक्योरमेंट) दिनांक: 02.12.2019
पोसोको उक्त पैकेज के लिए दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में अवस्थित एजेंसियों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है। निविदा दस्तावेज दिनांक 03.12.2019 को शाम 6.00 बजे (भा.मा.स.) से 02.01.2020 को दोपहर 2.00 बजे (भा.मा.स.) तक उपलब्ध है तथा मुफ्त में ई-पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाउनलोड किया जा सकेगा। निविदाएँ दिनांक 02.01.2020 को दोपहर 3.00 बजे (भा.मा.स.) तक अपलोड करनी होंगी। पहला लिफाफा 03.01.2020 को दोपहर 3.00 बजे (भा.मा.स.) ऑनलाइन खोला जाएगा। अग्रधन राशि/निविदा प्रतिभूति की हार्ड प्रति एक सीलबंद लिफाफे में निम्नलिखित पते पर पहला लिफाफा खोले जाने की निर्धारित तारीख एवं समय के अंदर अवश्य जमा कर देना होगा। विस्तृत योग्यता मापदण्ड एवं मूल्यांकन मापदण्ड निविदा दस्तावेज में दिए गए हैं।
केवल संदर्भ के लिए सम्पूर्ण दस्तावेज हमारी वेबसाइट http://www.posoco.in पर भी उपलब्ध है। भावी निविदादाताओं द्वारा पोसोको की वेबसाइट से तथा पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाउनलोड किए गए दस्तावेज के बीच कोई भी फर्क पाए जाने के मामले में, पोर्टल से डाउनलोड किया गया दस्तावेज ही मान्य होगा।
तत्पश्चात विवरण सहित निविदा दस्तावेज में परिवर्धन/परिवर्तन, यदि कोई हो, के लिए कृपया ई-पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app देखें एवं उक्त के सम्बन्ध में किसी भी अद्यतन जानकारी को सिर्फ उपर्युक्त पोर्टल पर ही डाला जाएगा। इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे निविदा जमा करते समय सभी अद्यतन जानकारियों पर अवश्य विचार कर लें।
सभी पत्राचार/संचार इस पते पर करना होगा: जीएम (सी एंड एम), पोसोको, 61, आईएफसीआई टावर, 7वीं, 8वीं एवं 9वीं मंजिल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
ई-मेल: nl.jain@posoco.in; abhineet@posoco.in

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !
शाखा: सम्भल, आर्य समाज रोड; सर्किल कार्यालय: मोरादाबाद (उ.प्र.)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति/ चल सम्पत्ति के लिये)
कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित धारा 13 (4) तथा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना नीचे तालिका में वर्णित तिथि को जारी कर ऋणधारकों को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।
ऋणधारक एवं गारन्टर्स इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक एवं गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित तिथि को उक्त नियमावली के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।
विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय नीचे वर्णित राशि तथा उस पर ब्याज के लिये पंजाब नेशनल बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक/ गारन्टर का नाम	खाता नम्बर	बकाया राशि (आगे का ब्याज, लागत, अतिरिक्त चार्जेज	मांग सूचना तिथि/ कब्जा की तिथि
1. मै. गोल्डनगेट फूड प्रॉडक्ट्स, द्वारा उसके पार्टनर्सः i) श्री एबाद उर रहमान ii) अहसान उर रहमान, पुत्र सैद उर रहमान	खाता नं.: 0893008700009550	31.3.2019 को रु. 6577256.06	30.4.2019/ 28.11.2019
	खाता नं.: 089300JH20001731	31.3.2019 को रु. 5125534.50	
श्री अहसान उर रहमान, पुत्र सैद उर रहमान	खाता नं.: 0893009300018454	30.4.2019 को रु. 2697636.08	
कुल बकाया		रु. 1,44,00,426.64	
प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण	मोहल्लाः तख्त गुसम खसरा नं. 583 एवं 584, कुल क्षेत्रफल माप 0.220 हेक्टे., वाजिद कोल्ड स्टोरेज के पीछे, तहसील सम्भल, जिला सम्भल (उ.प्र.) में स्थित प्लान्ट एवं मशीनरी के साथ भूमि तथा भवन का ईएम		

तिथि: 29.11.2019
स्थानः सम्भल
(प्राधिकृत अधिकारी)

www.readwhere.com

प्रदूषण चेन्नई में रविवार को मरीना बीच पर प्रदूषित जल के बीच सेल्फी लेते लोग।

कई राज्यों ने इस्तेमाल नहीं किया निर्भया कोष

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

हैदराबाद में महिला डाक्टर को सामूहिक बलात्कार के बाद जिंदा जला दिए जाने की घटना से देशभर में रोष है। लेकिन ऐसे मामलों में बढ़ोतरी के बावजूद अधिकतर राज्य सरकारें उदासीन हैं। महिला सुरक्षा के लिए स्थापित निर्भया कोष में से कुछ राज्यों ने जहां नाममात्र की धनराशि खर्च की तो वहीं कई राज्य विभिन्न मदों में एक भी पाई का उपयोग करने में विफल रहे।

हैदराबाद में महिला डॉक्टर से बलात्कार की घटना से देश में उत्पन्न आक्रोश के बीच एक तथ्य यह भी है कि केंद्र सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए गठित निर्भया कोष के पैसे खर्च करने में सभी राज्य विफल रहे और कुछ राज्यों ने तो एक पैसा भी खर्च नहीं किया।

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान निर्भया कोष के आबंटन के संबंध में सरकार द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार आबंटित धनराशि में से 11 राज्यों ने एक रुपया भी खर्च नहीं किया। इन राज्यों में महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा के अलावा दमन और दीव शामिल हैं। दिल्ली ने 390.90 करोड़ रुपये में सिर्फ 19.41 करोड़ रुपए खर्च किए। उत्तर प्रदेश ने निर्भया कोष के तहत आबंटित 119 करोड़ रुपए में से सिर्फ 3.93 करोड़ रुपए खर्च किए। कर्नाटक ने 191.72 करोड़ रुपए में से 13.62 करोड़ रुपए, तेलंगाना ने 103 करोड़ रुपए में से केवल 4.19 करोड़ रुपए खर्च किए। आंध्र प्रदेश ने 20.85 करोड़ में से केवल 8.14 करोड़ रुपए, बिहार ने 22.58 करोड़ रुपए में से मात्र 7.02 करोड़ रुपए खर्च किए।

महिला सुरक्षा के लिए स्थापित निर्भया कोष में से कुछ राज्यों ने जहां नाममात्र की धनराशि खर्च की तो वहीं कई राज्य विभिन्न मदों में एक भी पाई का उपयोग करने में विफल रहे।

गौरतलब है कि दिल्ली में 2012 में हुए जघन्य निर्भया गैंगरेप कांड के बाद सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित एक विशेष कोष की घोषणा की जिसका नाम निर्भया कोष रखा गया था। गुजरात ने निर्भया कोष के तहत आबंटित 70.04 करोड़ रुपए में से 1.18 करोड़ रुपए, मध्य प्रदेश ने 43.16 करोड़ रुपए में से 6.39 करोड़ रुपए, तमिलनाडु ने 190.68 करोड़ रुपए में से 6 करोड़ रुपए, पश्चिम बंगाल ने 75.70 करोड़ रुपए में से 3.92 करोड़ रुपए खर्च किए।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2015 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 3.29 लाख मामले दर्ज किए गए। 2016 में इस आंकड़े में 9,711 की बढ़ोतरी हुई और इस दौरान 3.38 लाख मामले दर्ज किए गए। इसके बाद 2017 में 3.60 लाख मामले दर्ज किए गए। 2015 में बलात्कार के 34,651 मामले, 2016 में बलात्कार के 38,947 मामले और 2017 में ऐसे 32,559 मामले दर्ज किए गए।

सरकार ने शुरू की चंद्रयान-3 परियोजना की तैयारी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

सरकार ने चंद्रयान-3 परियोजना की तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए संसद से 75 करोड़ रुपये आबंटित करने की मंजूरी मांगी है। संसद में पेश वर्ष 2019-20 की पूरक अनुदान मांगों के दस्तावेज से यह जानकारी प्राप्त हुई है।

चालू वित्त वर्ष के लिए अनुदान मांगों के पहले बैच के तहत सरकार ने अंतरिक्ष विभाग के मद में नई परियोजना चंद्रयान-3 के लिए उक्त धनराशि आबंटित करने की संसद से मंजूरी मांगी है। ये धनराशि दो श्रेणियों में मांगी गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश अनुदान की पूरक मांग संबंधी दस्तावेज में कहा गया है, 'नई परियोजना अर्थात चंद्रयान-3 के व्यय को पूरा करने के लिये 15 करोड़ रुपए अनुदान को मंजूरी दी जाए।' इसमें कहा गया है- 'नई परियोजना अर्थात चंद्रयान-3 के संदर्भ में मशीनरी और उपकरण तथा अन्य पूंजीगत व्यय के लिये 60 करोड़ रुपए अनुदान को मंजूरी दी जाए।'

सरकार ने चंद्रयान-3 परियोजना के लिए संसद से 75 करोड़ रुपए आबंटित करने की मंजूरी मांगी है।

इससे पहले, अंतरिक्ष विभाग ने एक बयान में कहा था, 'चंद्रयान 3 के बारे में आवश्यक प्रौद्योगिकी दक्षता के लिए इसरो ने चांद अन्वेषण का एक रोडमैप तैयार किया है। इस रोडमैप को अंतरिक्ष आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। विशेषज्ञ समिति के अंतिम विश्लेषण और अनुशंसाओं के आधार पर, भविष्य के चांद मिशन के लिए कार्य प्रगति पर है।' चंद्रयान-3 परियोजना के संदर्भ में लैंडिग साइट, लोकल नेविगेशन सहित अन्य बिंदुओं पर काम शुरू हो गया है और इस संबंध में एक बैठक भी हुई है।

हाल ही में दिल्ली में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख के सिवन से जब पूछा गया कि क्या इसरो चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में लैंडिग का फिर से प्रयास करेगा, तो उन्होंने कहा था, 'निश्चित तौर पर।' इसरो प्रमुख ने कहा था, 'चंद्रयान-दो कहानी का अंत नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि हमारी योजनाओं के तहत आदित्य एल-1 सौर मिशन और इंसान को अंतरिक्ष में भेजने के कार्यक्रम पर काम चल रहा है। कुछ दिन पहले वैज्ञानिकों ने कहा था कि इस बार रोवर, लैंडर और लैंडिंग की सभी प्रक्रियाओं पर ध्यान देने के साथ ही चंद्रयान-2 में जो भी खामियां रहीं हैं, उन्हें सुधारने पर जोर रहेगा।

गौरतलब है कि सितंबर में इसरो ने चंद्रयान-2 के लैंडर की चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिग कराने की कोशिश की थी लेकिन इसमें सफलता नहीं मिल पाई। हालांकि, चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर काम कर रहा है और वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सात साल तक काम करता रहेगा।

आरोपी ब्रजेश ने सरकारी धन निजी हितों के लिए हस्तांतरित किया : ईडी

मुजफ्फरपुर आश्रय गृह मामला

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में स्थित एक आश्रय गृह में कई लड़कियों से यौन उत्पीड़न मामले के मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर ने बच्चों के कल्याण के लिए मिले सरकारी कोष का हस्तांतरण निजी लाभ व गैरकानूनी गतिविधियों के लिए किया था। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में यह बात सामने आई है।

संघीय जांच एजंसी ने ब्रजेश ठाकुर, उसके परिवार के सदस्यों व अन्य के खिलाफ पिछले साल अक्तूबर में धन शोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था। ब्रजेश ठाकुर के गैर सरकारी संगठन सेवा संकल्प विकास समिति की ओर से चलाये जा रहे आश्रय गृह में नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न की खबर सामने आने के बाद यह मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय की जांच में कहा गया है, 'गैर सरकारी संगठन के बैंक खातों के जरिए सीधे ठाकुर और उसके परिवार के सदस्यों के खाते में उनके निजी इस्तेमाल के लिए बड़े पैमाने पर धन हस्तांतरित किया गया था।' जांच रिपोर्ट में कहा गया है, 'इससे यह स्पष्ट होता है कि बच्चों के कल्याण के लिए सरकार और अन्य स्रोतों से प्राप्त धनराशि को ठाकुर ने छुपाया, हस्तांतरित किया और चुराया।' जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि यह धन शोधन का एक अनोखा मामला है, जहां बच्चों के कल्याण में इस्तेमाल होने वाले धन को हस्तांरित किया गया, विभिन्न खातों के माध्यम से बांटा गया और व्यक्तिगत हित के लिए उसका इस्तेमाल किया गया ।

इसमें कहा गया है कि गैर सरकारी संगठन के खातों से ठाकुर और उसके परिजनो के खातों में धन का निर्बाध रूप से हस्तांतरण किया गया। जांच रिपोर्ट में कहा गया है, 'इससे यह स्पष्ट होता है कि ठाकुर ने निजी संपत्ति के तौर पर गैर सरकारी संगठन को प्रबंधन और इस्तेमाल किया तथा निजी हितों के लिए उसका कोष चुराया।' रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है, 'ठाकुर ने संगठन के बैंक खातों से अन्य लोगों के खातों में धन का अवैध रूप से हस्तांतरण किया जिन्होंने बाद में बिना कोई निशान छोड़े नकद राशि अपने बैंक खाते से निकाल कर ठाकुर को सुपुर्द कर दिया।

महिला टीवी कलाकार ने पूर्व विधायक के बेटे पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया

हैदराबाद, 1 दिसंबर (भाषा) ।

हैदराबाद में एक महिला टीवी कलाकार ने पूर्व विधायक और भाजपा नेता के बेटे तथा उसके दो मित्रों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि कलाकार ने अपनी शिकायत में कहा कि टी नंदेश्वर गौड़ के बेटे आशीष गौड़ और उसके दो मित्रों ने आज तड़के एक होटल में उसके और उसकी दोस्तों के साथ दुर्व्यवहार किया। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया, उन्होंने (आशीष और उसके दोस्तों ने) हमारा हाथ खींचा, हम पर चिल्लाए और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लिमिटेड
TATA
शाखा का पता : 7 वां तल विडियोकॉन टावर, झण्डेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055

अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिये बिक्री सूचना
(प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत)

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी बिक्री सूचना

ऋण खाता सं. 6420441& 7388711 अचीन कुमार सिंघल

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारक/सह-ऋणधारक को सूचित किया जाता है कि टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. (प्रतिभूत क्रेडीटर) के पास गिरवी नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. (प्रतिभूत क्रेडीटर) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा कर लिया गया है, की 1. अचीन कुमार सिंघल, पुत्र श्री सलेक चन्द सिंघल, X/3857, गली नं. 13, शांति मोहल्ला, गांधी नगर, पूर्वी दिल्ली-110031 साथ हीः मकान सं. 88, भू तल तथा तीसरा तल, गली नं. 1, शंकर नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली-110031, 2. स्नेह रानी, X/3857, गली नं. 13, शांति मोहल्ला, गांधी नगर, पूर्वी दिल्ली-110031 3. डिम्पल रानी, मकान सं.-88, भू तल एवं तीसरा तल, गली नं. 1, शंकर नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली-110031 4. समीर कुमार, मकान सं.-88, भू तल एवं तीसरा तल, गली नं. 1, शंकर नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली-110031 5. मै. आर.एस. एण्टरप्राईजेज, X/3857, गली नं. 13, शांति मोहल्ला, गांधी नगर, पूर्वी दिल्ली-110031, साथ हीः मकान सं. 88, जीएफ एलएचएस, गली नं. 1, शंकर नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली-110051 से 15 अप्रैल, 2019 को रु. 1,09,60,187/- (रुपये एक करोड़ नौ लाख साठ हजार एक सौ सतासी मात्र) की कुल राशि की वसूली के लिये **''जैसा है जहां है'' एवं ''जो भी वहां है'' आधार पर** 20 दिस., 2019 को बिक्री की जायेगी। आरक्षित मूल्य तथा धरोहर राशि का विवरण नीचे वर्णित है।

जैसा कि प्रतिभूत परिसम्पत्ति की यह बिक्री प्रतिभूत ऋण की वसूली के लिए की जाएगी तथा जैसा कि 5 अप्रैल, 2019 को सभी लागतों, ब्याज आदि के साथ रु. 1,09,60,187/- (रुपये एक करोड़ नौ लाख साठ हजार एक सौ सतासी मात्र) की राशि बकाया है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि बिक्री के स्थगन/ रोकने की अनुपस्थित में उक्त सम्पत्ति की 7वाँ तल, विडियोकॉन टावर, ब्लॉक-ई, झण्डेवालान एक्स्टें., नई दिल्ली-110055 में उक्त 20 दिस., 2019 को 2.00 बजे अप. में ई-नीलामी द्वारा बिक्री की जाएगी। सम्पत्ति की खरीद के लिए ईएमडी के डिमांड ड्राफ्ट के साथ मुहरबंद निविदा टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा मुहरबंद ई-नीलामी उक्त 19 दिस., 2019 के 5.00 बजे अप. तक प्राप्त की जाएगी। सम्पत्ति की बिक्री जैसा है जहां है शर्त तथा उक्त सम्पत्ति से जुड़ी देयताओं तथा दावे, अनुसूची में वर्णित रूप में जिस समय तक वे सुनिश्चित हैं, के साथ की जाएगी।

प्रतिभूत सम्पत्ति का विवरण	कब्जा का प्रकार	आरक्षित मूल्य रु.	धरोहर राशि रु.
1. निर्मित सम्पत्ति सं.-88, माप 70 वर्ग यार्ड्स अर्थात् 58.52 वर्ग मीटर का भू तल जिसका विस्तृत विवरण बुक नं. 1, वॉल्यूम नं. 887, पेज नं. 64 से 73 तिथि 20.09.2016 में बिक्री प्रलेख सं. 6727 में दिया गया है। 2. उसके नीचे भूमि में आनुपातिक शेयर के साथ सम्पत्ति सं. 88, माप 120 वर्ग यार्ड्स अर्थात् 100.33 वर्ग मीटर का दूसरा तल जिसका विस्तृत विवरण सब-रजिस्ट्रार ऑफएस्युरैन्स के पास बुक नं.1, वॉल्यूम नं. 887, पेज 114 से 123 में दस्तावेज सं. 6732 के रूप में पंजीकृत बिक्री प्रलेख तिथि 20.09.2016 में दिया गया है। 3. उसके नीचे भूमि में आनुपातिक शेयर के साथ सम्पत्ति सं. 88, माप 120 वर्ग यार्ड्स अर्थात् 100.33 वर्ग मीटर का प्रथम तल जिसका विस्तृत विवरण सब-रजिस्ट्रार ऑफ एस्युरैन्सेस IV बी, विवेक विहार, दिल्ली के पा बुक नं. 1, वॉल्यूम नं. 887 में पेज नं. 84 से 93 में पंजीकरण सं. 6729 वाले बिक्री प्रलेख तिथि 20.09.2016 में दिया गया है। उपरोक्त सभी सम्पत्ति, निर्मित संपत्ति सं. 88 का भाग है जिसका चौहद्दी इस प्रकार हैः उत्तरः मैन रोड, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति, पूर्वः गली, पश्चिमः अन्य समपत्ति।	भौतिक	रु. 96,64,110/-	रु. 9,66,411/-

बिक्री के लिए रखी गई सम्पत्ति का विवरण अनुसूची में है। यदि प्राधिकृत अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाये, ब्याज लागत (बिक्री लागत आदि) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो यह बिक्री रोक दी जाएगी। बिक्री में आम जनता को व्यक्तिगत रूप से निविदा जमा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। ऐसे किसी भी अधिकारी या व्यक्ति जिन्हें इस बिक्री के सिलसिले में किसी भी प्रकार के कर्तव्य का निर्वहन करना हो, चाहे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बिक्री की जाने वाली सम्पत्ति में कोई हित अर्जित या अर्जित करने का प्रयास नहीं करेंगे। यदि बिक्री की तिथि से पूर्व टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. को देय राशि का ऋणधारक पूरी तरह से भुगतान कर देते हैं तो यह बिक्री रोक दी जायेगी। यह बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 में निर्दिष्ट शर्तों तथा अधोलिखित शर्तों के अधीन होगीः ई-नीलामी बिक्री प्रति 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ 20 दिसम्बर, 2019 को 2.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. के बीच पोर्टल https://disposalhub.com के माध्यम से आयोजित की जायेगी।

1. संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत किये गये हैं, लेकिन इस उद्घोषणा में किसी गलती अथवा खामी के लिये अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे। यदि बोली राशि अथवा बोलीदाता से संबंधित कोई विवाद उत्पन्न होता है तो लॉट को फिर से नीलामी पर प्रस्तुत किया जायेगा।
2. आरक्षित मूल्य से कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जायेगी।
3. बोली वृद्धि राशि रु. 10,000/- होगी।
4. सम्पत्ति की खरीद के लिये जमा की गई सभी निविदाओं के साथ ''टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि.'' के पक्ष में देय दिल्ली में भुगतान योग्य डिमांड ड्राफ्ट द्वारा धरोहर राशि संलग्न की जायेगी। असफल बोलीदाता का डिमांड ड्राफ्ट वापस लौटा दिया जायेगा।
5. उच्चतम बोलीदाता को किसी लॉट का क्रेता घोषित किया जायेगा व शर्तें वे कानूनी रूप से बोली करने के लिये योग्य हों तथा उनके द्वारा जमा राशि आरक्षित मूल्स से कम नहीं हो। यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्ट रूप से अपर्याप्त होता है तथा ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होता है तो अधोहस्ताक्षरी स्वेच्छा से उच्चतम बोली को अस्वीकार कर सकते हैं।
6. दर्ज कारणों से प्राधिकृत अधिकारी को स्वेच्छा से बिक्री को स्थगित करने/ रोकने का अधिकार है।
7. सम्पत्ति का निरीक्षण 16 दिसम्बर, 2019 को 11 बजे पूर्वा. से 5.00 बजे सायं तक किया जा सकता है।
8. क्रेता घोषित किये जाने वाले व्यक्ति को प्राधिकृत अधिकारी के पास तत्काल पच्चीस प्रतिशत क्रय मूल्य का भुगतान करना होगा तथा उसमें विफल होने पर सम्पत्ति की फिर से बिक्री की जायेगी।
9. यदि उपरोक्त रूप में आरंभिक जमा की जाती है तो शेष क्रय मूल्य का भुगतान क्रेता को सम्पत्ति की बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर, उस दिन को छोड़कर, अथवा यदि 15वाँ दिन अवकाश या रविवार होता है तो पन्द्रवें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस में प्राधिकृत अधिकारी के पास करना होगा तथा उपरोक्त अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद सम्पत्ति की फिर से बिक्री की जायेगी। जमा की गई राशि टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. के लिये जब्त कर ली जायेगी तथा चूक करने वाले क्रेता उस सम्पत्ति अथवा उस राशि के किसी भाग से वंचित हो जाएंगे जिसके लिये बाद में उसकी बिक्री की जायेगी। प्राधिकृत अधिकारी की ईच्छा पर सम्पत्ति की फिर से बिक्री की जायेगी।
10. टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. को सम्पत्ति के प्रति देय अधिभारों की जानकारी का विवरण शून्य, सम्पत्ति पर रखे गये दावे अथवा उस प्रकृति एवं मूल्य के अन्य ज्ञात विवरणोंः शून्य उपरोक्त के अतिरिक्त कुछ नहीं।
11. विवरणों, सहायता, प्रक्रिया तथा ऑनलाइन ई-नीलामी पर प्रशिक्षण के लिए संभावित बोलीदाता सेवा प्रदाताः मै. नेक्स जेन सॉल्यूशन प्राईवेट लिमिटेड, नामः हमारे बिक्री पार्टनर का क्लाइन्स सर्विस डेलिवरी (सीएसडी) से ईमेल आईडीः csd@disposalhub.com टेलीफोन नं. +91 124 4233933,, मोबाईल नं. +91 9810029926 के माध्यम से सम्पर्क कर सकते हैं।
12. टिप्पणीः इच्छुक बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी श्री आयन भट्टाचार्या, ई-मेलः Ayan.Bhattacharya@TataCapital.com तथा मोबाईल नं. 7290010751 से सम्पर्क कर सकते हैं।
13. बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थात् https://www.tatacapital.com/tcfsl.html में दी गई लिंक देखें।

स्थानः नई दिल्ली — हस्ता./-
तिथिः 02.12.2019 — आयन भटटाचार्य
(प्राधिकृत अधिकारी), टाटा कैपिटल फाइनांसियल सर्विसेस लि. मो. नं. 7290010751

निजी दूरसंचार कंपनियों को बढ़ावा दे रही है केंद्र सरकार : कांग्रेस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कांग्रेस ने रविवार को भाजपा नीत सरकार पर दूरसंचार क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की कीमत पर निजी इकाइयों से विशेष व्यवहार करने का आरोप लगाया और सत्तारुढ़ दल से सवाल किया कि क्या उसे चुनावी बांड के रूप में लाभ हासिल हुआ है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती यूपीए-1 और यूपीए-दो सरकार के कार्यकाल के दौरान लाभ में रहने वाली बीएसएनएल और एमटीएनएल जैसी सरकारी क्षेत्र की कंपनियां अब नुकसान में हैं जबकि सरकार निजी क्षेत्र की कंपनियों को प्रोत्साहित कर रही है और उन्हें राहत दे रही है।

खेड़ा ने कहा कि आप सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के प्रति सौतेला व्यवहार और निजी क्षेत्र की इकाइयों के साथ विशेष व्यवहार क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पूछना चाहते हैं कि क्या सत्तारुढ़ पार्टी को निजी इकाइयों से चुनावी बांड के रूप से लाभ प्राप्त हुए थे। खेड़ा की यह टिप्पणी दूरसंचार कंपनियों वोडाफोन, आइडिया और भारती एअरटेल द्वारा रविवार को अपने मोबाइल फोन नेटवर्क सेवाओं की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की पृष्ठभूमि में आई है।

मॉडल प्रश्नपत्र में 'गैंबलिंग' की जगह 'गांधीजी' छपा

भोपाल, 1 दिसंबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जारी 'मॉडल प्रश्नपत्र' में 'गैंबलिंग' की जगह 'गांधीजी' छप जाने से प्रदेश की कांग्रेस नीत सरकार की किरकिरी हो गई है। इसके बाद सरकार ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। यह गलती मध्य प्रदेश बोर्ड के 2019-20 शैक्षणिक सत्र की परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए बनाए गए मॉडल टेस्ट पेपर नंबर-3 में हुई है। इस मॉडल टेस्ट पेपर में प्रश्नों के साथ-साथ उनके उत्तर भी दिए गए हैं।

अनुसूची I
प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2017 के विनियमन 14 के अंतर्गत]

(जेएमए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	जेएमए इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	8 जुलाई, 2011
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का	U74999DL2011FTC222126
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	ई-20, 1ला एवं 2रा तल, हौजखास, नई दिल्ली-110016
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	30 नवम्बर, 2019
7.	परिसमापक का नाम, पता, ई-मेल पता, टेलीफोन नम्बर तथा पंजीकरण संख्या	पताः ई-21, 1ला तल, हौजखास, नई दिल्ली-110016 ईमेल का पताः nsinghania@passpl.com टेलीफोन नम्बरः 011-43156000 पंजीकरण संख्याः IBBI/IPA-001/PPP00196/2017-18/10375
8.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	29 दिसम्बर, 2019

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है ''जेएमए इंडिया प्राईवेट लिमिटेड'' ने 30 नवम्बर, 2019 को स्वैच्छिक परिसमापन शुरू किया है।
एतद्द्वारा ''जेएमए इंडिया प्राईवेट लिमिटेड'' के स्टेकधारकों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 7 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 29 दिसम्बर, 2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत या भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथिः 2 दिसम्बर, 2019 — हस्ता./-
स्थानः नई दिल्ली — नरेन्द्र सिंघानिया, परिसमापक
पंजीकरण संख्याः IBBI/IPA001/IP-P00196/2017-18/10375

बैंक ने समाचार पत्र में दिया नोटिस

मध्य प्रदेश विस अध्यक्ष के बेटों को बकाया 42.23 लाख रुपए भरने को कहा

जबलपुर, 1 दिसंबर (भाषा) ।

मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति के दो बेटों को रविवार को इलाहाबाद बैंक ने समाचार पत्र में नोटिस छपाकर उनके द्वारा लिए गए कर्ज की बकाया राशि करीब 42.23 लाख रुपए भरने को कहा है।

प्रजापति के बेटों—नीर प्रजापति एवं प्रीतिराज प्रजापति ने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में इलाहाबाद बैंक की नरसिंहपुर शाखा से अलग-अलग ऋण ले रखा है और दोनों में उनके पिता जमानतदार हैं। नीर पर बैंक का करीब 21.54 लाख रुपए बकाया है, जबकि प्रीतिराज पर करीब 20.68 लाख रुपए बकाया देने का नोटिस छपा है। इन दोनों भाइयों को बैंक ने एनपीए की कैटेगरी में रखा है। नोटिस में कहा गया है कि नीर को 13 अगस्त 2019 को इस बकाया राशि को भरने को कहा था और स्पष्ट कर दिया गया था कि इस राशि को 60 दिन के अंदर जमा नहीं करवाई तो वित्तीय अस्तियां के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (4) के अनुसार बैंक में बंधक संपत्तियों जो कि ऋणियों एवं जमानतदारों के नाम हैं, उसका कब्जा ले लिया जाएगा। इसके अलावा, नोटिस में कहा गया है कि प्रीतिराज को 10 अक्तूबर 2019 को इस बकाया राशि को भरने को कहा था और स्पष्ट कर दिया गया था कि इस राशि को 60 दिन के अंदर जमा नहीं करवाई तो वित्तीय अस्तियां के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (4) के अनुसार बैंक में बंधक संपत्तियों जो कि ऋणियों एवं जमानतदारों के नाम हैं, उसका कब्जा ले लिया जाएगा। इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति से फोन पर बार-बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन असफल रहा। वह नरसिंहपुर जिले के निवासी हैं।

नीर प्रजापति व प्रीतिराज प्रजापति ने प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में इलाहाबाद बैंक की नरसिंहपुर शाखा से अलग-अलग ऋण ले रखा है और दोनों में पिता जमानतदार हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश, एक की मौत

चेन्नई, 1 दिसंबर (भाषा) ।

उत्तर-पूर्व मानसून के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों और पड़ोसी राज्य पुडुचेरी में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई। चेन्नई में बारिश से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में और बारिश होने का पुर्वानुमान जताया है।

***मौसम विभाग ने* अगले दो दिनों में और बारिश होने का पुर्वानुमान जताया है।**

क्षेत्रीय चक्रवात चेतावनी केंद्र के निदेशक एन पुविरासन ने कहा कि ऊपरी वायु प्रवाह के कारण राज्य में भारी बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि अगले 24-48 घंटे में हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है। लेकिन रामनाथपुरम, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, वेल्लोर, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नमलाई जिलों में अगले 24 घंटों में भारी वर्षा हो सकती है। उन्होंने अरब सागर में दबाव का क्षेत्र बनने के कारण वायु गति बढ़ने की संभावना को देखते हुए मछुआरों को केप कोमोरिन और लक्षद्वीप क्षेत्र में समुद्र में न जाने की सलाह दी है। इस बीच शहर के पुलिस आयुक्त ए के विश्वनाथन ने चेन्नई में स्थिति का जायजा लिया और भारी वर्षा के बाद उपायों की समीक्षा की। विश्वनाथन ने संवाददाताओं से कहा कि स्थित को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने के लिए कह दिया गया है।

RELIGARE | SME LOANS
Values that bind
In your success lies ours

RELIGARE FINVEST LIMITED
CIN No.: U74999DL1995PLC064132
REGD. OFFICE: 2ND FLOOR, RAJLOK BUILDING, 24, NEHRU PLACE, NEW DELHI-110019

PUBLIC NOTICE

Religare Finvest Limited (RFL) is a Non- Deposit Taking Systemically Important Non-Banking Financial Company (NBFC-NDSI) regulated by the RBI and is also registered with SEBI as a Depository Participant (DP) (with CDSL) vide Certificate of Registration (COR) registration number as IN-DP-CDSL-410-2007, dated July 31, 2013 for carrying out DP business under SEBI (Depositories and Participants) Regulations, 1996 read along with CDSL rules and regulations.

As per the extant guidelines as stipulated under the Bye-Laws of CDSL, this notice is hereby given to all concerned, for RFL's intention to surrender its certificate of registration as DP. In this regard, we would like to inform you all that RFL has issued 30 days' Notice to all its customers holding demat account with RFL as DP of CDSL, for closure of their respective accounts maintained with RFL.

We request you to kindly note that after the lapse of 30 days with effect from this notice, including individual notices sent to customers, all the active accounts with RFL as DP would automatically be transferred to CDSL under automatic managed DP account and thereafter, RFL would cease to function or act as a DP thereafter.

Request all concerned, to consider the aforesaid Notice for their information and perusal.

For and on behalf of Religare Finvest Limited
Authorized Signatory

गांगुली का कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी में बीसीसीआइ

मुंबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

बीसीसीआइ की 88वीं वार्षिक आम बैठक में रविवार को कई अहम फैसले लिए गए। इसमें पदाधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करने वाले प्रशासनिक सुधारों में ढिलाई देने के लिए सुप्रीम कोर्ट की स्वीकृति लेने का फैसला किया गया। साथ ही आइसीसी की मुख्य कार्यकारियों की समिति की बैठक में भाग लेने के लिए सचिव जय शाह को अपना प्रतिनिधि बनाया गया। कोर्ट से बदलाव की मंजूरी मिलने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का अध्यक्ष कार्यकाल बढ़ सकता है।

एक अधिकारी ने बताया कि सभी प्रस्तावित संशोधनों को स्वीकृति मिल गई है और अब इन्हें सुप्रीम कोर्ट के पास भेजा जाएगा (स्वीकृति के लिए)। मौजूदा संविधान के अनुसार अगर किसी पदाधिकारी ने बीसीसीआइ या राज्य संघ में मिलाकर तीन साल के दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं जो उसे तीन साल का अनिवार्य ब्रेक लेना होगा।

नियमों में ढिलाई के लिए अदालत की स्वीकृति लेगा बोर्ड

गांगुली ने 23 अक्तूबर को बीसीसीआइ अध्यक्ष का पद संभाला था और उन्हें अगले साल पद छोड़ना होगा लेकिन छूट दिए जाने के बाद वह 2024 तक पद पर बने रह सकते हैं। मौजूदा पदाधिकारी चाहते हैं कि अनिवार्य ब्रेक किसी व्यक्ति के बोर्ड और राज्य संघ में छह साल के दो कार्यकाल अलग-अलग पूरा करने पर शुरू हो। इस कदम को अगर स्वीकृति मिलती है तो सचिव जय शाह के कार्यकाल को बढ़ाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। शाह के मौजूदा कार्यकाल में भी एक साल से कम समय बचा है।

इसके अलावा शाह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मुख्य कार्यकारियों की समिति की भविष्य की बैठकों में हिस्सा लेने के लिए भारत का प्रतिनिधि चुना गया। सुप्रीम कोर्ट से नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) जब बोर्ड का प्रशासनिक कामकाज देख रही थी तब बीसीसीआइ सीईओ राहुल जौहरी इन बैठकों में बीसीसीआइ के प्रतिनिधि थे। लेकिन अब पूर्ण बोर्ड के पदभार संभालने के बाद यह जिम्मेदारी एक बार फिर सचिव को सौंप दी गई है।

अधिकारी ने कहा कि जब भी बैठक होगी तो इसके लिए जय जाएंगे। बीसीसीआइ ने हालांकि आइसीसी के बोर्ड की बैठक के लिए अभी अपने प्रतिनिधि पर फैसला नहीं किया है। इसके अलावा बोर्ड ने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) की नियुक्ति को टालने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि तीन दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद नियुक्ति की जाएगी। बोर्ड साथ ही चाहता है कि भविष्य में संवैधानिक संशोधनों से जुड़े फैसलों से अदालत को दूर रखा जाए और प्रस्ताव दिया है कि अंतिम फैसला करने के लिए एजीएम में तीन-चौथाई बहुमत पर्याप्त होगा। अधिकारियों का मानना है कि प्रत्येक संशोधन के लिए सुप्रीम कोर्ट की स्वीकृति लेना व्यावहारिक नहीं है लेकिन मौजूदा संविधान के तहत ऐसा करना जरूरी है।

पाकिस्तान पर पारी की हार का खतरा

एडीलेड, 1 दिसंबर (एएफपी)।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में यासिर शाह के पहले टैस्ट शतक के बावजूद दूसरी पारी में शीर्ष क्रम लड़खड़ाने के कारण पाकिस्तान पर हार का खतरा मंडरा रहा है।

आस्ट्रेलिया में लगातार 13 टैस्ट मैच गंवाने वाले पाकिस्तान ने रविवार को बारिश के कारण जल्दी खेल समाप्त किए जाने तक तीन विकेट पर 39 रन बनाए। उसे पारी की हार से बचने के लिए अब भी 248 रन की जरूरत है।

पाकिस्तान ने दोपहर में अपनी पहली पारी छह विकेट पर 96 रन से आगे बढ़ाई। यासिर (113) के शतक और बाबर आजम के 97 रन की मदद से उसने अपनी पहली पारी में 302 रन बनाए। इसके बावजूद वह आस्ट्रेलिया से 287 रन पीछे रह गया। आस्ट्रेलिया ने डेविड वार्नर की नाबाद 335 रन की मदद से अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 589 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। उसकी तरफ से मिशेल स्टार्क ने 66 रन देकर छह विकेट लिए।

> यासिर के शतक के बावजूद आस्ट्रेलिया से 287 रन पीछे।

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने पाकिस्तान को फालोआन के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। जोश हेजलवुड ने सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक को पगबाधा आउट करके उन्हें खाता भी नहीं खेलने दिया। स्टार्क ने कप्तान अजहर अली (नौ) को स्टीवन स्मिथ के हाथों कैच कराकर स्कोर दो विकेट पर 11 रन कर दिया।

दिन में बारिश का खतरा बना रहा और इससे बीच में व्यवधान भी पड़ा। बारिश थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो हेजलवुड ने बाबर आजम (आठ) का कीमती विकेट लिया लेकिन बारिश आने से आस्ट्रेलिया आगे कहर बरपाना जारी नहीं रख सका। इससे पहले यासिर और आजम ने पाकिस्तान की धुंधली उम्मीद कायम रखी थी।

अपनी स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर और इससे पहले 36 टैस्ट मैचों में कभी 42 रन से आगे नहीं बढ़ पाने वाले यासिर ने दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने शतक जड़ा।

विष्णु और मुजामिल को मिली खिताबी जीत

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 1 दिसंबर।

चेन्नई के विष्णु प्रसाद और बंगलुरु के सैयर मुजामिल अली ने जेके टायर फेस्टिवल ऑफ स्पीड में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को खिताब अपने नाम किया। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में जुटे 35 हजार दर्शकों ने भी रेसरों का भरपूर साथ दिया। रेस के दौरान दो मौकों पर कारें दुर्घटनाग्रस्त भी हुईं। एमस्पोर्ट के विष्णु और रघुल रंगास्वामी जेके टायर एफएमएससीआइ राष्ट्रीय रेसिंग चैंपियनशिप के तहत फार्मूला एलजीबी-4 कटेगरी के चैंपियन बने।

विष्णु और रघुल ने अंतिम दिन 73 अंकों के साथ ट्रैक पर कदम रखा। दोनों ने अपनी साख के साथ न्याय करते हुए जीत हासिल की और विजेता बनकर उभरे। विष्णु ने नाटकीय अंदाज में जीत हासिल की जबकि रघुल ने तीसरे स्थान के साथ चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया।

जिक्सर कप में बर्चस्व की लड़ाई

सुजुकी जिक्सर कप में भी शानदार रेस देखने को मिली। सैयद मुजामिल अली और तनय गायकवाड अंतिम बार वर्चस्व की लड़ाई में थे। तनय चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे। मुजामिल को ओवरनाइट दो अंकों की लीड मिली हुई थी। मुजामिल ने पहला स्थान हासिल किया।

एक्स-1 लीग में पहला राउंड बंगलुरु को

एक्स-1 लीग का पहला संस्करण भी शानदार रहा। इस लीग में नए प्रारूप में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय चालक हिस्सा ले रहे थे। अर्जुन मेनेनी, ओलीवर वेब, विष्णु प्रसाद और मिशेल गैटिंग वाली बंगलुरु रेसिंग स्टार्स टीम ने पहला राउंड जीत लिया। इस टीम ने पहले दिन दोनों रेस जीती थीं। दूसरे दिन इस टीम ने राउंड की अंतिम रेस जीती। कुश मेनेनी, मिकेल जेनसन, कार्थिक थारानी और पिप्पा मान की मुंबई फल्कंस टीम ने रविवार को दो में से एक रेस जीती और दूसरे स्थान पर रही।

सुपरबाईक 1000 में रजनी विजेता

जेके टायर सुपरबाइक 1000 सीसी कटेगरी में रजनी कृष्णन ने बाजी मारी। वहीं जेके टायर सुपरबाइक 600 सीसी कटेगरी में पी साई राहिल शेट्टी ने पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह एशिया कप रोड रेसिंग में जापान के कारेन ओगुरा ने बाजी मारी।

ओड़ीशा-पंजाब के मुकाबले में मैरी कॉम होंगी मुख्य आकर्षण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

ओड़ीशा वॉरियर्स और पंजाब पैंथर्स के बीच सोमवार को होने वाले मुकाबले के साथ ही बिग बाउट लीग का आगाज हो जाएगा। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा में होने वाले मुकाबले का मुख्य आकर्षण छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम रहेंगी। वह पंजाब पैंथर्स की ओर से फ्लाईवेट वर्ग में चुनौती पेश करेंगी। मुकाबले शाम सात बजे से शुरू होंगे।

मैरी कॉम ने कहा कि इस साल विश्व चैंपियनशिप में जो कुछ हुआ, वह उनके लिए एक सीख है और अब ओलंपिक की तैयारियों के लिए वह इससे सबक लेंगी।

बिग बाउट लीग अपनी तैयारियों का जायजा लेने का एक अच्छा मंच है।

उनका इस लीग का पहला मुकाबला ओड़ीशा वॉरियर्स की सविता से होगा, जो राष्ट्रीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं। इसके अलावा राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन मनोज कुमार का मुकाबला उज्बेकिस्तान के जे. राखमोनोव से होगा।

नाइजीरियाई खिलाड़ी कोरेडे अदेनजीजी, पीएल प्रसाद, सोनिया लठेर, नवीन कुमार और आरशी खानम से भी पंजाब टीम को उम्मीदें हैं। वहीं ओड़ीशा टीम को खासकर सचिन सीवाच, राखमोनोव, नील कमल सिंह, नमन तंवर जैस्मिन और प्रियंका चौधरी से उम्मीदें हैं।

दोनों टीमें

पंजाब पैंथर्स - टीम 'ए'- एमसी मैरी कॉम, सोनिया लठेर, पीएल प्रसाद, ए खालाकोव, मनोज कुमार, कोरेडे अदेनजीजी, नवीन कुमार और आरशी खानम।

टीम 'बी' - दर्शन दूत, प्रीति बेनिवाल, पंकज सैनी, मोहम्मद इब्राहिम, राहिल रपीक संजीत सिंह गिल, सागर छिकारा, सपना शर्मा।

ओड़ीशा वॉरियर्स - टीम 'ए' - सविता, प्रियंका चौधरी, दीपक, सचिन सीवाच, जे राखमोनोव, नील कमल सिंह, नमन तंवर, जैस्मिन।

टीम 'बी' - शिक्षा, मनीश माउन, जेसुरबेक लातिपोव, गौरव सोलंकी, प्रमोद कुमार, वान्हलीम्पुइया, राहुल पासी, सान्या नेगी।

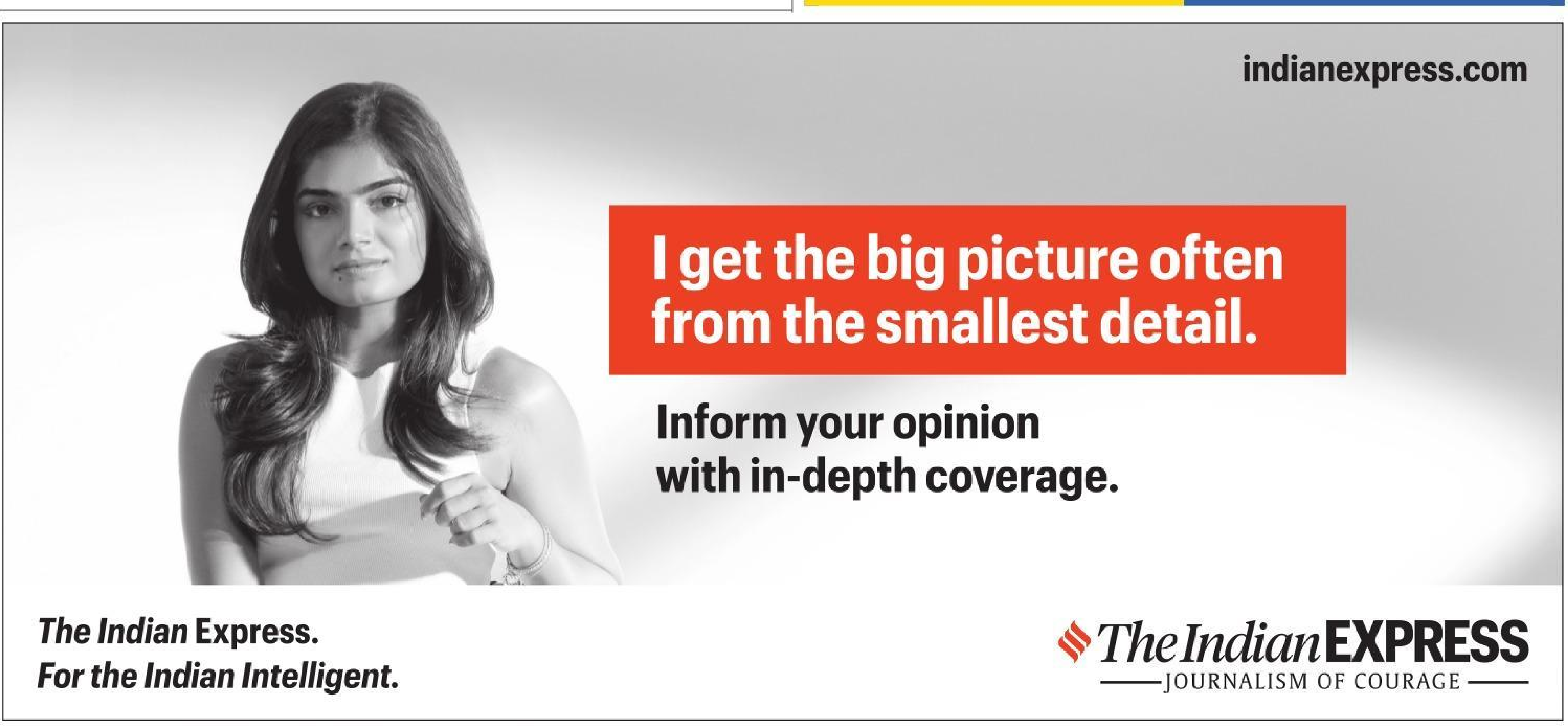

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 15, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com